- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- लालू-राबड़ी राहुल के पास, विकास का कोई एजेंडा नहीं - 12

- केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-आरबीआई सावधानी से बढ़ रहा आगे - 12

- एक डिग्री सेल्सियस के 10वें हिस्से के बराबर तापमान बढ़ना भी अब घातक - 13

- भारत ए मजबूत स्थिति में, 112 रनों की बढ़त बनाई - 14

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.23

सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया 07:32 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 8 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 279, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-कांग्रेस ने 1937 में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के कई महत्वपूर्ण अंश हटाए

विभाजनकारी मानसिकता अब भी चुनौती

- राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने कीं टिप्पणियां

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीज बोये और इस प्रकार की विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए अब भी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत करते हुए ये बात कही। मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

मोदी ने कहा, वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आवाज बन गया। इसने हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त किया। दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को... उसकी आत्मा के एक हिस्से को निकाल दिया गया। आज की पीढ़ी को यह जानने की जरूरत है कि राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ, यह विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए आज भी एक चुनौती है। प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम' को हर युग में प्रासंगिक बताया और 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, जब दुश्मन ने आतंकवाद का इस्तेमाल करके हमारी सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया तो दुनिया ने देखा कि नए भारत ने मानवता की सेवा में कमला और विमला की भावना को साकार किया। भारत दुर्गा का रूप धारण करना भी जानता है।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी।

भारत की संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को आधिकारिक तौर पर वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया, जिससे इसे स्थायी महत्व प्राप्त हुआ। विभिन्न विवरणों के अनुसार, वंदे मातरम के एक संक्षिप्त संस्करण को, जिसमें मूल छह छंदों में से केवल पहले दो को रखा गया था, 1937 में कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय गीत के रूप में चुना गया था। तब मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, आचार्य नरेंद्र देव और रवींद्रनाथ टैगोर की एक समिति ने इसे अपनाने की सिफारिश की थी। प्रधानमंत्री के भाषण से पहले दिन में भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में अपने सांप्रदायिक एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ाते हुए 1937 में 'वंदे मातरम' के केवल संक्षिप्त संस्करण को पार्टी के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया था। भाजपा प्रवक्ता केसवन ने 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस ने गीत को धर्म से जोड़ने का ऐतिहासिक पाप और भूल की। नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने वंदे मातरम के उन छंदों को धार्मिक आधार पर जानबूझकर हटा दिया जिनमें देवी मां दुर्गा की स्तुति की गई थी। बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना की थी। चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' के एक भाग के रूप में प्रकाशित हुआ था।

कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनने का मंत्र है वंदे मातरम : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों के प्रति जागरूक और आग्रही बनने का प्रेरक मंत्र है। यह किसी जाति, उपासना पद्धति या व्यक्ति का महिमामंडन नहीं करता, बल्कि नागरिकों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र माता के प्रति समर्पण का भाव सिखाता है। जब नागरिक अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ता है, तभी वह सच्चे अर्थों में वंदे मातरम् का गान कर रहा होता है। मुख्यमंत्री लोक भवन में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस अवसर पर मुख्य सचिव एसपी गोयल सहित शीर्ष अधिकारियों के साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया और 'स्वदेशी का संकल्प' लिया। राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब शिक्षक अपने विद्यार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण करता है। जब जवान सीमाओं पर विपरीत परिस्थितियों में भी डटा रहता है, और जब किसान धरती की उर्वरता बढ़ाकर अन्न उत्पादन करता है, तो यह सब वंदे मातरम् की भावना का ही मूर्त रूप है। यही भाव

- कहा, वंदे मातरम किसी जाति, उपासना विधि या व्यक्ति का महिमा मंडन नहीं करता

वंदे मातरम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी।

राष्ट्रभक्ति को कर्म में बदलता है। विदेशी शासन की यातनाओं और दमन के बावजूद स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम् के उद्घोष से स्वाधीनता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। यह गीत भारत की भक्ति और शक्ति का सामूहिक प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने उपन्यास आनंद मठ में उस युग की भूख, अकाल और अभाव से जूझती जनता की वेदना को स्वर दिया, जिसने आगे चलकर राष्ट्र जागरण का रूप लिया।

काशी पहुंचे प्रधानमंत्री आज चार नई वंदे भारत को दिखाएंगे हरी झंडी

वाराणसी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार की शाम अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। वह शनिवार 8 नवंबर को यहां से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। शाम करीब पांच बजे प्रधानमंत्री का विशेष विमान लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे बाबतपुर पर उतरा। वहां से बरेका पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत किया।

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से बीएलडब्ल्यू स्थित गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुए। उनका काफिला बाबतपुर से हरहुआ होते हुए गिलट बाजार, जेपी मेहता, फुलवरिया फ्लाईओवर होते हुए बरेका पहुंचा। रास्ते में कई जगह स्थानीय लोगों सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी वाहन से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। मोदी के स्वागत में काशीवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मोदी 8 नवंबर को वाराणसी से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। इनमें सबसे प्रमुख ट्रेन वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस होगी, जो काशीवासियों और पूर्वांचल के लिए एक बेहतरीन सेवा मानी जा रही है। प्रधानमंत्री इन ट्रेनों को बनारस (पूर्व मंडुवाडीह) रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें लखनऊ से सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, फिरोजपुर से दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, एर्नाकुलम से बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, मोदी इस अवसर पर बनारस स्टेशन पर मौजूद गणमान्य लोगों से संवाद भी कर सकते हैं।

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोदी का किया भव्य स्वागत
- काफिले पर जगह-जगह लोगों ने की फूलों की वर्षा

प्रधानमंत्री का स्वागत करते सीएम योगी।

ब्रीफ न्यूज

भूमि घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को झटका

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मानेसर भूमि घोटाला मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उनकी याचिका खारिज कर दी, जिससे पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत में अब आरोप तय करने की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। उच्च न्यायालय से राहत न मिलने के बाद अब सीबीआई की विशेष अदालत हुड्डा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी और मुकदमे की औपचारिक कार्यवाही शुरू होगी।

कई बैंकों में चोरी का सरगना गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कई बैंकों को निशाना बनाने वाले कुख्यात 'मामू गिरोह' के सरगना कमरुल उर्फ मामू 51 को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उत्तर प्रदेश का निवासी आरोपी वारदात को अंजाम देने से पहले फल विक्रेता का वेश धारण कर लक्षित ठिकानों की टोह लेता था। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) हर्ष इंदौरा ने बताया कि दिन में वह एक साधारण फल विक्रेता के वेश में चुपचाप बैंक परिसर का निरीक्षण करता था, कर्मचारियों की दिनचर्या पर नजर रखता था और सुरक्षा खामियों का पता लगाता था।

स्कूल-अस्पताल से आवारा कुत्तों और हाईवे से जानवरों को हटाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई

शीर्ष कोर्ट ने कुत्तों के काटने की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोत्तरी को देखते हुए आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, सार्वजनिक खेल परिसर, बस स्टैंड, डिपो और रेलवे स्टेशनों पर बाड़ लगाने का आदेश दिया है। साथ ही, हाईवे से आवारा जानवर हटाने का भी आदेश दिया है।

न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है। आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, पशुपालन विभाग के सचिवों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों के सचिवों को पक्षकार बनाया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने शुक्रवार को स्वतः संज्ञान लेकर आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने कहा कि स्थानीय निकायों को यह सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण करना चाहिए कि ऐसे परिसरों में आवारा कुत्तों का कोई निवास स्थान न हो। उच्चतम न्यायालय की पीठ ने आवारा कुत्तों को

सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई और उनके लिए भोजन स्थल बनाने का निर्देश दिया।

पीठ ने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे पर एक राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए उच्च न्यायालयों में लंबित इसी तरह की याचिकाओं को उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करेगी। न्यायालय ने आदेश दिया कि संबंधित स्थानीय स्व-सरकारी संस्थानों की ज़िम्मेदारी होगी कि वे ऐसे संस्थानों-क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को उठाएं और पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुसार टीकाकरण और नसबंदी के बाद उन्हें निर्दिष्ट कुत्ता आश्रयों में पहुंचाएं। न्यायालय ने सड़कों और राजमार्गों से आवारा मवेशियों और अन्य जानवरों को हटाने के निर्देश भी दिए।

पत्नी की याचिका पर शमी को नोटिस

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को उनसे अलग रह रही पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया। नोटिस में पत्नी और उनकी नाबालिग बेटी को दिए गए अंतरिम भरण-पोषण को बढ़ाने की मांग की गई है। उच्च न्यायालय ने शमी द्वारा अपनी पत्नी के लिए प्रति माह 1.50 लाख रुपये और उनकी बेटी के लिए प्रति माह 2.50 लाख का अंतरिम भरण-पोषण बढ़ा दिया था जबकि क्रिकेटर को आठ मासिक किस्तों में बकाया चुकाने की अनुमति दी थी।

दोष सिद्धि का खुलासा न करने पर रद्द होगा चुनाव

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि नामांकन पत्र में दोष सिद्धि का खुलासा न करने पर निर्वाचित उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। पीठ ने मप्र के भीकनगांव नप की पूर्व पार्षद पूनम की अपील पर यह आदेश पारित किया। पूनम को इसलिए पद से हटा दिया गया था क्योंकि चुनाव के लिए नामांकन में अपनी दोष सिद्धि का खुलासा नहीं किया था।

नीट-पीजी: उत्तर कुंजी प्रकाशन की नीति का खुलासा करे एनबीई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-परास्नातक (नीट-पीजी) की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने संबंधी अपनी नीति का खुलासा करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने एनबीई के अधिवक्ता से हलफनामा दाखिल कर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। शीर्ष न्यायालय राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इसमें पारदर्शिता के तौर पर उत्तर कुंजी का खुलासा किये जाने की बात भी शामिल है।

सुनवाई के दौरान एनबीई के अधिवक्ता ने दलील दी कि कोचिंग संस्थान ये याचिकाएं इसलिए दायर कर रहे हैं क्योंकि वे प्रश्न पुस्तिकाओं की उत्तर कुंजी हासिल करना चाहते हैं। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि इससे परीक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने 26 सितंबर को नीट-पीजी 2025 की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की मांग वाली याचिकाओं पर केंद्र और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड को नोटिस जारी किए थे।

भारत में हॉकी के 100 वर्ष

नई दिल्ली: हॉकी इंडिया के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू हॉकी में हाथ आजमाते हुए, साथ में हैं केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया व अन्य। 1925 में ग्वालियर में भारतीय हॉकी महासंघ का गठन हुआ था।

चेक बाउंस पर अभिनेत्री अमीषा पटेल तलब

मुरादाबाद: अतिरिक्त न्यायालय मुरादाबाद ने अभिनेत्री अमीषा पटेल को चेक बाउंस के एक मामले में तलब किया है। शुक्रवार को परिवादी पवन कुमार वर्मा ने अपने आरोप लगाया कि अमीषा ने देनदारी चुकाने के लिए दो लाख का चेक

जारी किया था, जो पर्याप्त धनराशि न होने के कारण बैंक द्वारा 01 जनवरी 2025 को अनादरित कर दिया गया था।

अगले वर्ष मैं भारत आ सकता हूं, मोदी महान व्यक्ति : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भारत की यात्रा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री को एक अच्छा व्यक्ति और मित्र बताते हुए कहा कि मोदी चाहते हैं कि वह भारत आएं।

ट्रंप ने ओवल ऑफिस में गुरुवार को एक सवाल पर कहा, वह (प्रधानमंत्री मोदी) मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं... वह चाहते हैं कि मैं वहां आऊं। भारत नई दिल्ली में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नेता भाग लेंगे। बहरहाल, भारत में होने वाले सम्मेलन की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत ने रूस से खरीदारी बंद कर दी है।

- नई दिल्ली क्वाड शिखर सम्मेलन की करेगा मेजबानी

तकनीकी खामी से 800 उड़ानें विलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली में हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी से यात्री परेशान

दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार को अफरातफरी मच गई क्योंकि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण लगभग 800 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में देर हुई। हवाई अड्डे पर सभी विमानन कंपनियों की उड़ानों के परिचालन प्रभावित हुए हैं और अधिकारी खामी को ठीक करने के लिए लगे हैं।

इंडिगो, एअर इंडिया, स्पाइसजेट और अकासा एयर जैसी विमानन कंपनियों ने शुक्रवार को कहा कि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उनकी उड़ानों में देरी हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) प्रतिदिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन

करता है और देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सुबह 10 बजकर आठ मिनट पर 'एक्स' पर कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हो रही है, क्योंकि 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी खामी आ गई है, जो हवाई यातायात नियंत्रण डेटा को सहयोग देता है।

दो दिनों से रुक-रुक कर आ रही थी समस्या

सूत्रों ने बताया कि पिछले दो दिनों में हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में रुक-रुक कर समस्याएं आ रही थीं और तकनीकी समस्या का सुबह करीब 5.45 बजे से प्रणाली पर काफी असर पड़ने लगा। दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) करता है। डायल ने दोपहर एक बजकर 42 मिनट पर 'एक्स' पर पोस्ट किया दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी एयरलाइन के परिचालन में फिलहाल देरी हो रही है। संबंधित प्रशासन इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकालने के लिए काम कर रहे हैं।

सराहनीय | आजमगढ़ को दूसरा और अंबेडकरनगर को मिला तीसरा स्थान

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में जौनपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कौशांबी, हरदोई, झांसी, रायबरेली और बहराइच जिले सराहनीय

अमृत विचार: प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के बीच 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' युवाओं के रोजगार और स्वरोजगार की सबसे पसंदीदा योजना बन चुकी है।

जौनपुर ने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि आजमगढ़ को दूसरा और अंबेडकरनगर को तीसरा स्थान मिला है। कौशांबी, हरदोई, झांसी, रायबरेली व बहराइच जिलों का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा है।

जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के अनुसार, जिले में 2,250

लक्ष्य के सापेक्ष 2,256 युवाओं को लोन दिया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान चलाकर युवाओं को बैंकों से जोड़ते हुए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। इस उपलब्धि में जिला प्रबंधक अभय प्रकाश श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही। आजमगढ़ के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि अप्रैल माह से सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप आजमगढ़ लगातार दूसरे स्थान पर बना हुआ है। जिले को 2,250 का लक्ष्य मिला था, जिसके सापेक्ष 2,085 युवाओं को लोन वितरित कर 92.67 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि पहले यह जिला 25वें स्थान पर था, पर निरंतर समीक्षा और कार्यशालाओं के चलते उल्लेखनीय सुधार हुआ। इसी तरह अंबेडकरनगर जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि बैंकर्स के साथ नियमित बैठकें कर 1,900 लक्ष्य के सापेक्ष 1,485 युवाओं को लोन वितरित किया गया।

इसके अलावा कौशांबी ने चौथा और हरदोई ने पांचवां स्थान प्राप्त किया है। झांसी, रायबरेली और बहराइच का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।

अब तक 2,76,824 आवेदन, 71,918 लोगों को मिला लोन

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.50 लाख के लक्ष्य के सापेक्ष सात माह में 2,76,824 युवाओं ने लोन के लिए आवेदन किया है। इनमें से 2,26,511 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जबकि 73,191 को स्वीकृति मिल चुकी है। अब तक 71,918 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार,8 नवंबर 2025

वैमनस्यता फैलाने के आरोप से आजम खां बरी

सरकारी लेटर पैड और मुहर का गलत इस्तेमाल करने का लगा था आरोप

विधि संवाददाता, लखनऊ

- एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने साक्ष्य के अभाव में सुनाया फैसला

अमृत विचार : सरकारी लेटर पैड एवं मुहर का गलत इस्तेमाल कर वैमनस्यता फैलाने और अपमानित करने के मामले में आरोपी बनाए गए यूपी के पूर्व मंत्री आज़म ख़ान को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने विधिक बिंदुओं एवं साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

विशेष अदालत ने आजम खान को बरी करते हुए अपने विस्तृत निर्णय में कहा है कि बचाव पक्ष का यह कथन स्वीकार करने योग्य है कि कथित घटना वर्ष 2014 की बताई जाती है। लेकिन इस घटना को लेकर वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा वर्ष 2019 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 468 की व्याख्या करते हुए कहा है कि यह मामला काल बाधित भी हो चुका है। कोर्ट ने पाया कि वादी अल्लामा अमीर नकवी ने जिरह के दौरान स्वीकार किया कि उनकी इस प्रकरण में कोई मानहानि नहीं हुई। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 की व्याख्या करते हुए कहा है की प्रावधानों के अनुसार कोई पीड़ित व्यक्ति ही परिवाद दाखिल कर सकता है। अन्यथा ऐसा परिवाद तभी दूसरा व्यक्ति दाखिल करेगा जबकि संबंधित व्यक्ति पागल हो अथवा उसकी आयु 18 वर्ष से कम हो। कोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि कथित प्रेस रिलीज को वादी द्वारा विवेचक को दिया जाना कहा गया है। परंतु कथित प्रेस विज्ञप्ति न तो पत्रावली पर है और न ही उसका केस डायरी में कोई हवाला है। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि आरोपी आजम खान के विरुद्ध लगाए गए आरोप सिद्ध नहीं पाए जाते हैं,लिहाजा वह आरोपों से बरी किए जाने योग्य है। पत्रावली के अनुसार आजम खान के खिलाफ इस मामले की रिपोर्ट हजरतगंज थाने में 1 फरवरी 2019 वादी अल्लामा जमीर नकवी ने दर्ज कराई थी जिसमें कहा गया कि घटना वर्ष 2014 की है, लेकिन सरकार के प्रभाव के चलते वादी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई, जिस पर वादी ने अल्पसंख्यक आयोग को शिकायत भेज कर आरोप लगाया कि आजम खान सरकारी लेटर हेड एवं सरकारी मुहर का दुरुपयोग करके भाजपा, आरएसएस एवं मौलाना सैयद कल्बे जव्वाद नकवी को बदनाम कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि धूमिल करके उनकी प्रतिष्ठा को घोर आघात पहुंचा रहे हैं।

नृत्य, गीत व कव्वाली की प्रस्तुतियों से बच्चों ने मचाया धमाल

संवाददाता, प्रतापगढ़।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार : लालगंज के वर्मानगर स्थित यमुना प्रसाद यादव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार की शाम संस्थापक यमुना प्रसाद यादव के जन्मदिवस को समारोहपूर्वक मनाया गया। दीप प्रज्ज्वलन के बाद बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति से जलवा बिखेरा।

बच्चों ने सरस्वती वंदना, अभिनन्दन गीत, कव्वाली, डांस, शास्त्रीय नृत्य, सजदा डांस की प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गैर जनपदों से आए नामचीन कवियों ने अपनी कविताएं पढ़ी। बलिया की प्रतिभा यादव, मध्य प्रदेश के अमित शुक्ल, बाराबंकी से शिव किशोर तिवारी, आगरा से पवन आगरी, दिल्ली से वरिष्ठ कवि मनवीर मधुर, मुजफ्फरनगर से प्रीति अग्रवाल, बलिया से प्रतिभा यादव, प्रतापगढ़ से लवलेश यदुवंशी देशभक्ति प्रस्तुति आपरेशन सिंदूर को लेकर अपनी कविताएं पढ़ी। बतौर मुख्य अतिथि बीएचयू हिंदी विभाग की डॉ. प्रिया सोनकर ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की। मुख्य अतिथि ने सावित्रीबाई फुले, व्योमिका सिंह, सोफिया कुरैशी जैसी महिलाओं का उदाहरण प्रस्तुत किया।

विशिष्ट अतिथि अटेवा प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने विद्यालय को समाज के प्रति समर्पित बताया। अतिथियों ने महापुरुषों के चित्र में माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद संस्थापक को जन्मदिवस की बधाई दी। संयोजन प्रबन्ध निदेशक अभिषेक यादव व संचालन कवि लवलेश यदुवंशी ने किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पारसनाथ वर्मा, प्रदीप गुप्ता, अनुज कुमार, महेश बहादुर, डॉ. संजय दुबे, राम प्रकाश यादव, राधारमण, सुनील, सियांशी, खुशी, माया, महिमा सिंह, अभयराज, अजय आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मोदी आज देंगे चार वंदे भारत ट्रेनों की सौगात

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार शाम दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट पर प्रदेश के मंत्री सुरेश खन्ना और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। सड़क मार्ग से बरेका पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया। पूरे मार्ग पर काशीवासियों ने 'मोदी-मोदी' और 'हर हर महादेव' के नारों से उनका अभिनंदन किया, पुष्पवर्षा से वातावरण भक्तिभाव में सराबोर रहा। प्रधानमंत्री शनिवार को वाराणसी से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। इनमें प्रमुख वाराणसी–खजुराहो वंदे भारत होगी, जो धार्मिक पर्यटन को नई रफ्तार देगी। इसके साथ ही लखनऊ–सहारनपुर, फिरोजपुर–दिल्ली और एर्नाकुलम–बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस को भी वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाई जाएगी।

निलंबित चल रहे दो पीसीएस अफसर बहाल

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने हरदोई के चर्चित भू-आवंटन प्रकरण में निलंबित चल रहे दो पीसीएस अफसरों में स्वाति शुक्ला और डॉ. प्रतीत त्रिपाठी को राहत देते हुए बहाल कर दिया है। कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव आईएएस एम. देवराज की ओर से जारी आदेश में दोनों अधिकारियों को निलंबन से मुक्त करते हुए कहा गया है कि उनकी नई तैनाती का आदेश शीघ्र जारी किया जाएगा। यह बहाली लगभग 14 महीनों बाद हुई है। दोनों अफसरों को सितम्बर 2024 में हरदोई में भूमिहीनों की अनदेखी कर 71 अपात्र व्यक्तियों को लगभग 150 बीघा सरकारी भूमि के पट्टे बांटने के आरोप में निलंबित किया गया था।

छात्रों को मुफ्त मिलेंगे खेल उपकरण

अमृत विचार, लखनऊ : देश के स्कूली खिलाड़ियों को अब मुफ्त में विश्वस्तरीय खेल सामग्री मिलेगी। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) ने खेल उपकरण निर्माता कंपनी वेक्टर एक्स (साकर इंटरनेशनल) के साथ दो वर्ष के लिए समझौता किया है। यह करार एसजीएफआई अध्यक्ष एवं कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार और कंपनी के प्रबंध निदेशक विकास गुप्ता के बीच हुआ। समझौते के तहत वेक्टर एक्स आगामी दो वर्षों तक फुटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल और बास्केटबॉल खेलों के उपकरण मुफ्त उपलब्ध कराएगा, जबकि डनलप टेनिस व स्क्वैश के लिए बॉल पार्टनर रहेगा।

खेत में मिला किशोर का शव, हत्या की आशंका

संवाददात, रानीगंज (प्रतापगढ़) अमृत विचार : घर से निकले किशोर का शव धान के खेत में पाया गया। परिवार के लोगों ने गला दबाकर हत्या करके शव को फेंके जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फतनपुर थाना क्षेत्र के शुकाल का पूरा फतनपुर के मनोज कुमार का 17 वर्षीय बेटा शुभम गौतम गुरुवार की शाम छह बजे गांव में ही आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। वहां उसे कुछ लोगों ने देखा था, इसके बाद वह घर नहीं लौटा। रात में घर वाले उसे खोज रहे थे और शुक्रवार सुबह धान के खेत में घर से करीब 400 मीटर दूर उसका शव पाया गया। उसका मोबाइल नहीं मिला। खेत में घसीटे जाने के निशान पाए गए। किशोर के गले में अकड़न और दबाव देखा गया, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसकी गला कसकर हत्या की गई है। घटना की वजह फिलहाल आशनाई लग रही है, बाकी जांच में सब सामने आएगा। एसओ फतनपुर थानाध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी ने मौके पर पहुंचकर परिजनों व गांव के लोगों से जानकारी जुटाई। पिता मोची हैं। सीओ रानीगंज विनय प्रभाकर साहनी ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उसके मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लिया गया है।

अराजकता फैलाना कांग्रेस और राजद का जन्मसिद्ध अधिकार

बिहार में एनडीए के समर्थन में आयोजित जनसभाओं में बोले मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बिहार में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी को गदा भेंट कर अभिनंदन करते पार्टी नेता।

- कहा- जो लोग पहले चारा खा गए अब राशन खाने निकले हैं

अमृत विचार : उप्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बिहार में जनसभाओं की श्रृंखला के दौरान कांग्रेस और राजद पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि अराजकता फैलाना इन दलों का जन्मसिद्ध अधिकार है। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आयोजित रैलियों में उमड़े अपार जनसैलाब के बीच योगी ने एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनता से मतदान की अपील की।

योगी ने पहली रैली में रक्सौल से भाजपा प्रत्याशी प्रमोद कुमार सिन्हा और नरकटियागंज से जदयू प्रत्याशी विशाल कुमार, दूसरी रैली में लौरिया से भाजपा प्रत्याशी व भोजपुरी कलाकार विनय बिहारी और तीसरी रैली में ढाका से एनडीए प्रत्याशी पवन कुमार जायसवाल के पक्ष में की। उन्होंने कहा कि बिहार में यह चुनाव सुशासन बनाम जंगलराज का है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग लालटेन की केरोसिन बेचकर बिहार को अंधेरे में झोंकते थे, अब वही जनता का राशन हजम करने आए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले चारा खा गए, अब राशन खाने निकले हैं। यह वही दल हैं, जिन्होंने 1990 से 2005 तक बिहार को जातीय संघर्ष, अपहरण, नरसंहार और लूटपाट के अंधकार में धकेला। उन्होंने कहा कि आज बिहार की जनता विकास और विरासत के साथ खड़ी है, इसलिए अब राजद–कांग्रेस की राजनीति नहीं चलेगी।

योगी ने कहा कि बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि अब बुलडोजर बाबा का सुशासन ही चलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब माफिया की छाती पर बुलडोजर चलता है तो उनके आका भी थर-थर कांपते हैं। महागठबंधन वालों में हिम्मत नहीं कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई कर सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के शासन में बिहार अपहरण उद्योग का गढ़ बन गया था। व्यापारी, चिकित्सक, इंजीनियर, बेटियां कोई सुरक्षित नहीं था। तत्कालीन सरकार अपराधियों के सामने नतमस्तक होकर मध्यस्थता की बात करती थी।

कुछ न कहो, कुछ भी न कहो तुमको पता है, मुझको पता है...

फिल्मी गीत की तर्ज पर फिर मिले अखिलेश-आजम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात करते आजम खां, साथ में पुत्र अब्दुल्ला।

- लखनऊ में मो. आजम की सपा प्रमुख से दो घंटे चली मुलाकात

अमृत विचार: कुछ न कहो, कुछ भी न कहो तुमको पता है, मुझको पता है। बॉलीवुड की हिन्दी फिल्म '1942 ए लव स्टोरी' के इस गीत की तर्ज पर शुक्रवार को अखिलेश-आजम फिर मिले। लखनऊ में बेटे अब्दुल्ला के साथ सपा के वरिष्ठ नेता मो. आजम की सपा प्रमुख अखिलेश यादव से दो घंटे मुलाकात चली। इस दो घंटे में क्या-क्या बातें हुईं दोनों नेताओं ने साझा नहीं किया।

मीडिया ने पूछा तो आजम ने कहा दास्तां सुनाने आया था। वहीं अखिलेश बोले- न जाने कितनी यादें संग ले आए, जब वो आज हमारे घर पर आए। हालांकि दोनों की इस मुलाकात से यूपी की सियासत में हलचल अवश्य तेज हो गई है। इस हलचल की वजह भी है कि पिछले महीने अखिलेश को अकेले ही अपने घर आने की हिदायत देने और अपने परिवार से भी न मिलने देने वाले आजम खां इस बार खुद बेटे को लेकर मिलने पहुंचे थे। आजम खां जब अखिलेश यादव से उनके घर मुलाकात कर बाहर निकले तो यह बताने से तो साफ इनकार कर दिया कि क्या बात हुई है बस इतना कहा कि पूरी दास्तान लेकर आए थे।

मो. आजम ने कहा, अब शायद मेरी बनाई गई छवि अब साफ हुई है। अब आपको लगा है कि हमारे साथ बहुत अन्याय हुआ है। बिहार चुनाव में खुद प्रचार में नहीं जाने के सवाल पर कहा कि बिना सुरक्षा कैसे अकेले चला जाता। मो. आजम ने इस बात से भी इनकार किया कि उन्हें सरकार की तरफ से कोई सुरक्षा दी गई। सुरक्षा मिलने के सवाल पर उल्टा पूछा कि किसी के पास कोई सबूत हो तो दिखाए। मालूम हो कि लंबे समय तक जेल में रहे आजम खां करीब डेढ़ महीने पहले बाहर आए थे। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने एक्स पर तस्वीरें शेयर कर लिखा कि न जाने कितनी यादें संग ले आए, जब वो आज हमारे घर पर आए! ये जो मेलमिलाप है यही हमारी साझा विरासत है।

आजम से मिले दीपक मिश्र, भेंट में दी रामचरितमानस

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मो. आजम खां से समाजवादी चिंतक और बौद्धिक सभा के अध्यक्ष दीपक मिश्र ने मुलाकात कर तुलसीदास विरचित रामचरित मानस, साहिर लुधियानवी की परछाइयां समेत स्वलिखित कई पुस्तकें भेंट कीं। रामचरित मानस को आजम खान ने माथे से लगाया और पढ़ने के बाद विश्वविद्यालय की पुस्तकालय में रखने को कहा।

'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर लखनऊ स्थित लोकभवन में सामूहिक गायन एवं स्वदेशी का संकल्प लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी।

वंदे मातरम् का हुआ सामूहिक गायन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वंदे मातरम् राष्ट्र की नवचेतना का गान, आत्मनिर्भर भारत का प्रेरक महामंत्र : धर्मपाल

अमृत विचार : 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को राजधानी लखनऊ राष्ट्रभक्ति के स्वर से गूंज उठी। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित सामूहिक वंदे मातरम् गायन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने भाग लिया, साथ ही स्वदेशी का संकल्प भी दोहराया। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने मां भारती को नमन करते हुए कहा कि -वंदे मातरम् राष्ट्र की नवचेतना का गान है और आत्मनिर्भर भारत का प्रेरक महामंत्र है।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयम्बक त्रिपाठी ने वंदे मातरम् की 150 वर्ष की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रेरक यात्रा को साझा किया, जबकि प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने कार्यक्रम का संचालन किया। सामूहिक गायन के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह, देवेश कुमार, प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, सुभाष यदुवंश, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, सह-प्रभारी हिमांशु दुबे, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, सह-प्रभारी अतुल अवस्थी और चौधरी लक्ष्मण सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

हवाई अड्डों पर एसएचजी के बिक्री केंद्र स्थापित हों : मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखपति महिला कार्यक्रम को लेकर बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में लखपति महिला कार्यक्रम की दूसरी राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को गति देने और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से स्थायी आय सृजन पर चर्चा हुई।

इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि लखपति दीदी कार्यक्रम महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी संबंधित विभागों द्वारा अपनी योजनाओं में समूह की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाए, ताकि वे स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रतिवर्ष एक लाख रुपये से अधिक की स्थायी आय अर्जित कर सकें।

उन्होंने कहा कि मिशन द्वारा सभी विभागों से समन्वय कर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास सुनिश्चित किए जाएं।

उन्होंने कहा, अस्पताल, प्रमुख पर्यटन स्थल, पुलिस लाइन, आईटीआई, राजकीय पॉलीटेक्निक, चीनी मिलें, बस अड्डे आदि स्थानों पर प्रेरणा कैंटीन संचालित करने के लिए उपयुक्त स्थान आवंटित किए जाएं। राशन की दुकानों पर भी एसएचजी उत्पादों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाए।

स्ट्रीट लाइट की स्थापना में सूर्य सखियों को दें वरीयता

मुख्य सचिव ने पंचायती राज विभाग को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में स्ट्रीट लाइट की स्थापना, संचालन, मरम्मत एवं रखरखाव में सूर्य सखियों को वरीयता दी जाए। यूपीनेडा द्वारा पीएम कुसुम योजना के तहत महिला किसानों को अनुदान पर सिंचाई सोलर पंप वितरित किए जाएं। स्कूल ड्रेस की सिलाई तथा मिड-डे-मील के लिए मसाले एवं खाद्य तेल का क्रय भी समूहों द्वारा किया जाए।

150 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का किया सामूहिक गायन

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पीबीपीजी कॉलेज सिटी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सामूहिक गायन में छात्र-छात्राओं, एनएसएस स्वयंसेवक, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को प्रदर्शित करता है। ऐसे आयोजन प्रत्येक भारतीय के अंदर राष्ट्रीयता की भावना का विकास भी करते हैं। एनएसएस कार्यक्रमाधिकारी अजय कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक राष्ट्र भावना का विकास होगा। डॉ. वर्षा जायसवाल, डॉ. भावना सिंह, डॉ. वंदना सिंह, प्रीति सिंह रचना सिंह एवं छात्रा प्रियंवदा ने वंदे मातरम का गायन किया। संचालन डॉ. शिव प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. भूपाल सिंह, डॉ. आशीष कुमार मालवीय, डॉ. अखिलेश मोदनवाल, डॉ. पवन कुमार सिंह, सुनीत कुमार सिंह, अवनीश सिंह, संतोष सिंह, दिनेश शर्मा, विनोद मौर्य, संदीप मौर्य, संकल्प सिंह, उपमन्यु शुक्ल आदि मौजूद रहे।

दौरा | सिंगापुर के हाई कमिश्नर ने की औद्योगिक विकास आयुक्त से मुलाकात

यूपी में निवेश को उत्साहित सिंगापुर की कंपनियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

इन्वेस्ट यूपी कार्यालय पहुंचकर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार से मुलाकात करते सिंगापुर के हाई कमिश्नर साइमन वोंग।

- जेवर एयरपोर्ट बना सिंगापुर के निवेशकों की पहली पसंद

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय निवेश सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत में सिंगापुर के हाई कमिश्नर, साइमन वोंग, ने शुक्रवार को इन्वेस्ट यूपी कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) दीपक कुमार के साथ उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के बीच निवेश सहयोग के नए और संभावित क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान वोंग ने स्पष्ट रूप से कहा कि सिंगापुर उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को लेकर अत्यंत उत्साहित है। उन्होंने बताया कि सिंगापुर की कई कंपनियां, उत्तर प्रदेश की ओर गंभीरता से देख रही हैं, क्योंकि राज्य ने अवस्थापना विकास, तीव्र औद्योगिक प्रगति, व्यापार में सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस) और बेहतर कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

उन्होंने विशेष रूप से जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उल्लेख करते हुए कहा कि सिंगापुर के निवेशकों के लिए यह स्थान सबसे पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। सिंगापुर की कंपनियां यहां डेटा सेंटर, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहाल (एमआरओ), ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, फूड प्रोसेसिंग और जेवर क्षेत्र के पास निर्यात-उन्मुख लिथियम-आयन बैटरी निर्माण इकाइयों जैसी परियोजनाएं स्थापित करने में रुचि दिखा रही हैं। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट क्षेत्र में हो रहा तीव्र विकास इसे वैश्विक निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाता है।

खाद विक्रेता के घर में घुसे नकाबपोश बदमाश, महिला को सटाया तमंचा

संवाददाता, कुंडा (प्रतापगढ़)

- सीसीटीवी में कैद हुई घटना, चोरी का प्रयास

अमृत विचार : कुंडा कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर दो बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने खाद विक्रेता के घर अकेली महिला को देख घर में घुस गए। तमंचा सटाकर लूट का प्रयास किया। हालांकि महिला ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाया तो बदमाश मौके से भाग निकले। घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

कुंडा कोतवाली के नगर पंचायत कुंडा पुरानी बाजार निवासी शिवकुमार पुत्र मुन्नू लाल की कमरिया गंज में खाद की दुकान है। शुक्रवार दोपहर घर पर शिव कुमार की पत्नी अनीता देवी अकेली थीं। इसी बीच दो बाइक पर सवार चार बदमाश उनके घर पहुंचे। दो बदमाशों ने हेलमेट पहना था, जबकि दो ने नकाब लगाया था। व्यापारी की पत्नी अनीता देवी जब तक कुछ समझ पातीं, तीन बदमाश घर में घुस गए और उन्हें तमंचा सटा दिया। इसके बाद लूटपाट का प्रयास करने लगे। इस बीच अनीता ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। मामला दिन का होने के कारण जब लोग दौड़े तो बदमाश मौके से बाइक लेकर भाग निकले। भागने के दौरान बदमाशों का एक बैग घर में ही छूट गया। इसमें पट्टी, दवा, बेहोश करने वाला इंजेक्शन समेत अन्य उपकरण पाए गए। यह पूरा घटनाक्रम आसपास के घरों में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया। इसमें बदमाश घर से निकलकर भागते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। दिनदहाड़े हुई घटना से मोहल्ले में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची कुंडा कोतवाली पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद बदमाशों का सुराग लगा रही हैं। हर किसी की जुबां पर यही बात थी कि व्यापारी की पत्नी की हिम्मत के आगे बदमाशों को भागना पड़ा।

न्यूज़ ब्रीफ

पिता ने डाटा तो किशोर ने घर छोड़ा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : पिता की डांट से नाराज कक्षा 10 का छात्र अचानक घर से कहीं चला गया। दरियाबाद के अलियाबाद निवासी अमरेश लोधी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र रामान्शु कक्षा 10 का छात्र है। 3 नवम्बर को पिता ने उसे डाट फटकार दिया, इसके कुछ ही देर बाद वह किसी को कुछ बिना बताए कहीं चला गया। पुलिस ने मामले की सूचना दर्ज कर ली है।

बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार :भाकियू अराजनैतिक ब्लॉक इकाई हैदरगढ़ की मासिक बैठक ब्लॉक परिसर स्थित शिव मंदिर में तहसील अध्यक्ष कुंवर बहादुर सिंह और ब्लॉक अध्यक्ष आदिल खान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में किसानों की नहर सफाई, डीएपी, एन पी और यूरिया खाद की उपलब्धता, बेमौसमी बारिश से धान फसल के नुकसान और मुआवजे की मांग पर चर्चा की गई। संचालन ब्लॉक सचिव रामदीन रावत ने किया।

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौत

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से घायल बाइक सवार मजदूर की इलाज के लिए ले जाते समय मौत हो गई। रीवां रतनपुर गांव निवासी रामकुंवर (34) पल्लेदारी का काम करता था और गुरुवार की रात बाइक से घर लौट रहा था। कलुआ मामा देव स्थान के पास एक ट्रैक्टर-ट्राली ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में रामकुंवर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके से गुजर रहे सिपाही उत्तम चतुर्वेदी, आलोक तिवारी और रिंकू सैनी ने घायल को सीएचसी देवा पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से लखनऊ ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई।

अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

बाराबंकी, अमृत विचार : शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सरकार को संबोधित चार सूत्री मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ताओं ने तहसील रुदौली को अयोध्या से हटाकर बाराबंकी में शामिल करने, बाराबंकी को लखनऊ मंडल में जोड़े जाने, प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं को टोल टैक्स से मुक्त करने तथा उत्तर प्रदेश में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग उठाई। बार एसोसिएशन अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान और सुविधा किसी भी न्याय व्यवस्था की रीढ़ है। यदि अधिवक्ता सुरक्षित रहेंगे तो न्यायपालिका और जनता का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। अधिवक्ताओं ने मांगों पर जल्द ठोस कार्रवाई की अपील की।

गैराज में लगी भीषण आग, कई वाहन नष्ट

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर में शुक्रवार रात करीब पौने नौ बजे सिंह पेट्रोल पंप के सामने स्थित एक बड़े गैराज में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज़ थी कि देखते ही देखते पूरा गैराज लपटों की चपेट में आ गया। गैराज के भीतर खड़ी कई चार पहिया गाड़ियां जलकर राख हो गईं। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गैराज में देर शाम तक किसी वाहन की मरम्मत का काम चल रहा था। तभी अचानक शॉर्ट सर्किट से चिंगारी उठी और कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। गैराज के पास ही पेट्रोल पंप होने के कारण स्थिति गंभीर हो गई। आसपास के दुकानदार और राहगीर अपनी जान बचाकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। आग की सूचना मिलते ही नगर पालिका और दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मी पूरी ताकत से आग बुझाने में जुट गए, लेकिन तेज़ हवा के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। इस घटना में लगभग आधा दर्जन से अधिक चार पहिया वाहन, कारें और कुछ मोटरसाइकिलें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने पेट्रोल पंप को सुरक्षित करने के लिए चारों ओर से घेराबंदी कर दी। एहतियात के तौर पर पेट्रोल पंप की ईंधन आपूर्ति भी रोक दी गई।

धुआं उठने से एक घंटा तक खड़ी रही मेमू

बाराबंकी, अमृत विचार : अयोध्या से लखनऊ जा रही मेमू (42215) शुक्रवार सुबह अचानक तकनीकी खराबी के चलते सफेदाबाद रेलवे स्टेशन पर खड़ी हो गई। स्टेशन से रवाना होते समय ट्रेन के इंडक्शन मोटर से धुआं उठता देख यात्री दहशत में आ गए। आग लगने की आशंका से यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिसके बाद ट्रेन को तुरंत रोक दिया गया। अभियंताओं ने मरम्मत कार्य शुरू किया और करीब 69 मिनट की मशक्कत के बाद ट्रेन को सुरक्षित लखनऊ के लिए रवाना किया गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, घटना के दौरान डबल ट्रैक होने के कारण अन्य ट्रेनों के संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा।

43 जिलों के तीरंदाजों ने साधा निशाना

- 10वी सब जूनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शुक्रवार सुबह 10वीं सब जूनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने किया। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

मुख्य अतिथि अवनीश अवस्थी ने कहा कि तीरंदाजी जैसे खेलों में बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में 43 जिलों के 264 बालक और 128 बालिका खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शुक्रवार को इंडियन राउंड की प्रतियोगिता 30 और 20 मीटर दूरी से कराई गई। दोपहर बाद उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम शकल ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक वेद कुमार, बलराम कृष्ण यादव, संयुक्त सचिव योगेंद्र सिंह राणा, मंडलीय खेल अधिकारी राजेश सोनकर, क्रीड़ा अधिकारी हरपाल सिंह, कोषाध्यक्ष अश्वनी वर्मा, तथा संघ से जुड़े बाबूराम सिंह, सुनील यादव, जितेंद्र पटेल, पवन वर्मा, पंकज पांडे, विवेक सिंह और आशुतोष वर्मा उपस्थित रहे।

निशाना लगाते जिलाधिकारी, साथ में मौजूद मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी।

भोजन की गुणवत्ता में लाएं सुधार

राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति ने देवा सीएचसी का किया निरीक्षण

निर्देश

संवाददाता, देवा, बाराबंकी

अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति ने शुक्रवार को देवा क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न सरकारी संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवा, कुसुम्भा गांव के आंगनबाड़ी केंद्र तथा कोतवाली देवा का जायजा लिया। अस्पताल निरीक्षण के दौरान अंजू प्रजापति ने परिसर में समूह द्वारा संचालित कैंटीन की भोजन गुणवत्ता और साफ-सफाई पर असंतोष जताया।

सीएचसी देवा का निरीक्षण करतीं राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति।

उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक को सुधार के निर्देश देते हुए प्रतिदिन कैंटीन निरीक्षण के लिए टीम गठित करने को कहा। मरीजों और तीमारदारों से बातचीत में उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली, जिस पर मरीजों ने बताया कि उन्हें अस्पताल से दवाएं और अधिकांश जांचें वहीं पर उपलब्ध हो रही हैं। इसके बाद महिला आयोग सदस्य कुसुम्भा गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं, जहां 30 पंजीकृत बच्चों में से 17 बच्चे उपस्थित मिले। उन्होंने केंद्र की व्यवस्था को संतोषजनक बताया। दौरे के अंत में अंजू प्रजापति देवा कोतवाली पहुंचीं, जहां उन्होंने महिला हेल्प डेस्क और महिला पुलिस कर्मियों से संवाद किया। इसके बाद उन्होंने सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मजार पर जियारत भी की। इस मौके पर सीओ नगर संगम कुमार, इंस्पेक्टर अजय कुमार त्रिपाठी, महिला थानाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सदस्य ने जिला कारागार में महिला बंदीगृह का निरीक्षण किया।

केडी सिंह बाबू ब्ल्यू 4-3 से जीता

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : बालाजी किंगडम ऑफ स्पोर्ट्स में शुक्रवार को हॉकी इंडिया के 100 वर्ष पूर्ण होने पर वर्षगांठ समारोह मनाया गया। इस अवसर पर हॉकी एसोसिएशन बाराबंकी की ओर से हॉकी मैच का आयोजन किया गया, जिसमें केडी सिंह बाबू ब्ल्यू ने केडी सिंह बाबू ऑरेंज को 4-3 से हराकर जीत हासिल की।

मुख्य अतिथि बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरीश तथा विशिष्ट अतिथि विनय कुमार सिंह रहे। बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की कोषाध्यक्ष प्रिया माथुर ने मुख्य अतिथि को व बालाजी बचपन स्कूल की प्रधानाचार्या सविता कौर ने विशिष्ट अतिथि को सम्मानित किया। बालाजी किंगडम ऑफ स्पोर्ट्स की डायरेक्टर भारती माथुर ने जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. चौधरी अहमद जावेद एवं कोषाध्यक्ष बब्बू अरोड़ा का स्वागत किया। इस मौके पर बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रबंधक चंद्रशेखर कांडपाल, प्रिया माथुर, भारती माथुर ने हॉकी एसोसिएशन के सचिव मजहर अजीज खान और 10 युवा खिलाड़ियों को हॉकी किट प्रदान की। कार्यक्रम में केडी सिंह बाबू स्टेडियम के कोच विवेक, चंदारानी, एमबी सिंह, गौरव तिवारी सहित कई खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

हॉकी टीम के साथ अतिथि व अन्य लोग। ● अमृत विचार

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगे 88 हजार रुपये

कोठी, बाराबंकी, अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर एक महिला से 88 हजार रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पुरे कारिक की प्रियंका वर्मा पत्नी निर्मल वर्मा ने एसपी से की शिकायत में बताया कि उसकी मुलाकात सौरभ मिश्रा व उसके पिता बद्री विशाल से हुई। दोनों ने पीजीआई में नौकरी दिलाने का वादा किया। आरोप है कि उसे विश्वास में लेकर 88,000 रुपये ऑनलाइन ले लिए गए। जब उसे संदेह हुआ तो हैदरगढ़ जाकर पता किया, पता चला कि ये दोनों व्यक्ति पहले भी ठगी कर चुके हैं। प्रियंका ने बताया कि यह रकम जेवर गिरवी रखकर और उधार लेकर दी थी।

कमिश्नर और आईजी ने तैयारियों का लिया जायजा

- 11 को आएंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : 11 नवम्बर को सेठ आनन्दराम जयपुरिया स्कूल के मैदान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित राष्ट्रीय एकता यात्रा कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा शुक्रवार की शाम कमिश्नर राजेश कुमार और आईजी प्रवीण कुमार ने लिया।

दोनों अधिकारियों ने हैलीपेड, जनसभा स्थल, मंच, मुख्यमंत्री के जाने के मार्ग, जनता के आवागमन के रूट सहित सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आईजी प्रवीण कुमार ने कार्यक्रम स्थल को पूरी तरह सीसीटीवी कैमरे से लैस करने, सड़क और रेलवे लाइन के दोनों तरफ बैरीकेडिंग लगाने, पावर बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित करने और जनता व वीआईपी के एग्जिट पर कैमरे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों ने कार्यक्रम से पहले रात में गश्त बढ़ाने और कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद विशेष सावधानी बरतने की भी हिदायत दी। इसके अलावा ट्रेनों के आवागमन की जानकारी लेकर सुरक्षा योजना में समायोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा, संदीप गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख अनिल वर्मा, देश राज वर्मा, सतीश वर्मा, डीएम शशांक त्रिपाठी, एसपी अर्पित विजयवर्गीय आदि मौजूद रहे।

आईआईटी छात्र शरदेन्दु को 48 लाख का पैकेज

बाराबंकी, अमृत विचार : पालिका में कर निर्धारण अधिकारी तैनात कमलेश के पुत्र शरदेन्दु शेखर चौबे ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

आईआईटी से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें अमेजन ने 48 लाख 20 हजार रुपये का वार्षिक पैकेज ऑफर किया है। शरदेन्दु के इस चयन से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी मां अनामिका चौबे गृहिणी हैं। सहकर्मियों और शुभचिंतकों ने इस सफलता पर परिवार को बधाई दी है। शरदेन्दु ने वर्ष 2024 में राजीव गांधी पेट्रोलियम संस्थान से बीटेक की डिग्री प्राप्त की थी।

रोमांचक मुकाबले में यूपी पुलिस की टीम जीती

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : बाराबंकी हॉकी एसोसिएशन द्वारा पीएसी हॉकी ग्राउंड पर भी मैच आयोजित किये गये। पहले मैच में यूपी पुलिस टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाराबंकी स्टेडियम की बालिका टीम को 2-0 से हराया। दूसरा मैच बाराबंकी हॉकी एसोसिएशन और गांधी क्लब के बीच बराबरी पर रहा, जिसका फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ, जहां गांधी क्लब ने 3-1 से जीत दर्ज की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धीरेन्द्र वर्मा (पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक) रहे, जबकि बालिका मैच में बाला जी स्कूल की प्रिंसिपल सविता सिंह मुख्य अतिथि रहीं। स्कूल प्रबंधक अंकुर माथुर ने खिलाड़ियों को दस हॉकी स्टिक भेंट कीं। इस अवसर पर हॉकी एसोसिएशन के सचिव मज़हर अज़ीज़ खान, विवेक सिंह, राजेश सोनकर, तथा स्पोर्ट्स ऑफिसर निखिल मिश्रा उपस्थित रहे। विजेता खिलाड़ियों को पीएसी बाराबंकी के स्पोर्ट्स ऑफिसर निखिल मिश्रा ने पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद ब्लॉक प्रमुख व अन्य लोग। ● अमृत विचार

सरयू में 63 घड़ियाल के शावकों का पुनर्वास

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : वन विभाग ने घड़ियाल के शावकों को सरयू नदी में पुनर्वासित किया। शुक्रवार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी और उत्तर प्रदेश वन संरक्षक रंगा राजू की उपस्थिति में घड़ियाल पुनर्वास केंद्र कुकरैल, लखनऊ से लाए गए 63 घड़ियाल नदी में छोड़े गए। ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी ने कहा कि इन शावकों को नदी में पर्याप्त भोजन मिलेगा और नदी की सफाई व जलचर संरक्षण में मदद मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. अरुणिमा सिंह, डॉ. शैलेंद्र, अनामिका सिंह, वन अधिकारी सचिन पटेल सहित कई वनकर्मी मौजूद रहे।

करंट लगने से युवक झुलसा, हालत गंभीर

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : शादी समारोह की तैयारियों के बीच घर की सजावट कर रहा एक युवक 11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। सुबेहा निवासी अलताब के छोटे भाई गुड्डू की शनिवार को शादी होनी है। भटगवा निवासी दिलशेर सजावट के लिए झालर लगा रहा था। इसी दौरान छत के पास से गुजर रही 11 हजार लाइन की चपेट में आने से दिलशेर झुलस गया। एंबुलेंस की मदद से युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।

भूमि पूजन में शामिल पूर्व ब्लाक प्रमुख, नायब तहसीलदार व अन्य। ● अमृत विचार

महादेवा महोत्सव में अमरनाथ गुफा होगी आकर्षण का केंद्र

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : महादेवा महोत्सव को भव्य बनाने के लिए मेला मैदान में 40 फीट ऊंची अमरनाथ की गुफा का निर्माण शुरू कर दिया गया है। 17 से 23 नवंबर तक चलने वाले सात दिवसीय महोत्सव में यह गुफा मुख्य आकर्षण रहेगी। शुक्रवार को पूर्व ब्लाक प्रमुख ज्ञानू सिंह और नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन किया। पूजा अर्चना के बाद पंडित अनिल शास्त्री ने नींव रखी। गुफा के निर्माण में 200 फीट लंबा भव्य पहाड़ तैयार किया जाएगा।

सिटी डायरी

वंदेमातरम गायन के दौरान पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारी।

पुलिस कार्यालय में सामूहिक रूप से गाया गया वंदेमातरम

बाराबंकी, अमृत विचार : राष्ट्र गीत वंदे मातरम रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पुलिस कार्यालय परिसर में सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा पुलिस कार्यालय परिसर में वंदे मातरम का सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विकास चन्द्र त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक कुमार पाठक, क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी कार्यालय हर्षित चौहान व अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन्स में वंदे मातरम का सामूहिक गायन कार्यक्रम किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन कार्यक्रम को सभी ने सुना।

बैठक करते वसीम राईन।

कांग्रेस ने मुसलमानों का किया तुष्टीकरण- वसीम राईन

बाराबंकी, अमृत विचार : सट्टी बाजार स्थित कार्यालय में ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने कांग्रेस पर मुसलमानों का तुष्टीकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अपने सत्तर साल के शासन में पार्टी ने मुसलमानों की भलाई नहीं की, बल्कि उनकी दुर्गति की। उन्होंने कहा कि मुसलमानों का बुद्धिजीवी वर्ग कांग्रेस का बचाव करता है, जिससे हिन्दू अवाम में यह संदेश जाता है कि पार्टी सचमुच मुस्लिम हितैषी है। इस अवसर पर निसार राईन, अशफाक राईन, खलील राईन, सद्दाम इदरीसी, इरफ़ान अंसारी, अय्यूब राईन समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

निरीक्षण करते जिला कृषि अधिकारी।

रबी फसलों के लिए उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता : डीएओ

बाराबंकी, अमृत विचार : रबी फसलों की बुवाई को लेकर जनपद में किसानों के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जिला कृषि अधिकारी राजित राम ने बताया कि वर्तमान में जनपद में 22,075 मीट्रिक टन यूरिया, 10,108 मीट्रिक टन डीएपी/टीएसपी, 2,861 मीट्रिक टन एमओपी, 18,013 मीट्रिक टन एनपीके और 9,139 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध है। शनिवार को जिले के 75 सहकारी समितियों एवं उपकेन्द्रों में फास्फेटिक उर्वरक किसानों में खतौनी और आधार कार्ड के आधार पर वितरित किए जाएंगे।

टीकाकरण न होने से मवेशी बीमार

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र में खुरपका-मुंहपका का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। टीकाकरण न होने से मवेशी बीमारियों की चपेट में आ गए हैं, जबकि कुछ की मौत भी हो चुकी है। हर साल मई-जून में विभाग की ओर से टीकाकरण अभियान चलाया जाता है, लेकिन इस वर्ष टीकाकरण न होने से तेजवापुर, सरैया, रौनी, गुरुदयाल पुरवा, पूरे घीसा, गौतवन पुरवा समेत दर्जनों गांवों में बीमारी फैल गई है। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंदु बाला अब गांव-गांव जाकर उपचार तो कर रही हैं, पर बीमारी फैलने की बात से इनकार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में ही टीकाकरण कराया गया था।

छेड़छाड़ के विरोध पर युवती का अपहरण

बाराबंकी, अमृत विचार : घर से बाहर निकलते ही युवती से छेड़छाड़ का परिजनों ने विरोध किया तो तीन युवकों ने युवती का अपहरण कर लिया। परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री 3 नवंबर को बाराबंकी शहर किसी कार्य से गई थी। देर शाम जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। तहरीर में कहा गया है कि कुछ समय पूर्व पिंटू यादव पुत्र रामलाल निवासी रुस्तमपुरवा युवती से छेड़छाड़ किया करता था। परिवार द्वारा मना करने पर आरोपी ने धमकी दी थी कि वह युवती को उठा ले जाएगा। मां का आरोप है कि पिंटू यादव ने जेपी शर्मा, दीपेश यादव और लवकुश यादव की मदद से उनकी पुत्री को जबरन उठा लिया है। आशंका है कि आरोपी उसकी पुत्री के साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना कर सकते हैं। महिला की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

छात्रा से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : बदोसरांय थाना क्षेत्र में पीजी कालेज के एक छात्र ने छेड़छाड़ करते हुए छात्रा के अपहरण का प्रयास किया। शोहदे की बदनीयती भांप छात्रा ने चलती गाड़ी से कूद गयी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बीती 3 नवंबर का है। एक पीजी कॉलेज की छात्रा कॉलेज से घर लौट रही थी, तभी उसी कॉलेज का छात्र साजिद उर्फ गुड्डू उसका मोबाइल छीनकर उस पर नंबर शेयर कर बातचीत करने का दबाव बनाने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उसे जबरन अपनी गाड़ी में बैठा लिया। छात्रा वाहन से कूद गयी। घायल अवस्था में छात्रा ने पूरी घटना अपनी मां को बताई, जिसके बाद परिजनों ने अगले दिन बदोसरांय थाने में तहरीर दी। पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी साजिद उर्फ गुड्डू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

छात्रा को भगा ले गए दो युवक

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर के एक स्कूल में पढ़ने वाली कक्षा 10 की छात्रा को दो युवक बहला फुसलाकर भगा ले गए। कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में चाचा ने बताया कि उसकी भतीजी कक्षा 10 की छात्रा है। 4 नवम्बर को सुबह अपने घर से पढ़ाई के लिए स्कूल गई थी। समय समाप्त होने के बाद भी जब वह घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। लड़की के मोबाइल कॉल डिटेल्स की जांच की, जिसमें एक नंबर पर कॉल करने पर एक व्यक्ति ने बताया कि लड़की देवा में है, पर उसने अपना नाम नहीं बताया। हालांकि कॉलर आईडी पर नियाज नाम दिखा। उसने दिए गए दूसरे नंबर पर शाम को कॉल की तो लड़की ने कॉल काट दी।

पौधरोपण के दौरान मौजूद जिला जज व अन्य।

न्यायिक अधिकारियों ने लगाए पौधे

बाराबंकी, अमृत विचार : शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतिमा श्रीवास्तव ने की। जजेज कम्पाउंड परिसर में नीम, बेल, पाकड़ और आम के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम की शुरुआत जनपद न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव ने की।

न्यूज ब्रीफ

गैंगस्टर एक्ट के दोषी को दो साल की सजा

सीतापुर, अमृत विचार : गैंगेस्टर एक्ट में आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए विशेष न्यायाधीश (गैंगेस्टर एक्ट) कोर्ट संख्या–09 ने दो वर्ष सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। लहरपुर क्षेत्र के शीतलपुरवा निवासी अभियुक्त रोहित निषाद पर मानपुर थाने मे दो वर्ष पूर्व गैंगेस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। अदालत ने अभियोजन के तर्कों से सहमति जताते हुए अभियुक्त को दोषी करार देते हुए दो वर्ष कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

खम्हरिया बस दुर्घटना की मजिस्ट्रेटी जांच शुरू

सीतापुर, अमृत विचार : कमलापुर थाना इलाके के खम्हरिया मे बीते 16 जून को हुए बस हादसे की मजिस्ट्रेटी जांच शुरू हो गई है। सिधौली एसडीएम राखी वर्मा को मजिस्ट्रेटी जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच में संबंधित व्यक्तियों और आमजन के बयान दर्ज किए जाएंगे।

महीनों से खराब पड़ा है हैंडपंप

मछरेहटा, सीतापुर, अमृत विचार : मछरेहटा ब्लाक की ग्राम पंचायत भदेभर के पंचायत भवन के चारों ओर गंदगी का अंबार है। पंचायत भवन के सामने लगा हैंडपंप महीनों से खराब है। ग्रामीणों का दावा है कि कंप्यूटर सिस्टम का पंचायत भवन कोई उपयोग नहीं हो रहा। ग्रामीणों ने समस्याओं के निस्तारण की मांग की है।

महिला को दीं गालियां मुकदमा दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : अंबर संराय में विवादित प्लाट को लेकर हुए विवाद में महिला को गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। राजेश्वरी पत्नी जीतू राम ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि मंगलवार को विवादित प्लाट की जांच के लिए लेखपाल पहुंचे थे, तभी अंबर संराय निवासी चुन्नू ने उनसे अभद्रता की और गालियां दीं। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली पलटी

सांडा, सीतापुर, अमृत विचार : सकरन थाना क्षेत्र के अरुवा में ओवरलोड गन्ना लादने के कारण एक ट्रैक्टर–ट्राली पलट गये। हादसे में चालक नितिन बाल–बाल बच गया। नितिन ने अपनी ट्रॉली में लगभग 80 क्विंटल गन्ना लाद लिया था। खेत से ऊंची सड़क पर चढ़ते समय ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया। किसान नितिन ने बताया कि दो पर्चियां एक साथ आने पर उन्होंने एक ही बार में सारा गन्ना ले जाने की कोशिश की, जिससे यह हादसा हो गया।

रेलवे स्टेशन पर तैयारियों का जायजा लेतीं एडीआरएम नीतू। ● अमृत विचार

वंदेभारत एक्सप्रेस के आगमन की तैयारियां पूरी

सीतापुर, अमृत विचार : शनिवार को लखनऊ से चलकर सीतापुर होते हुए गंतव्य तक जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस के आगमन को लेकर दिन भर तैयारियों का दौर चला। लखनऊ के रेलवे अधिकारियों ने आकर सुरक्षा और व्यवस्था दोनों का जायजा लिया। पूर्वोत्तर रेलवे की एडीआरएम नीतू ने स्थितियों का अवलोकन किया। देर शाम जीआरपी और आरपीएफ के जवानों रेलवे स्टेशन परिसर में गश्त भी की। बता दें कि वंदेभारत एक्सप्रेस सुबह सीतापुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। इसी को लेकर कई दिनों से तैयारियां जोरो पर हैं। शुक्रवार शाम व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। उधर, जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर ने भी तैयारियों के साथ स्थितियों का जायजा लिया।

चौकी इंचार्ज सदरपुर हुए लाइन हाजिर

सीतापुर, अमृत विचार : सदरपुर थाने के बाहर बजरंग दल का धरना चौकी इंचार्ज को महंगा पड़ा। एसपी ने सदरपुर चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया। सिधौली कोतवाल हरगांव भेजे गए। कई और थाना प्रभारियों के क्षेत्रों में परिवर्तन किया गया। सदरपुर कस्बा चौकी इंचार्ज सुशील कुमार सिंह को पुलिस लाइन से संबद्ध किया गया। सिधौली कोतवाली प्रभारी बलवंत सिंह शाही को हरगांव भेजा गया। यहां रहे अरविंद कुमार पाण्डेय मिश्रिख कोतवाली प्रभारी के रूप में भेजे गए हैं। विजयेंद्र सिंह लहरपुर से सिधौली भेजे गए हैं। वहीं अरविंद सिंह मिश्रिख से लहरपुर स्थानांतरित किये गए हैं। निरीक्षक राम सिंह यादव पुलिस लाइन से प्रभारी आईजीआरएस सेल भेजे गए हैं।

रोस्टर के अनुसार की जाए बिजली आपूर्ति : डीएम

निर्देश

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद मे खराब बिजली व्यवस्था पर अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। ज़िम्मेदारों को निर्देश दिया कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए।

उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाए। अधिशासी अभियंता और अधीक्षण अभियंता नियमित रूप से कंट्रोल रूम का निरीक्षण करें। आरडीएसएस योजना के अंतर्गत कार्यों को समय पर पूरा करने और बिल वसूली में सुधार लाने के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने कहा कि स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों और सरकारी योजनाओं में विद्युत कनेक्शन देने में कोई विलंब न हो। उन्होंने शत-प्रतिशत बिलिंग और समयबद्ध मरम्मत सुनिश्चित करने पर बल दिया।

कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

औद्योगिक संस्थान व श्रमिक हों रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकृत: कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत गठित जिला कार्यकारी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के सभी औद्योगिक संस्थान, निजी चिकित्सालय, व्यावसायिक प्रतिष्ठान तथा कुशल श्रमिकों का रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने उद्योग, राज्य कर, चिकित्सा, कौशल विकास और पर्यटन विभाग से समन्वय कर मिशन के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। डीएम ने रोजगार मिशन की गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जच्चा की मौत पर अस्पताल सील

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, मौके पर पहुंचे विधायक ने जतायी नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : लापरवाही में जच्चा की जान चली गई, किसी तरह नवजात को बचाया जा सका। सेउता स्थित सीएचसी से चंद कदम दूर लखनऊ सेवा हॉस्पिटल में हुई घटना के बाद विधायक ज्ञान तिवारी ने जमकर हंगामा किया। सीएचसी प्रभारी ने प्राइवेट अस्पताल को ओटी सहित सील कर दिया है।

तंबौर थाना क्षेत्र के बढ़ईडीह निवासी शुभम अपनी 23 वर्षीया गर्भवती पत्नी पंछी को लेकर रेउसा आए थे। बताते हैं कि सीएचसी में सुविधाएं न मिलती देख उन्होंने पत्नी को निकट स्थित लखनऊ सेवा अस्पताल में भर्ती कराया। उनका आरोप है कि यहां बिना डिग्री वाले व्यक्ति ने ऑपरेशन किया, जिससे जच्चा की मौत हो गई। किसी तरह नवजात को बचाया जा सका। सूचना पाकर विधायक रेउसा ज्ञान तिवारी मौके पर पहुंचे और खासा हंगामा काटा। इसी के बाद पुलिस और फिर सीएचसी प्रभारी मौके पर पहुंचे।

हंगामें के दौरान उपस्थित अस्पताल संचालक। ● अमृत विचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अनंत मिश्रा ने बताया कि लखनऊ सेवा अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर में गंदगी पसरी हुई मिली। अस्पताल परिसर में भी अनियमितताएं मिलीं, फिलहाल उसे सील कर दिया गया है। निजी अस्पताल की जांच करते हुए सीएमओ को रिपोर्ट भेजी जा रही है।

शहर में बड़े वाहनों की नो एंट्री

सीतापुर, अमृत विचार : शहर के मंडी चौकी क्षेत्र में लगने वाले जाम से अब शहरवासियों को राहत मिलने जा रही है। भारी वाहनों के कारण उत्पन्न यातायात अव्यवस्था को देखते हुए डीएम ने शहर में बड़े वाहनों की नो-एंट्री लागू कर दी है। शनिवार सुबह से यह व्यवस्था प्रभावी होगी। गोला से आने वाले ट्रक और भारी वाहन अब काजी कमालपुर होकर महोली के रास्ते अपने गंतव्य तक जाएंगे। डीएम के आदेश पर एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस ने नया रूट डायवर्जन जारी किया है। सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक भोसले ने बताया कि डायवर्जन रूट पर साइन बोर्ड और पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

24 घंटे में वारदात का हुआ खुलासा, पिता-पुत्र गिरफ्तार

वारदात का खुलासा कर जानकारी देते पुलिस अधीक्षक। ● अमृत विचार

सीतापुर, अमृत विचार : अधिवक्ता के घर हुई चोरी की घटना का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया। कोतवाली नगर पुलिस और स्वाट टीम की कार्रवाई में चोरी में शामिल किरायेदार पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया। उनके पास से 8 लाख से अधिक नकद और लगभग 10 लाख मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों मे महोली कोतवाली क्षेत्र के नरहरा निवासी सुशील त्रिवेदी और उनका पुत्र सिद्धार्थ त्रिवेदी शामिल हैं। दोनों अधिवक्ता भूपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव के मकान में किराए पर रहते थे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

दुकान में आग से हजारों की क्षति

सीतापुर, अमृत विचार : सिधौली थाना क्षेत्र के बंदरिया बाजार में एक दुकान में अचानक आग लग गई, जिससे दुकान पूरी तरह जल गई। घटना में करीब 50 हजार का नुकसान हुआ।

बंदरिया बाजार निवासी दुकानदार रशीद अहमद गैस सिलेंडर से संबंधित सामान बेचते थे। आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है। सूचना मिलते ही पीआरबी 112 और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान फायर इंचार्ज विजय बहादुर सिंह यादव, ऋषि राज सिंह और कुलदीप कुमार मौजूद रहे।

5.10 करोड़ के ऋण और 12 लाख के बीमा क्लेम चेक बांटे

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : इंडियन बैंक अंचल कार्यालय में बुधवार को वृहद ग्राहक संवर्द्धन अभियान आयोजित हुआ। इसमें वित्तीय समावेशन, री-केवाईसी, आपकी पूंजी आपका अधिकार और डिजिटल बैंकिंग अभियान की जानकारी साझा की गई। इस मौके पर 5.10 करोड़ रुपये के ऋण चेक और 12 लाख रुपये के बीमा क्लेम चेक वितरित किए गए।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकास खंडों से आए पांच सौ से अधिक लाभार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि इंडियन बैंक के कार्यकारी निदेशक ब्रिजेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी, पीएम स्वनिधि, मुद्रा एवं पीएमएफएमई जैसी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया।

उन्होंने आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता ने की। उन्होंने लाभार्थियों को अपनी केवाईसी अद्यतन रखने और सरकारी योजनाओं से जुड़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में बैंक अधिकारी, स्थानीय प्रतिनिधि और लाभार्थी मौजूद रहे।

मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

महमूदाबाद, सीतापुर, अमृत विचार : एक लॉन में भारतीय जनता पार्टी द्वारा मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्षेत्रीय मंत्री विमल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जबकि विधायक आशा मौर्य विशिष्ट अतिथि रहीं। क्षेत्रीय मंत्री विमल सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर मतदाता के नामांकन पर जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। विधायक आशा मौर्य ने कार्यकर्ताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री सुधीर सिंह सहित लगभग 300 कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

कोल्डड्रिंक को लेकर दो पक्षों में मारपीट

संवाददाता, लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के बेलवा बाजार में कोल्डड्रिंक को लेकर हुए विवाद में दो पक्ष आमने-सामने आ गए। बढ़ते बवाल के बीच दोनों ओर से लाठी-डंडे चले, धारदार हथियारों से भी हमला किये जाने का आरोप है। मारपीट मे कई लोग घायल हो गए। लहरपुर के ग्राम रतौली निवासी मोहित के मुताबिक, ने उनका होटल अवस्थी मिष्ठान भंडार के नाम से बेलवा बाजार में है।

आरोप है कि शुक्रवार को रमपुरवा के अमन ने कोल्डड्रिंक पीने के बाद फ्रीजर में रख दी। विरोध करने पर अमन ने अपने साथियों को बुलाकर मोहित और उसके भाइयों पर हमला कर दिया। दूसरी ओर, रमपुरवा निवासी छोटू ने भी तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसके भतीजे अमन के साथ होटल संचालक पक्ष ने मारपीट की। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

किसानों को दी गन्ने की उन्नत खेती की जानकारी

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : गन्ना किसानों को वैज्ञानिक खेती की तकनीक से अवगत कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को गन्ना क्रय केंद्र नबीनगर पर किसान गोष्ठी आयोजित की गई।

अध्यक्षता ग्राम निबौरी के किसान गोवर्धन लाल ने की। गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर के वैज्ञानिक प्रवीण कुमार कपिल और श्री प्रकाश यादव ने शरदकालीन गन्ने की उन्नत खेती, सहफसली खेती, मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक प्रयोग व ट्रेंच विधि से बुवाई के लाभ पर विस्तार से जानकारी दी। उप महाप्रबंधक गन्ना विकास मनोज नरवाल ने किसानों से कहा कि 4 फुट की दूरी पर गन्ने की बुवाई करें। कार्यक्रम में सीडीओ जयवर्धन सिंह, गन्ना निरीक्षक परमेश्वर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

किसानों को नहीं देनी होगी गन्ना उतराई : सांसद राकेश राठौर ने किसानों से गन्ना उतराई का मुद्दा उठाया था। डीएम डॉ. राजागणपति आर. ने अधीनस्थों को निर्देश दिए। जिसके क्रम में जिला गन्ना अधिकारी रत्नेश्वर त्रिपाठी ने सभी मिलों को निर्देश जारी किये। साथ ही ओवरलोड गन्ना ट्रकों पर रोक लगाने के भी निर्देश दिए हैं।

पुलिस ने किया आठ बाइकों का ई-चालान

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : भदफर चौकी प्रभारी लाल बहादुर मिश्रा ने वाहन चेकिंग अभियान के अंतर्गत बिना हेलमेट लगाए बाइक सवारों को हेलमेट लगाने के लिए जागरूक किया। 8 बाइक सवारों के ई चालान किए। अभियान के दौरान चार चौपहिया वाहन चालकों के भी ई चालान काटे गए।

चौकी प्रभारी ने कहा कि जान है तो जहान है। पुलिस के डर से नहीं अपनी जान की रक्षा के लिए हेलमेट अवश्य लगाएं। चौकी प्रभारी ने ट्रिपलिंग कर बाइक सवारों को रोककर उनसे ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की।

गांव चौपाल में ग्रामीणों को जानकारी देते न्यायाधीश मनुज कृष्ण मिश्रा। ● अमृत विचार

गांव की चौपाल पर लगी अदालत, मिला न्याय

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ग्राम कला बहादुरपुर में न्याय आपके द्वार कार्यक्रम के तहत चल (मोबाइल) न्यायालय का आयोजन किया गया। ग्राम न्यायालय न्यायाधीश मनुज कृष्ण मिश्रा ने गांव में ही अदालत लगाकर ग्रामीणों के विवादों की सुनवाई की और उन्हें त्वरित न्याय प्रदान किया। इस दौरान न्यायाधीश मनुज कृष्ण मिश्रा ने बताया कि मोबाइल न्यायालय का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय को सरल और सुलभ बनाना है, ताकि लोगों को छोटे–मोटे विवादों व भूमि मामलों में शीघ्र समाधान मिल सके। उन्होंने कहा कि यह अदालत विशेष रूप से विकलांग, बुजुर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को न्याय दिलाने में मददगार साबित होगी।

सिटी डायरी

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु।

श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर निकली कलश यात्रा

रामपुर मथुरा, सीतापुर, अमृत विचार : विकास खंड क्षेत्र के अभनापुर गोंडा देवरिया स्थित महेश्वर हनुमान मंदिर श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर शुक्रवार को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा अभनापुर से प्रारंभ होकर मुरलीधर मंदिर पहुंची, जहां चंद्रभागा नदी से जल भरकर विधिविधान से पूजन किया गया। तत्पश्चात कलश यात्रा कथा स्थल पर पहुंची। कथा व्यास महामंडलेश्वर राघव दास महाराज के मुखारविंद से सात दिनों तक कथा का रसपान कराया जाएगा। यात्रा में गुड्डू तिवारी, लक्ष्मी नारायण मौर्य, मनोज कुमार सिंह, धीरेंद्र मिश्रा, फौजी लाल, शिवबालक यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यातायात व्यवस्था के लिए प्रभारी निरीक्षक संजय पांडे पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

ग्रामीणों से संवाद करते बीडीओ ।

बीडीओ ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

मिश्रिख, सीतापुर, अमृत विचार : खण्ड विकास अधिकारी मिश्रिख सुनील कौशल ने ग्राम पंचायत बढ़ैया के मजरा टिपोना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन आंगनवाड़ी केंद्र में फर्श और फिनिशिंग का कार्य अधूरा पाया गया, जिस पर बीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को 15 दिन के अंदर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आरआरसी केंद्र गैर क्रियाशील पाया गया। मध्याह्न भोजन योजना की जांच में तहरी परोसी जा रही थी, जिसकी गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर सुधार के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सामुदायिक शौचालय में केयरटेकर की लापरवाही की शिकायत पर बीडीओ ने प्रस्ताव तैयार कर नया समूह चयनित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य अतिथि को सम्मानित किया गया।

स्काउट गाइड शिविर का समापन

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : मौलाना आजाद हायर सेकेंडरी स्कूल, बिसवां में तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में जिला मुख्य आयुक्त रमेश बाजपेई उपस्थिति रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक जिला आयुक्त (बिसवां) रूपेश अवस्थी, (महमूदाबाद) अभिषेक वर्मा तथा हिमालय वुड बैज स्काउट दीपक राठौर उपस्थित रहे। सहायक जिला आयुक्त अखिलेश शुक्ला, ट्रेनिंग काउंसलर स्काउट / गाइड अंकित गौरव एवं रोहिणी यादव को शिविर की सफलता पर सराहा गया। संचालन मंगली प्रसाद, अनिल बंशवार आदि ने किया।

ज्ञापन सौंपने जाते अधिवक्तागण।

बिसवां को जिला बनाने की मांग

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : तहसील बिसवां को जिला घोषित किए जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को नागरिकों ने अधिवक्ता नीरज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में राज्यपाल और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी शिखा शुक्ला को सौंपा। इस मौके पर आरएन सिंह, इंतिखाब आलम सिद्दीकी, अश्विनी त्रिपाठी, आशीष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

लापरवाही नियमों को ताक पर रखकर जनपद में बेधड़क दौड़ रही हैं बसें और डग्गामार वाहन

किसी बस में रजिस्ट्रेशन तो किसी के ढांचे में खेल

जीशान कदीर, सीतापुर

अमृत विचार : जनपद में बड़े पैमाने पर डग्गामार और डबल डेकर वाहन धड़ल्ले से सवारियों को ढो रहे हैं। आलम ये है कि इनके कागज तो दूर ढांचे ही नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। कई बार हादसे हो चुके हैं। हाल दिनो में सीमा से सटे इलाके में ऐसा ही वाहन हाइवे पर धूं-धूकर जल भी चुका है।

हालांकि विभागीय कार्रवाई की बात करे तो पुलिस ही नहीं परिवाहन विभाग भी रोजाना रोजनामचे के पूरा करता है। लेकिन इन वाहनों की हकीकत कोसों इतर है। शिकायतों पर गौर करें, तो इन बसों का रजिस्ट्रेशन टूरिस्ट बस का है लेकिन ये वाहन नियमित किसी वैध अनुज्ञा के एक निश्चित रूप में सवारियों को सीतापुर से दिल्ली, पानीपत हरिद्वार, मवाना, अंबाला सहित अन्य स्थानों के लिए ले जाते हैं। एआरटीओ सर्वेश चतुर्वेदी बताते हैं कि डग्गामार वाहनों और डबल डेकर बसों पर चालानी कार्रवाई और जुर्माना दोनों वसूला गया है।

शहर स्थित एक ढाबे पर रुकी बस।

बस पर सवार होता यात्री।

> छह बसों का चालान किया गया है। सभी बसें डबलडेकर थीं और नियमों का उल्लंघन करती हुई मिली हैं। जुर्माना की कार्रवाई भी की जा रही है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।
> –सर्वेश चतुर्वेदी, एआटीओ प्रशासन

पुराने शहर और महोली से संचालित है सिंडीकेट : पुराना शहर और महोली इलाके से सिंडीकेट संचालित किया जा रहा है। इसको लेकर टोकन की व्यवस्था में प्रभावी है। बताते हैं कि दिये जा रहे टोकन पर नंबर पड़ा होता है। उसी इंट्री के सहारे एक माह डग्गामार जनपद और उससे बाहर बेधड़क होकर फर्राटा भरते हैं।

इन रूटों से गुजरते हैं वाहन : नगर स्थित एक ढाबा से दो बसें नियमित हरिद्वार जाती हैं। अकबरपुर से खैराबाद होते हुए डग्गामार वाहन पानीपत जाते हैं। रेउसा से बिसवां वाया खैराबाद होते हुए वाहन दिल्ली के लिए जाते हैं। पिसावां से नेरी होते हुए दिल्ली की यात्रा भी कराई जाती है। आंट से कुतुबनगर होते हुए दिल्ली सहित विभिन्न रूटों पर डग्गामार वाहन गुजरते हैं।

ढाबे पर खड़ी होने वाली बस में लगी थी आग : मैगलगंज में ठूंस-ठूंसकर सवारिये भरे डबल डेकर बस में पिछले सप्ताह अचानक आग लग गई। गनीमत रहा कि कस्बे के लोगों द्वारा सवारियों को शीशे तोड़कर बाहर निकाला गया था।

न्यूज ब्रीफ

छेड़छाड़ व मारपीट का मामला दर्ज

लालगंज : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दलित बालिका के साथ छेड़खानी व मारपीट की घटना हुई है। मामले में दलित पीड़िता ने कोतवाली पुलिस में शिकायत करते हुए बताया कि एक नवंबर को गांव के एक युवक ने उसके साथ छेड़खानी की थी। शिकायत करने पर वह लोग घर पर आकर गाली गलौज देते हैं। विरोध करने पर उसके भाइयों को भी मारा पीटा। मामले में पुलिस ने हरिजन एक्ट व छेड़खानी की धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि कार्रवाई की जा रही है।

कथावाचक के पिता का निधन, शोक

महराजगंज : थाना क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला गांव निवासी कथावाचक के पिता बृजेश पाण्डेय (55 वर्ष) का गुरुवार को जगन्नाथपुरी में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पैतृक गांव समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव लाया जा रहा है। शनिवार को गांव में ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मवेशी से टकराई बाइक, मासूम घायल

जगतपुर : थाना क्षेत्र के रोझइया गोकलपुर गांव के रहने वाले पिंटू बाइक से मही पुत्री रिंकू (6) को लेकर जा रहे थे। तभी ओम नगर के पास छुट्टा मवेशी से उसकी बाइक टकरा गई। जिस पर बैठी बालिका गिरकर घायल हो गई। घायल को जगतपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला चिकित्साल रेफर कर दिया गया।

रामचरितमानस पाठ का हुआ आयोजन

सरेनी : विकास क्षेत्र के धूरेमऊ ग्राम सभा में स्थित शक्तिपीठ महामाई माता के मंदिर में ब्राइट कैरियर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक अनूप तिवारी की ओर से अखंड रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान पूजन-हवन व कन्या भोज के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। आचार्य कामता त्रिवेदी के सानिध्य में अखंड मानस पाठ का शुभारंभ हुआ। इस दौरान आयोजित भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य गौरव कुमार तिवारी आदि लोग रहे।

बैंक कर्मियों के प्रति लोगों में आक्रोश

रायबरेली : उप्र ग्रामीण बैंक शाखा गढी मुतवल्ली में कार्यरत स्टाफ की कार्यशैली से क्षेत्र के व्यापारियो में खासी नाराजगी है। क्षेत्रीय लोगों की माने तो मुंशीगंज कस्बे में स्थित उप्र ग्रामीण बैंक शाखा गढी मुतवल्ली के कर्मचारियो का बैंक पहुंचने वाले खाता धारकों के प्रति दुर्व्यवहार से लोग परेशान हैं। नाराज व्यापारी व क्षेत्रीय लोगो में आक्रोश है। बैंक के कर्मचारियो के अभद्र व्यवहार के शिकार कई खाताधारकों ने बैंक के उच्चाधिकारियों से शिकायत कर कर्मचारियों के कार्यशैली को बदलने की मांग की है। व्यापारी नेता व समाज सेवी विरेन्द्र कुमार अग्रहरी ने बताया कि उप्र ग्रामीण बैंक शाखा गढी मुतवल्ली मे बैठे स्टाफ की नकारात्मक सोच से बैंक की छवि को धूमिल हो रही है। इस संबंध मं डीएम की होने वाली व्यापारी बंधु की बैठक मे भी बैंक के कर्मचारियों की शैली से अवगत कराया जाएगा।

गोष्ठी आयोजित

लालगंज : रघुवीर इंस्टीट्यूट में कैंसर जागरूकता दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। रघुवीर इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर मोनिका मिश्रा ने कहा कि कैंसर से लड़ने के लिए जागरुकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि फाइबर युक्त आहार लें, नियमित व्यायाम करते रहें और तनाव मुक्त रहे। रघुवीर इंस्टीट्यूट की अनुशासन कमेटी के प्रभारी बुद्धि प्रकाश ने स्वस्थ जीवनशैली पर जोर देते हुए तनावमुक्त रहने की सलाह दी।

डीएम ने दिए साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश

संवाददाता, रायबरेली

- जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

अमृत विचार। शुक्रवार को डीएम हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण किया। इस दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थिति थे।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम ने पुस्तक मेले का किया निरीक्षण, रायबरेली: फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी पुस्तक मेले का डीएम हर्षिता माथुर ने शुक्रवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकाशकों के स्टॉल देखे और छात्रों व पाठकों से संवाद किया। उन्होंने पुस्तक पठन को ज्ञान वृद्धि का सर्वोत्तम साधन बताते हुए विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट का निरीक्षण करतीं डीएम हर्षिता माथुर व मौजूद अन्य।

अपर जिला जज ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

रायबरेली, अमृत विचार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला जज अनुपम शौर्य ने वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा भी उपस्थित रहे। अपर जिला जज/सचिव द्वारा वन स्टॉप सेंटर के सम्बन्ध में उपस्थित सेंटर मैनेजर आस्था ज्योति से जानकारी ली गई। सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति द्वारा वन स्टाप सेन्टर में महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं से अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत कराया गया। सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि किसी प्रकार की समस्या के सम्बन्ध में प्रार्थनापत्र प्राप्त हो तो अविलम्ब उसे कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेषित करें। इस मौके पर काउंसलर श्रद्धा सिंह, केसवर्कर अर्चना सिन्हा, केसवर्कर ज्ञाना यादव, एमटीएस दीप्ति मिश्रा, कम्प्यूटर ऑपरेटर साधना श्रीवास्तव व जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, जेन्डर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी एवं सुषमा कश्यप उपस्थित रही।

हादसे में पलटा ऑटो रिक्शा, छह घायल

जगतपुर। थाना क्षेत्र के मतीनगंज के पास सवारी से भरे ऑटो रिक्शा में मैजिक ने टक्कर मार दी, जिससे ऑटो रिक्शा पलट गया। दुर्घटना के बाद मैजिक चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों द्वारा घायल रज्जन पुत्र विरऊ व उसकी मां जगरेली निवासी पूरे छेदी तथा निर्मला व उसकी बेटी नीतिका निवासी दीनशाह गौरा थाना गदागंज, गुड्डी निवासी पूरे दुर्गा बक्स रामगढ़ टिकरिया थाना जगतपुर व रवि निवासी हरकिशनपुर टिकरा थाना जगतपुर घायल हो गए। सभी घायलों को जगतपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय भेजा गया है।

सदर विधायक के प्रयास से चार सड़कों के नवनिर्माण को मिली मंजूरी

जनता के प्रति समर्पित विधायक अदिति सिंह का सेवाभाव सराहनीय व अनुकरणीय

मिली सौगात

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। सदर विधायक अदिति सिंह ने सेवाभाव व नैतिक आचरण के साथ नगरवासियों को अनवरत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त किया है। सच्ची व कर्तव्यनिष्ठा जैसी सोच रखने वाले प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के संकल्पों को विकास योजनाओं के माध्यम से सदर विधायक जन-जन में प्यार और मिठास का रस घोल रही हैं। उनका जनसरोकार के प्रति समर्पित यह प्रयास आने वाले समय में नजीर का काम करेगी। जनपद के साथ अन्य जिलों की जनता को मुहैया कराई गई प्रदेश सरकारी की महत्वाकांक्षी योजनाओं की चहुंओर चर्चा है। एक बार फिर सदर विधायक अदिति सिंह सदर विधान सभा क्षेत्र को चार संपर्क मार्गों के नवनिर्माण कार्यों की स्वीकृति प्रदान कराकर क्षेत्रीय जनता को न सिर्फ बड़ी सौगात दी है, बल्कि इसके साथ-साथ उनके दिलों में अपनी जगह भी बना ली है। क्षेत्रीय जनता के लिए सदर विधायक द्वारा किया गया यह कार्य सराहनीय व अनुकरणीय है।

सदर विधायक अदिति सिंह।

सदर विधान सभा क्षेत्र के परशदेपुर-जैतूपुर, अयासपुर डीही-जरौला, आदमपुर-जलालपुर व आदमपुर-मरदानपुर से होते हुए चकपीरशाह मार्ग वर्षों से बदहाल की स्थित में है। इस मार्ग से आने जाने में राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसको लेकर ग्रामीणों ने कई बार प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष भी रखा लेकिन इसके बाद भी वह परेशान थे। मामला संज्ञान में आने के बाद सदर विधायक अदिति सिंह ने न सिर्फ शासन से उपरोक्त सड़कों के नवनिर्माण की स्वीकृति प्रदान कराई, बल्कि आवागमन में भारी असुविधा का दंश झेल रहे राहगीरों के जख्मों पर भी मरहम लगाने का प्रयास किया है। उपरोक्त सड़कों के नवनिर्माण के लिए संबंधित विभाग में औपचारिक गतिविधियां पूरी करने के बाद इन सड़कों पर बहुत जल्द निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। इसके बाद इन मार्गों से होकर गुजरने वाले वाहन सरपट दौड़ लगा सकेंगे। हालांकि इसके पूर्व सदर विधायक के प्रयास से जिले के साथ अन्य जनपद के रोगियों को भी प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित किया जा चुका है।

महाराजगंज-इंहौना मुख्य सड़क मार्ग पर नैय्या नाला पुल का निर्माण शुरू

महाराजगंज-इन्हौंना मार्ग पर स्थित नैय्या नाला पुल। अमृत विचार

महाराजगंज, रायबरेली, अमृत विचार। क्षेत्र के कैर गांव स्थित महराजगंज-इंहौना मुख्य सड़क मार्ग पर नैय्या नाला पुल का निर्माण कार्य फिर शुरू हो गया है। बीते तीन माह से हुई बारिश के कारण निर्माण कार्य बाधित चल रहा था। जिससे इन्हौना मार्ग पर बड़े वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई थी। बग़ल में बनाए गए सर्विस लेन के जर्जर होने से केवल बाइक और साइकिलों का ही आवागमन हो रहा था। बारिश के बाद अभी हाल ही में सर्विस लेन दुरुस्त कराकर बड़े वाहनों सहित सभी चार पहिया वाहनों के लिए बंद किया गया मार्ग खोलकर आवागमन बहाल कर दिया गया है। इसके साथ ही शुक्रवार से पुल का निर्माण का कार्य भी दोबारा शुरू कर दिया गया है, जिससे यात्रियों को जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं इस संबंध में लोकनिर्माण विभाग के जेई ओपी गौड़ ने बताया कि पुल निर्माण की निर्धारित अवधि मई 2026 काम पूरा कराने के लिए कार्यदाई संस्था को दिए गए हैं। इस पुल निर्माण के बाद इस मार्ग आवागमन में सुविधा मिलेगी।

तालाब में मिला लापता युवक का शव, मचा हड़कंप

सलोन (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के अमरुपुर गांव में दो दिनों से लापता युवक का शव गांव के तालाब से शुक्रवार को बरामद हुआ है। पुलिस ने युवक के शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि नशे की हालात में युवक साइकिल खड़ी करने के बाद तालाब में कूद गया था।

कोतवाली अंतर्गत बल्दी का पुरवा, किठावा निवासी राहुल (25) पुत्र माताबदल बीते तीन महीनों से अपने बहनोई राधेश्याम पुत्र देवलाल निवासी झपट्टी का पुरवा, भवानीपुर के यहां रहता था। 5 नवम्बर की देर शाम लगभग छह बजे के करीब युवक साइकिल से घर के लिए निकला था। रात्रि करीब 7 बजे अमरूपुर गांव स्थित तालाब के बाहर उसकी साइकिल खड़ी मिली। ग्रामीणों ने किसी अनहोनी को लेकर उसके रिश्तेदार को सूचना दे दी। देर रात अंधेरा होने के कारण तलाश नहीं की जा सकी थी। गुरुवार की सुबह ग्रामीणों की मदद से पंपिंग सेट लगाकर तालाब का पानी बाहर निकालना शुरू हुआ था। शुक्रवार की सुबह युवक का शव तालाब में बरामद होने से परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाल राघवन कुमार सिंह का कहना है कि युवक शराब का सेवन करता था। नशे की हालात में वह तालाब में कूद गया होगा।

राजकीय कृषि बीज भंडार में गेहूं के बीज के लिए उमड़े किसान

राजकीय कृषि बीज भण्डार खीरों में गेहूं का बीज लेने के लिए लगी किसानों की भीड़।

संवाददाता, खीरों (रायबरेली)

अमृत विचार। कस्बा स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार में विभाग द्वारा भेजा गया गेहूं का बीज ऊंट के मुंह में जीरा कहावत को चरितार्थ कर रहा है। कृषि विभाग किसानों की मांग और आवश्यकता के अनुरूप किसानों को बीज उपलब्ध नहीं करा पा रहा है, जिससे किसानों में रोष और मायूसी है। राजकीय कृषि बीज भण्डार खीरों में शुक्रवार को तीसरी बार गेहूं का बीज किसानों को वितरित किया गया। बीज लेने के लिए सुबह से ही काफी संख्या में किसान कतार बनाकर अपनी बारी का इंतजार करने लगे।

शुक्रवार को गोदाम में 100 कुंतल बीज उपलब्ध होने के सापेक्ष किसानों की संख्या अधिक थी इसलिए काफी किसानों को मायस होकर खाली हाथ लौटना पड़ा। रामपुर के किसान कृष्णपाल यादव, पाहो के हरिनायक सिंह, गायत्री सहाय सिंह, श्रीराम, सगुनी के रामदीन, बच्चन लाल, बासदेव ने बताया कि बारिश होने के कारण खेतों में पर्याप्त नमी है। गेहूं की बोआई का समय चल रहा है। इसलिए किसान जल्दबाजी में हैं। यदि समय से बोवाई न हो पाई तो खेतों की नमी कम हो जाएगी, जिससे अंकुरण प्रतिशत में गिरावट आने से पैदावार प्रभावित होगी। लेकिन पर्याप्त मात्रा में बीज न आने से काफी किसानों को मायुष होकर वापस लौटना पड़ रहा है। गोदाम प्रभारी शिव प्रकाश ने बताया कि अब तक कुल 290 क्विंटल डीबीडब्लू 187, 222 क्विंटल फॉउंडेशन, 303 क्विंटल प्रमाणित गेहूं का बीज आया था। जो वितरित किया जा चुका है।

निखत का परिणाम ही है सफलता का प्रमाण

- मेधावियों ने ओ लेवल में सफलता अर्जित कर जनपद में फहराया परचम

मेधावी छात्रा मानसी मौर्या।

ओ लेवल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले निखत कम्प्यूटर के मेधावी छात्राएं। अमृत विचार

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। शहर में संचालित निखत कम्प्यूटर के मेधावी छात्र-छात्रओ ने ओ लेवल में बाजी मारकर परचम लहराया है। ओ लेवल जुलाई 2025 के परीक्षा का परिणाम नाईलिट डोयक द्वारा घोषित किया गया। निखत कम्प्यूटर के डायरेक्टर मो. अयाज ने बताया कि 130 मेधावियों ने ओ लेवल कोर्स को पूर्ण रूप से क्वालीफाई किया। संस्थान के 171 स्टूडेन्ट्स ने सेमेस्टर परीक्षा को क्वालीफाई कर इतिहास रच दिया। संस्थान के 130 मेधावियों में 72 मेधावी पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित निःशुल्क ओ लेवल कोर्स के है। संस्थान के डायरेक्टर ने बताया कि सभी मेधावी सरकारी नौकरी में समीक्षा अधिकारी, सहासक लेखाकार, एएसआई, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेक्नीशियन जैसे सरकारी पद के लिए योग्य हो गये है। सभी छात्र एआई, मशीन लर्निंग, डाटा साइंस, वेब डेवलपर आदि की डिजिटल शिक्षा ग्रहण करके किसी भी आईटी कम्पनी में रोजगार प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा यह सभी छात्र अपना स्वरोजगार करके एक अच्छे उद्यमी भी बन सकते है।

सफलता पाने वाले मेधावी गरिमा साहू, खशबू यादव, नेहा मौर्या, शिवा यादव, सौम्या यादव, अभिषेक सविता, अभिनन्दन यादव, अनामिका, अनामिका पटेल, आंचल, आंचल कश्यप, अंजली, अंशिका गुप्ता, आराधना कौशल, अर्पिता, दीपिका, दिव्यांशी मौर्या, दिव्यांशी पटेल, दृष्टि सोनी, इशू पाल, हिमांशी, जूही मौर्या, खुशी चौरसिया, लवली मौर्या, मान्सी चौरसिया, मान्सी मौर्या, नेहा, निशा वर्मा, पारूल यादव, पायल यादव, पूनम मौर्या, प्रियांशी, रोली, रोली यादव, रोशनी, रोशनी बानो, रूपाली जायसवाल, साक्षी, समरीन बानो, शिवानी वर्मा, शिवांशी, सोनाली मौर्या, सौम्या पटेल, सुमन वर्मा, सुष्मिता, वैशाली मौर्या, वर्तिका साहू, आमिर खान, आर्यन कश्यप, आशुतोष आदि हैं। संस्थान के डायरेक्टर मोहम्मद अयाज़ ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी है। इस अवसर पर अमरेश मौर्य, जमीर अहमद, मो. तल्हा, पवन सिंह, मो0 अरशद, तरन्नुम, रिया, रमशा, श्रद्धा चौधरी, देवेंद्र सिंह, आचमन सिंह, गिरीश पाण्डेय मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्रेशन कैंप में 36 किसानों ने कराया पंजीकरण

महराजगंज। क्षेत्र के मोन गांव में शुक्रवार को किसान पंजीकरण (फार्मर रजिस्ट्री) के लिए कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में कुल 36 किसानों को बुलाकर उनका फार्मर रजिस्ट्रेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

कैंप के निरीक्षण में पहुंची खण्ड विकास अधिकारी वर्षा सिंह ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लाभों से भी विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह पंजीकरण 'डिजिटल भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फार्मर रजिस्ट्री से किसानों को डिजिटल किसान बही, किसानों को उनकी जमीन और फसल से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड, पीएम किसान सम्मान निधि प्राप्त करने में सुगमता मिलेगी। कृषि उपकरणों की खरीद पर सरकारी अनुदान का लाभ सहित अन्य सरकारी विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में भी किसानों को छूट प्रदान की जाएगी। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी अमरेंद्र कुमार, ग्राम प्रधान अमरेश कुमार और रोजगार सेवक कुलदीप सिंह रहे।

सिटी डायरी

प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दमखम

पूरे झाम सिंह में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे।

जगतपुर। ब्लॉक क्षेत्र के पूरे झाम सिंह में सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जगतपुर न्याय पंचायत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का दमखम दिखाया। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने फीता काट कर किया। शुक्रवार को पूरे झाम सिंह में सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्राथमिक 100 मीटर बालक के वर्ग दौड़ में पूरे झाम सिंह विद्यालय के रितिक प्रथम, रोहित द्वितीय व साहिल तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में पूरे तिवारी की राखी प्रथम, शुभी द्वितीय व रागिनी पूरे झाम सिंह तृतीय स्थान पर रहीं। इसी तरह 100 मीटर बालक जूनियर वर्ग दौड़ में हिमांशु रोझइया प्रथम, शिवा पूरे झाम सिंह द्वितीय व अक्षय पूरे झाम सिंह तृतीय स्थान पर रहे। इस दौरान सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर शिक्षक संजय सिंह, दीपक कुमार सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

ऊंची कूद में भाग लेते खिलाड़ी।

दौड़ में काजल रही अव्वल

लालगंज : प्रदेश सरकार के निर्देश पर सांसद खेल स्पर्धा की प्रतियोगिताएं विकासखंड में प्रारंभ हो गई हैं। न्याय पंचायत बहाई व गोविंदपुर वलौली के बैसवारा इंटर कॉलेज व बेहटाकला के उच्च प्राथमिक विद्यालय बन्डई में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गोविंदपुर वलौली में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 200 मी सब जूनियर दौड़ में कंपोजिट स्कूल भुरकुसपुर की बालिका काजल अवल रही। सीनियर वर्ग की लंबी कूद में जानवी सिंह, बालको की लंबी कूद में प्रशांत ने बाजी मारी। कंपोजिट स्कूल भुरकुसपुर के स्वास्तिक, विकास ने भी बढ़िया खेल का प्रदर्शन किया। सूर्य प्रताप सिंह ने कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यहां खंड शिक्षा अधिकारी लालगंज राजीव कुमार ओझा, विनोद कुमार, डॉ. शशिकांत त्रिवेदी, मुकेश कुमार रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे।

खेलकूद बच्चों ने किया प्रतिभाग

सतांव। सांसद खेल स्पर्धा के तहत ब्लॉक क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालय सतांव, पीएम श्री स्कूल अटौरा, उच्च प्राथमिक विद्यालय रैली कल्याणपुर में खेल कूद की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें दौड़, कबड्डी आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में पंचायत वार आने वाले सभी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय पूरे शमशेर में दौड़ प्रतियोगिता अकेश, पायल, शिवानी, मालती व सचिन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यहां ग्राम विकास अधिकारी अनुराग पांडे, अपूर्वा मिश्रा अभिनव यादव, सतीश तिवारी, रामा देवी, राम प्रकाश, विमलेश सिंह रहे।

आयोजन कबड्डी, दौड़, रस्साकशी, लंबी कूद, ऊंची कूद जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में दिखाया दम

सांसद खेल महोत्सव में बच्चों और युवाओं ने लिया हिस्सा

संवाददाता, महाराजगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। मऊ गर्वी स्थित हनुमान गढ़ी मेला मैदान में शुक्रवार को सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें मऊ गर्वी और कोटवा मोहम्दाबाद न्याय पंचायत के बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महोत्सव में कबड्डी, दौड़, रस्साकशी, लंबी कूद, ऊंची कूद जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए खण्ड विकास अधिकारी वर्षा सिंह ने बताया ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सांसद खेल महोत्सव ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का बेहतर प्लेटफार्म है। यहां विजेता खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र सिंह व बीडीओ वर्षा सिंह।

इस अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह, खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह, ग्राम प्रधान भेलई मौर्य, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी कुलदीप सिंह, खेल अनुदेशक इंद्र कुमार और सचिन सोनकर सहित कई शिक्षक व विकास विभाग के कर्मचारी आदि लोग मौजूद रहे।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने बहाया पसीना

फीता काटकर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथि।

सरेनी (रायबरेली) अमृत विचार। शुक्रवार को स्थानीय शहीद जूनियर हाई स्कूल में स्व. सुरेश बहादुर सिंह स्मारक वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समाजसेवी योगेंद्र बहादुर सिंह ने फीता काटकर शुभांरभ किया। इसके पूर्व शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र कुमार तिवारी व विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह रहे। उद्घाटन मैच डोकरई व जगतपुर टीमों के मध्य खेला गया, जिसमें जगतपुर विजेता बनी। इसी तरह दूसरा मैच लखनऊ व पूरे मदारी के बीच खेला गया। जिसमें लखनऊ की टीम ने विजय हासिल किया। भूपगंज व रौतापुर के मध्य खेले गए मैच में भूपगंज ने विजय हासिल की। क्वार्टर फाइनल मैच बीबीडी यूनिवर्सिटी लखनऊ व प्रयागराज स्टेडियम के मध्य खेला गया। इसमें प्रयागराज की टीम ने जीत दर्ज की। दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच भूप गंज व गोविंदपुर की टीमों के बीच खेला गया। इसमें गोविंदपुर ने 15-10 के अंतर से जीत दर्ज की। आभार महेश प्रताप सिंह, अतुल सिंह व आलोक सिंह ने संयुक्त रूप से व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अविनाश सिंह, अनूप पांडे, राम प्रताप सिंह, अमरपाल सिंह, मनोज सिंह, विनय सिंह, मंटू सिंह, राम बहादुर वर्मा, पीर मोहम्मद हनीफ जीत सिंह, शिवम सिंह, रामबली सिंह, विनायक प्रताप सिंह आदि थे।

ऑल इंडिया खेल प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी। अमृत विचार

मिलन वॉलीबॉल प्रतियोगिता प्रारंभ

ऊंचाहार। चिन्मया विद्यालय में आज ऑल इंडिया खेल मिलन वालीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। चिन्मय मिशन के 10 विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज की। डायरेक्टर ऑफसीसीएमटी एजुकेशन सेल शांति कृष्णमूर्ति ने दीप जलाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के सम्मुख सभी टीमों ने एक आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्य मनीष कुमार स्वामी ने मुख्य अतिथि की अगवानी की।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार,8 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

डलमऊ (रायबरेली) : डलमऊ महोत्सव में प्रतिदिन आयोजित हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम महोत्सव में लगी प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। यहां पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियां एवं प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखने दर्शक भावविभोर हो गए। डलमऊ महोत्सव में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में अंकित राज कृष्णा ग्रुप द्वारा श्री कृष्णा की संपूर्ण लीला का मंचन किया गया। जिसे देख दर्शक दांतों तले उंगली दबा ली। इस मौके पर नपा अध्यक्ष पंडित ब्रजेश दत्त गौड़, सोहराब अली, शुभम गौड़, सतीश जायसवाल, पिंटू तिवारी, घनश्याम जायसवाल, मनोज पांडेय, दिलीप बाजपेई, सुशील श्रेष्ठ रहे।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा संपन्न

अमेठी : जिले के भेटुआ ब्लॉक स्थित कंपोजिट विद्यालय नौगिरवा में शुक्रवार को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। यह परीक्षा गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धरोहर व समर्पण का भाव जागृत करना था।

शिशु सुरक्षा दिवस पर किया गया जागरूक

संग्रामपुर (अमेठी) : सीएचसी संग्रामपुर में शुक्रवार को इन्फेंट प्रोटेक्शन डे (शिशु सुरक्षा दिवस) मनाया गया। इस अवसर पर नवजात शिशुओं की देखभाल और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर माता-पिता को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएचसी प्रभारी डॉ. संतोष सिंह ने की। डॉ. सिंह ने बताया कि नवजात शिशुओं की सही देखभाल उनके जीवन की नींव होती है। समाज में प्रचलित कई गलत धारणाओं को दूर करते हुए उन्होंने कहा कि जन्म के तुरंत बाद शिशु को शहद चटाना बेहद खतरनाक है, क्योंकि इससे आंतों में संक्रमण हो सकता है। उन्होंने कहा- जन्म के बाद शिशु को केवल मां का पहला पीला गाढ़ा दूध ही पिलाना चाहिए। यही दूध सबसे पौष्टिक होता है और बच्चे को बीमारियों से सुरक्षा देता है।

श्रीराम कथा का हुआ आयोजन

अमेठी : नवीन कलेक्ट्रेट के समीप पूरे नेमधर पंडित का पुरवा में चल रही श्रीराम कथा का सप्तम विश्राम दिवस शुक्रवार को अत्यंत भावपूर्ण और मार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। कथा का आयोजन प्रेस क्लब अध्यक्ष शीतला प्रसाद मिश्र अधिवक्ता व त्रिवेणी शंकर मिश्र के यहां किया जा रहा है, जिसमें उज्जैन के महामृत्युंजय महाकाल लोक पीठाधीश्वर स्वामी प्रणव पुरी जी महाराज अपने दिव्य मुखारविंद से कथा का अमृतपान करा रहे हैं। कथा की शुरुआत "हे राजा राम तेरी आरती गाऊं, आरती गाऊं प्यारे आपको रिझाऊं" जैसे भक्ति भाव से ओत-प्रोत भजन से हुई, जिससे पूरा पंडाल रामभक्ति में सराबोर हो उठा।स्वामी प्रणव पुरी जी ने कथा में बताया कि प्रभु श्रीराम ने भरत को राज्य संभालने का आदेश दिया और स्वयं अगस्त मुनि से भेंट कर पंचवटी में निवास किया। यहीं खर-दूषण व त्रिशिरा का वध हुआ, जो धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक बना। उन्होंने हनुमान जी से प्रभु श्रीराम की प्रथम भेंट, सुग्रीव से मित्रता, बाली वध और सीता हरण के प्रसंगों का मार्मिक वर्णन किया। बताया कि संपाति ने सौ योजन दूर अशोक वाटिका में माता सीता को देखा, और यही जानकारी हनुमान को लंका पहुंचने की प्रेरणा बनी।

ट्रक व पिकअप की टक्कर में दो लोग घायल, रेफर

संवाददाता, तिलोई (अमेठी)

अमृत विचार। जायस कस्बा में देर रात एक एक ट्रक और पिकअप की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें पिकअप चालक फहीम और क्लेंजर रवि कौशल गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से गौरीगंज जिला अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार, मेले में दुकान लगाने का सामान लेकर पिकअप जा रहा था। जैसे ही जायस बस स्टॉप रायबरेली-सुल्तानपुर नेशनल हाईवे पर पहुंचा ही था कि वाहन हादसे का शिकार हो गया, हादसे के बाद हाईवे पर घंटों जाम लगा रहा। जायस पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों व ट्रक ड्राइवर को भी अपनी हिरासत में ले लिया है। इस संबंध में जयस थाना अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है और ट्रक ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

1.28 लाख किसानों की सम्मान निधि पर संकट के बादल

केशव बाजपेयी, अमेठी

- 3.18 लाख लाभार्थियों में से अब तक केवल 1.67 लाख किसानों की हुई फार्मर रजिस्ट्री

अमृत विचार। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े 1.28 लाख किसानों की अगली किस्त पर संकट के बादल मंडरा गए हैं। अगर इन किसानों ने फार्म रजिस्ट्री नहीं कराई तो उनकी अगली किस्त बाधित हो सकती है। विभाग इसको लेकर किसानों को जागरूक करने में जुटा है।

कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जिले में 3,18,742 किसानों को किसान सम्मन निधि योजना का लाभ मिलता है। जिनमें से अब तक केवल 1,67,050 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण हो सकी है। शेष 1,28,974 किसान अभी भी पंजीकरण से वंचित हैं। 22,718 किसानों को चकबंदी व अन्य कारणों से रजिस्ट्री प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। ऐसे में जिले में कुल 2,96,024 किसान रजिस्ट्री के पात्र हैं, परंतु इनमें से आधे से कुछ अधिक ने ही अब तक फार्मर रजिस्ट्री कराई है। सबसे बेहतर स्थिति शाहगढ़ ब्लॉक की है, जहां 11,151 पात्र

किसानों में से 8,302 किसानों की रजिस्ट्री पूरी हुई है, जो 74.45% है। इसके बाद भादर ब्लॉक में 69.61%, और बहादुरपुर ब्लॉक में 66.15% किसानों ने पंजीकरण कराया है।

वहीं, सबसे खराब स्थिति बाजार शुकुल ब्लॉक की है, जहां 26,768 पात्र किसानों में से केवल 9,335 किसानों ने ही फार्मर रजिस्ट्री कराई है, जो 48.21% है। गौरीगंज (51.23%), अमेठी (53.27%), और संग्रामपुर (53.91%) ब्लॉकों की प्रगति भी औसत से नीचे है।

कृषि विभाग के अनुसार मुसाफिरखाना, भेटुआ, और जगदीशपुर ब्लॉकों में कार्य की गति संतोषजनक नहीं है। अभी भी 1.28 लाख किसान ऐसे हैं, जिनकी रजिस्ट्री लंबित है और यदि उन्होंने जल्द प्रक्रिया पूरी नहीं की, तो उनकी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की आगामी किस्त रोकी जा सकती है।

क्या बोले जिम्मेदार

उपनिदेशक कृषि सतेंद्र तिवारी ने बताया कि सभी ब्लॉकों में शेष किसानों की सूची भेज दी गई है और ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर रजिस्ट्री कराई जा रही है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अपने आधार कार्ड, बैंक पासबुक और भूमि अभिलेख लेकर जन सुविधा केंद्र कृषि विभाग कार्यालय में जाकर शीघ्र रजिस्ट्री कराएं। ताकि किसी पात्र किसान को योजना से वंचित न होना पड़े। प्रशासन का लक्ष्य है कि नवंबर माह के अंत तक 100 प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री पूरी कर ली जाए और सभी किसानों को समय पर सम्मान निधि की अगली किस्त मिल सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यापारी की मौत

जांच जारी: लहूलुहान हालत में मिला था युवक, परिजनों ने पीट-पीट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई

संवाददाता, सिंहपुर (अमेठी)

अमृत विचार। मछली व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह परिजनों को शुक्रवार सुबह लहूलुहान हालत में मिला आपको बताते चले कि बीती रात घर से निकला एक युवक घर से दूर एक कब्रिस्तान के पास गंभीर स्थिति में पड़ा मिला। परिजन उसे गंभीर हालत में अस्पताल के लिए रवाना हुए लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक युवक की पीट-पीट कर हत्या की गई है। फिलहाल मामले की जानकारी होने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है। साथही पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा।

दरअसल यह पूरा मामला इन्हौना थाना क्षेत्र के कस्बे का है। जहां मोहल्ला पूरे मियां मौलाना पीर दरगाह के पास का रहने वाला मछली व्यवसाई राजू (45) पुत्र सफीर रोजाना की तरह अपनी दुकान बंद कर करीब 8 बजे घर पहुंचा और सामान घर में रखने के बाद राजू अपनी मोटरसाइकिल लेकर निकल गया। कई घंटे बीत जाने के बाद भी जब राजू वापस घर नहीं पहुंचा तो परिजन उसकी तलाश में जुट गए। सुबह करीब साढ़े तीन बजे राजू कस्बे के ही कब्रिस्तान रहमान शाह की दीवार के किनारे गंभीर हालत में पड़ा मिला। राजू को देखते ही परिजन उसे निजी अस्पताल की तरफ लेकर जाने लगे लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक जब उसे वो लोग लेकर अस्पताल की तरफ जाने लगे तो राजू ने बताया कि उसे कुछ लोगों ने बेरहमी से पीटा है लेकिन वह किसी का नाम नहीं बता सका और उसके पहले ही उसकी मौत हो गई। इसके चलते परिजनों ने राजू की पीट-पीट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई है।

राजू की फाइल फोटो।

परिजनों ने की सूचना पर पहुंचे इन्हौना थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने कहा कि युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही मामले की जांच की जा रही है। वहीं परिजनों की ओर से अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत, हत्या का आरोप

आंचल की फाइल फोटो।

सिंहपुर (अमेठी), अमृत विचार। इन्हौना थानाक्षेत्र के अंतर्गत राजापुर गांव में शुक्रवार दोपहर एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुरालजनों पर आंचल की जलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार थाना व कस्बा बाजार शुकुल निवासी जगदीश प्रकाश गुप्ता ने बताया कि उनकी बेटी आंचल की शादी आठ वर्ष पहले राजापुर गांव निवासी सुशील गुप्ता उर्फ बड़े बऊवा से हुई थी। शादी में अपनी हैसियत के अनुसार सब कुछ दिया था लेकिन विवाह के बाद से ही ससुराल वाले उसे मारा-पीटा व प्रताड़ित करते रहते थे। जगदीश प्रकाश के अनुसार, शुक्रवार सुबह उनके दामाद सुशील ने फोन कर बताया कि उसका आंचल से झगड़ा हो गया है। करीब आधे घंटे बाद सुबह करीब 11 बजे सुशील ने फिर फोन किया और बताया कि आंचल ने आग लगाकर आत्महत्या कर ली है। जब आंचल के परिजन राजापुर गांव पहुंचे, तो उन्हें आंचल का झुलसा हुआ शव मिला। जगदीश प्रकाश गुप्ता और आंचल के भाई जीत कुमार ने दावा किया कि ससुराल वालों ने आंचल को जलाकर मार डाला है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि महिला पहले भी दो बार घर के पीछे तालाब और कुएं में गिर चुकी थी, जहां से लोगों ने उसे बाहर निकाला था। घटनास्थल पर पहुंची फील्ड यूनिट ने साक्ष्य एकत्र किए। आंचल अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। उसकी मौत से पिता जगदीश प्रकाश गुप्ता और मां किरन गुप्ता गहरे सदमे में हैं। मृतका की दो बेटियां शुभी और काव्या मां की मौत से बिलखती नजर आईं। वहीं थाना अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जायेगी।

लाखों की लागत से बन रहा आरसीसी सेंटर ढहा

संग्रामपुर (अमेठी) अमृत विचार। विकासखंड संग्रामपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़गांव में लाखों की लागत से बन रहा आरसीसी सेंटर निर्माण कार्य के दौरान ही ढह गया। दीवारें एक-दूसरे से अलग हो चुकी हैं और पाइप दीवारों से उखड़ गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में बेहद घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिससे अधूरा भवन ही जर्जर होकर टूट-फूट गया। ग्रामीणों ने बताया कि यह आरसीसी सेंटर शुरू से ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था। निर्माण की नींव से ही नियमों की अनदेखी की गई और गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ग्राम निवासी अद्या पाठक, शिवप्रकाश पांडेय, दीपक सिंह सहित कई लोगों ने निर्माण कार्य के दौरान ही घटिया सामग्री के उपयोग का विरोध किया था, लेकिन प्रधान और सचिव की मनमानी के चलते उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया गया। परिणामस्वरूप लाखों रुपये की लागत से बन रहा यह सरकारी भवन पूरा होने से पहले ही ढह गया। वहीं बीडीओ आकांक्षा सिंह ने बताया कि जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है, जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

पलटा चूनी लदा ट्रक, टला हादसा,

संग्रामपुर (अमेठी)। थाना संग्रामपुर क्षेत्र के अमेठी-प्रतापगढ़ हाईवे पर भदोही जा रहा चूनी से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में चालक और उसका सहायक बाल-बाल बच गए, जबकि ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया।

खाद संकट को लेकर भाकियू ने कृषि भवन का घेराव करने की दी चेतावनी

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। जिले में डीएपी खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू भानु) ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने शुक्रवार को उपजिलाधिकारी आशीष सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि अगले दो दिनों के भीतर किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध नहीं कराई गई, तो वे कृषि भवन का घेराव करेंगे।

भाकियू भानु के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ मिश्र ने बताया कि जिले के किसानों को डीएपी खाद नहीं मिल पा रही है, जबकि यह बुआई का सबसे महत्वपूर्ण समय है और समय तेजी से बीतता जा रहा है। बताया कि 27 अक्टूबर को भी एसडीएम अमेठी को ज्ञापन देकर बुआई से पहले डीएपी उपलब्ध कराने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक किसी भी समिति पर खाद नहीं पहुंची है। उन्होंने ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बाजार में डीएपी खाद 1600 से 1800 रुपए प्रति बोरी की दर से ब्लैक में बेची जा रही है, जिससे किसानों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

वहीं संगठन ने जिला प्रशासन से तत्काल उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने और ब्लैक मार्केटिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। किसानों की गंभीर समस्या को देखते हुए भाकियू कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को दो दिन का अल्टीमेटम दिया है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर सोमवार तक जिले की समितियों पर डीएपी खाद नहीं पहुंची, तो वे कृषि भवन का घेराव करेंगे और जब तक खाद उपलब्ध नहीं होगी, वे धरने पर बैठे रहेंगे। इस संबंध में उपजिलाधिकारी अमेठी आशीष सिंह ने बताया कि किसानों को खाद-बीज की कोई दिक्कत न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। कहा कि संबंधित समितियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं और डीएपी समितियों पर वितरण के लिए उपलब्ध है।

एसडीएम अमेठी को ज्ञापन सौंपते भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी।

रेल कोच कर्मियों ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली) अमृत विचार। चार नवंबर को रेल कोच में हुई मारपीट की घटना के संबंध में 361 कर्मचारियों ने एससी एसटी एसोसिएशन के जोनल सचिव देवनाथ निर्मल के खिलाफ महाप्रबंधक रेल कोच से शिकायत की है। एससी एसटी एसोसिएशन के जोनल सचिव पर एमसीएफ कर्मचारियों को आए दिन डराने धमकाने का आरोप लगाया गया है। चार नवंबर को रेल कोच कर्मचारी सुनील के कार्य स्थल पर जाकर उनके साथ मारपीट की गई। जबकि सुनील कुमार की पोस्टिंग प्रशासनिक भवन में है और देवनाथ निर्मल की पोस्टिंग विधुत विभाग के वर्कशॉप फर्निशिंग में है। पीड़ित कर्मचारियों ने देवनाथ निर्मल पर जान से मरवा देने का आरोप लगाया है। कर्मचारियों के धरना प्रदर्शन करने से रेल कोच के अधिकारियों ने उन्हें जांच कराकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

वंदे मातरम की वर्षगांठ पर हुए कार्यक्रम

महराजगंज (रायबरेली) अमृत विचार। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों, थानों और सरकारी कार्यालयों में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। देशभक्ति के इस माहौल में, सभी संस्थानों में राष्ट्रीय गीत के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव व महराजगंज थाना प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का एक हिस्सा था।

व्यास ने सुनाई भागवत कथा

जगतपुर, रायबरेली। जगतपुर क्षेत्र के शैलपुरम मजरे टांघन में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा वाचन पंडित गोपाल शरण महाराज ने भागवत कथा सुनाई। कथावाचक पंडित गोपाल शरण ने भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान को प्रणाम करते हुए उनके स्वरूप और लीलाओं का वर्णन किया गया है। उन्होंने कहा कि "भागवत को समझना, भगवान को समझने के समान है। जन्म-जन्मांतर के पुण्यों से ही ऐसे पुण्य अनुष्ठान संभव होते हैं।" उन्होंने श्रीमद्भागवत कथा को अमर कथा बताते हुए कहा कि इसके श्रवण मात्र से पापी भी पापमुक्त हो जाते हैं। इस अवसर पर विनय त्रिपाठी, सूरज त्रिपाठी, आशीष त्रिपाठी, राजन द्विवेदी, सूरज पांडे, आशु द्विवेदी, बंटी मिश्रा, मनोज अग्निहोत्री, बउआ मिश्रा, अंकित द्विवेदी, नीरज तिवारी, प्रदीप तिवारी, स्वतंत्र पांडे, अभिषेक द्विवेदी, देवेश पांडे, देवेंद्र सिंह, अनूप सिंह, प्रदीप त्रिवेदी, पिंकू तिवारी, एडवोकेट शैलेंद्र शुक्ला, मुन्ना सिंह, सुभाष सिंह आदि रहे।

रामलीला का सजीव मंचन देख दर्शक भाव विभोर

रामलीला का मंचन करते आदर्श रामलीला कमेटी के कलाकार। अमृत विचार

संवाददाता, खीरों (रायबरेली)

अमृत विचार। विकास क्षेत्र के गांव रनापुर पहरौली में आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में चल रही रामलीला में स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला का सजीव मंचन किया गया। जिसमें स्थानीय कलाकारों का लंका दहन कर हनुमान की रामादल वापसी, समुद्र पर सेतु निर्माण, रामेश्वरम स्थापना, अंगद रावण संवाद आदि लीलाओं का सजीव मंचन देखकर दर्शक भाव विभोर हो गए।

रामलीला में दिखाया गया कि हनुमान लंका दहन कर जैसे ही समुद्र तट पर पहुंचे वानर दल में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी जयश्रीराम के नारे लगाते हुए राम के पास पहुंचे। सारी वानर सेना लेकर राम समुद्र तट पर पहुंचे और समुद्र से रास्ता मांगने लगे। जब समुद्र ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो राम ने क्रोधित होकर लक्ष्मण से कहा कि "लक्ष्मण वान सरासन आनू। सोषउ वारिधि विसिखि कृषानू।। सठ सन विनय कुटिल सन प्रीती। सहज कृपन सन सुन्दर नीती"।। जैसे ही राम ने धनुष पर बाण चढ़ाया समुद्र ने प्रकट होकर कहा कि कहा नाथ नील नल कपि दोऊ भाई। लरिकाई ऋषि आसिष पाई।। तिन के परसि किए गिरि भारे।

सिटी डायरी

एनटीपीसी कंपनी के स्थापना दिवस पर मौजूद अधिकारी व अन्य।

उच्च शिखर पर एनटीपीसी कंपनी

रायबरेली : एनटीपीसी कंपनी आज सफलता के उच्च शिखर पर है, और इसे बनाए रखना एक चुनौती भी है, लेकिन एनटीपीसी का प्रत्येक कर्मचारी चुनौतियों को अवसर में बदलने की दक्षता एवं क्षमता रखता है। उक्त विचार एनटीपीसी ऊंचाहार के कार्यकारी निदेशक तथा परियोजना प्रमुख अभय कुमार श्रीवास्तव ने एनटीपीसी के स्वर्ण जयंती समारोह में व्यक्त किए। एनटीपीसी कंपनी के इक्यानवे स्थापना दिवस के अवसर पर परियोजना में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन में प्रियदर्शिनी लेडीज़ क्लब की अध्यक्षा अनुपमा श्रीवास्तव, महाप्रबंधक आशुतोष बिस्वास, दिलीप कुमार साहू, एस यू हरिदास, मानव संसाधन प्रमुख रूमा दे शर्मा लेडीज़ क्लब की वरिष्ठ पदाधिकारी झूमिता विश्वास, अन्य महिलाएं, सभी विभागाध्यक्ष, यूनियन एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महासचिव सहित डी सी, सी आईएसएफ, अजय त्रिपाठी परिसर के सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य व कर्मचारी आदि रहे।

जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक और उपस्थित किसान।

किसानों को दी गई जानकारी

खीरों (रायबरेली) : हथिगवां मजरे भीतरगांव में शुक्रवार को किसान क्रॉफ्ट के द्वारा किसानों के लिए सूखे सीधी बुआई धान (डीडीएसआर) प्रौद्योगिकी प्रदर्शन आयोजित किया गया। जिसमें उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों व विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों को कम लागत में सूखे सीधे बीज वाले धान उगाने व उससे होने वाले फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मौजूद डॉ. केके सिंह ने बताया कि धान की खेती और उत्पादन का भारत की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान है। पानी की कमी जैसी विभिन्न समस्याएं और मुद्दे धान की फसल के उत्पादन पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। इस दौरान स्टेट मैनेजर दीपक सिंह व किसान राम खेलावन यादव, राम कुमार मिश्रा, रूपेश शुक्ला, राज कुमार मिश्रा, शिव मोहन पाल आदि मौजूद रहे।

खाद के लिए लाइन में खड़े किसान।

खाद के लिए किसान परेशान

संग्रामपुर (अमेठी) : विकासखंड संग्रामपुर क्षेत्र की गोरखापुर सहकारी समिति केंद्र पर शुक्रवार को डीएपी खाद वितरण निर्धारित था। सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान केंद्र पर पहुँचकर कतार में खड़े हो गए थे। खाद पाने की होड़ में कई किसान आपस में आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे, ताकि समय रहते उर्वरक मिल जाए। लेकिन सुबह 10 बजे किसानों को यह सूचना मिली कि आज यानी शुक्रवार को खाद का वितरण नहीं होगा। यह सुनते ही किसानों में निराशा और आक्रोश फैल गया। केंद्र प्रभारी निर्भय सिंह ने बताया कि मीटिंग होने के चलते शुक्रवार को खाद वितरण नहीं हो सका।

शोरूम में फीता काटकर की लॉन्चिंग, केक काटकर मनाया जश्न। अमृत विचार

न्यू हुंडई वेन्यू का शुभारंभ

जगदीशपुर (अमेठी) : अमेठी के औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर स्थित भेल परिसर में स्थित हुंडई शोरूम पर शुक्रवार को हुंडई की नई कार 'द ऑल न्यू वेन्यू 2025' का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना कमरौली के एसओ मुकेश पटेल रहे, जिन्होंने नई वेन्यू कार का लोकार्पण किया। इसके बाद केक काटकर लॉन्चिंग सेलिब्रेशन भी मनाया गया। इस दौरान शोरूम प्रबंधन ने मॉडल के बारे में बताया। शोरूम के मैनेजर ने बताया कि नई हुंडई यहां कमल रावत, अभय सिंह, अक्षय त्रिपाठी, बसंत तिवारी, शिवम पाण्डेय, वीरेन्द्र मौर्य, मुस्कान रहीं।

आयोजन

बड़ा गांव में लगे मेले में लोगों ने जमकर खरीदारी की

गंगा स्नान के तीसरे दिन हटिया मेले का लोगों ने उठाया आनंद

संवाददाता, रायबरेली

गांव में लगे हटिया मेला में खरीदारी करते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के तीसरे दिन भुवापुर कला उर्फ बड़ा गांव में लगे हटिया मेले का लोगों ने आनंद उठाया। यह मेला शिवपालेश्वर धाम मंदिर के पास लगता है। वहीं मेले में पहुंचाने वाले लोगों ने जमकर खरीदारी की।

गांव के निवासी सेवा निर्वित्त अध्यापक राधेश्याम प्रजापति ने बताया कि अंग्रेजी शासन काल में इस गांव में चंदापुर राजा का राज्य था। इसी कारण यहां पर इस मंदिर का निर्माण चंदापुर राज्य की रानी श्रीमती शिवपाल कुंवरि जी ने 135 वर्ष पहले सन 1890 ई. में करवाया था। मंदिर का नाम उन्हीं रानी नाम पर शिवपालेश्वर मंदिर रखा गया। मंदिर के पीछे की तरफ बहुत बड़ा सगरा भी खोदा गया था जिसे पक्का बनना था लेकिन रानी जी के स्वर्ग वाशी हो जाने के कारण पक्का नहीं बन सका। लोग अब सरकार की ओर आशा लगाकर बैठे हैं। गांव के ही निवासी अंकुर गुप्ता अधिवक्ता बताते हैं कि दो वर्ष पहले उत्तर प्रदेश शासन ने इसके चारों ओर बड़ी चहार दीवारी बनवाई थी। मंदिर का रखरखाव मरम्मत रंगाई-पुताई गांव वाले आपसी सहयोग से समय-समय पर करते रहते हैं। बहुत पहले इस मंदिर के दरवाजे से होकर दूर दूर से पैदल यात्री गंगा नहाने वालो का जत्था आया जाया करता था। मंदिर के पास एक बड़ी कुआं है पहले उसके पास बहुत बड़े-बड़े छायादार पेड़ थे। यात्री वही पर ठहरते विश्राम करते और रात भी रुकते थे। इसीलिए गंगा स्नान से वापसी के तीसरे दिन बहुत बड़ा मेला लगता था। यात्री तो अब नही आते, लेकिन मेला पुराने समय से लेकर आज तक जोर शोर से लगता चला आ रहा है। कई गांव से लोग मेला देखने आते है जिससे काफी भीड़ होती है।

हालाकि आज शहरों की चकाचौंध ने मेलो का रंग फीका कर दिया है। फिर भी आज जब मेला की आवाज सुनाई देती है वह चाट के ठेले, जलेबी झूले दिखते हैं तो फिर बचपन याद आ जाता है। सच्चे मायने में कहा जाए तो आज भी भारत की आत्मा गांव में बसती है। मेला आयोजक के रूप में चंद्रमोहन त्रिपाठी, जयशंकर श्रीवास्तव, अंकुर गुप्ता, श्रवण शुक्ला, कृष्णमोहन त्रिपाठी, आनंद प्रजापति, सज्जन, डॉ. अनिल, राकेश गौड़, दिलीप, उमाकांत, नरेंद्र दुबे, सारधा श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव रहे।

कार्तिक पूर्णिमा मेले का हुआ समापन

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। क्षेत्र के गोकना गंगा तट पर तीन दिवसीय मेले का मां गंगा की अविरल धारा को नमन करते हुए औपचारिक रूप से समापन किया गया। मां गंगा गोकर्ण जनकल्याण सेवा समिति द्वारा आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चंद्र कौशल थे। उन्होंने कहा कि यहां गंगा तटों पर लगने वाले मेले सांस्कृतिक एकता को दर्शाते हैं। भाजपा नेता ने मां गंगा का विधिवत पूजन किया और आरती करके मेले के औपचारिक समापन की घोषणा की। इस दौरान गंगा तट के वरिष्ठ पुरोहित जितेंद्र द्विवेदी ने पूजा संपन्न कराई। इस अवसर पर राजेंद्र सिंह, मनमाना गुरु, रामू चौरसिया, संतोष गुप्ता, अर्पित द्विवेदी, अमित निषाद, राहुल सोनी, संजय पाठक, गजानन द्विवेदी, गुड्डन यादव, संजय पासी, आशीष सिंह आदि लोग मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

एसडीएम ने धान क्रय केन्द्रों का किया निरीक्षण

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। एसडीएम अंकित तिवारी ने शुक्रवार को शाहाबाद की नवीन गल्ला मंडी स्थित धान क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्रय केंद्रों पर धान की तौल, गुणवत्ता की जांच कर भुगतान व्यवस्था का जायजा लिया। एसडीएम ने केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और तीव्र गति से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन क्रय प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और किसानों के भुगतान में देरी न हो। इस दौरान मंडी सचिव अमित कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ई-रिक्शा पलटने से युवक घायल

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के नया गांव के पास गुरुवार की रात एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा आनियंत्रित होकर पलट गया जिससे रिक्शे में बैठा युवक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालात गंभीर होने की वजह से मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया है। शाहाबाद कोतवाली के ग्राम रामपुर हृदय निवासी ललित कुमार कूड़ी में अपनी दीदी के यहां होकर ई-रिक्शा से वापस लौट रहा था। रात आठ बजे से नया गांव के पास पहुंचा तेज रफ्तार ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे वह घायल हो गया।

गुलामी में जकड़े सुप्त भारत में जगा दी थी आजादी की चिंगारी

वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य समारोह का आयोजन, नई पीढ़ी को बताया महत्व

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। स्थानीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें गणमान्य अतिथियों जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती एवं विधायक सवायजपुर माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने प्रतिभाग किया।

जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासन द्वारा राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम से मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए उद्बोधन का सीधा प्रसारण बड़ी संख्या में उपस्थित जन समुदाय स्कूली एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं को दिखाया गया। आजादी की लड़ाई में सुप्त पड़े भारतवर्ष को जागृत करने वाला यह वंदे मातरम गीत स्वयं में कितना अद्भुत है इस जानकारी से बच्चे रूबरू हुए। कहा कि इस गीत ने गुलामी में जकड़े पूरे भारत में आजादी के लिए चिंगारी जला दी थी।

साथ ही सभी के द्वारा वंदेमातरम का सामूहिक गान किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा ने वंदे मातरम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बंकिम चंद्र चटर्जी की इस रचना को कालजयी और भारत को अपनी मां के रूप में स्थापित करने वाली एक रचना के रूप में उद्धृत किया। तत्पश्चात महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर विद्यालय की प्रोफेसर नमिता त्रिपाठी द्वारा वंदे मातरम गीत के उद्भव से लेकर इसके राष्ट्रगीत बनने तक की यात्रा का सविस्तार वर्णन किया गया। विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने राष्ट्रीय गीत को संपूर्ण भारत को एकता के सूत्र में पिरोने वाला बताया। उन्होंने कहा इस गीत ने पीड़ित भारत को एक औषधि के रूप में शांति प्रदान की। भारत मां और मातृशक्ति के तुलना के रूप में उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति सर्वाधिक स्नेह अपनी मां से ही करता है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने भी राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर उपस्थित जन समुदाय को बधाइयां देते हुए नई पीढ़ी से आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति में देश प्रेम की भावना अंतरनिहित होती है, लेकिन हर एक व्यक्ति को अपने देश के लिए कुछ न कुछ अवश्य करना चाहिए ताकि देश आगे बढ़ सके। कार्यक्रम का संचालन मनीष मिश्रा ने किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी न्यायिक सदर भूमिका यादव, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त श्रम रोज़गार, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंजू शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

रैली को हरी झंडी दिखातीं जिला पंचायत अध्यक्ष व विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू। ● अमृत विचार

वंदे मातरम् गीत की देशवासियों को एक सूत्र में बांधने में अहम भूमिका : डीएम

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानन्द सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुनय झा ने अपर जिलाधिकारी वि.रा. प्रियंका सिंह एवं अन्य कलेक्ट्रेट अधिकारियों के साथ वंदे मातरम् गीत का सामूहिक गायन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि श्री चट्टोपाध्याय जी के इस वंदे मातरम् गीत सम्पूर्ण देशवाशिओं को एक सूत्र में बांधने में अहम भूमिका है, जिससे हम सभी में देश भक्ति के साथ वंदे मातरम् गीत में देश भक्ति की झलक दिखती है। इस अवसर पर प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित कलेक्टेट के अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

वंदे मातरम् गीत पर रंगोली बनाए स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

वंदेमातरम् पर हुईं प्रतियोगिताएं

हरदोई। विकास खंड सुरसा के उच्च प्राथमिक विद्यालय बरहा में राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सामूहिक राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाया गया तथा चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही बच्चों के द्वारा वन्देमातरम रंगोली भी बनवाई गई। इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका मंजू वर्मा ने वंदेमातरम की उत्पत्ति पर इससे जुड़े रोचक बिंदुओं से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया।

वंदेमातरम् गीत गाते डीएम अनुनय झा व एडीएम प्रियंका सिंह। ● अमृत विचार

महिला जेल में किया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हरदोई, अमृत विचार। इनर व्हील क्लब ऑफ डी.ओ.डी. की अध्यक्ष पारुल तिवारी के नेतृत्व में महिला जिला कारागार में सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चित्रा मिश्रा उपस्थित रहीं। उन्होंने महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण, उसके बचाव के उपाय तथा उपचार की जानकारी दी। डॉ. मिश्रा ने कार्यक्रम के दौरान महिला बंदियों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु वैक्सीन लगवाने के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने वैक्सीन के लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए महिलाओं को जागरूक किया। क्लब की ओर से सभी महिला बंदियों को हाइजीन किट वितरित की गई, जिसमें सेनेटरी नैपकिन, तौलिया, मंजन, ब्रश और साबुन शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में सी.जी.आर. अनुराधा मिश्रा ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जिला कारागार अधीक्षक सुप्रीम टंडन, अमन सिंह सहित उनकी टीम तथा क्लब की सदस्य रेनू शुक्ला, गीता त्रिवेदी, विभा सिंह, संगीता श्रीवास्तव और राखी द्विवेदी भी उपस्थित रहीं।

निलंबित कांस्टेबल को जेल, बेटे की ट्रेन से कट कर मौत

मां ने पुलिस पर एनकाउंटर करने का लगाया आरोप, युवक पर पेट्रोल पंप पर पत्थरबाजी का था आरोप

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। पुलिस ने निलंबित चल रहे कांस्टेबिल के बेटे को पेट्रोल पम्प पर पत्थरबाज़ी के आरोप में पकड़ा, लेकिन वह पुलिस की हिरासत से भाग गया। दबाव बनाने के लिए निलंबित कांस्टेबल को पकड़ने के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया, अगले ही दिन आरोपी बेटे ने ट्रेन के आगे छलांग लगा कर आत्महत्या कर ली। जबकि निलंबित कांस्टेबिल की पत्नी का आरोप है कि पुलिस ने उसके बेटे को इनकाउंटर में मारा और आत्महत्या साबित करने पर तुली है।

शुक्रवार की सुबह कोतवाली शहर के शुगर मिल कालोनी निवासी 17 वर्षीय लक्ष्य मिश्रा पुत्र पवन मिश्रा का शव बघौली रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर पड़ा मिला। इस बारे में बताया गया है कि 4 नवंबर को शहर के रिलायंस पेट्रोल पम्प पर पत्थरबाजी हुई थी। जिसमें पुलिस लक्ष्य मिश्रा को पकड़ ले गई थी। लक्ष्य की मां दीपमाला मिश्रा ने बताया कि उसका बेटा पुलिस हिरासत से भाग गया था। जिसके बाद दबाव बनाने के लिए पुलिस उसके पति पवन मिश्रा को पकड़ ले गई और गुरुवार को उन्हे जेल भेज दिया। दीपमाला का आरोप है कि पुलिस ने उसके बेटे को पकड़ कर उसका इनकाउंटर किया, लेकिन पुलिस का कहना है कि लक्ष्य ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की। दरअसल देवरिया जिला निवासी पवन मिश्रा पुलिस में कांस्टेबल है और एसओजी में तैनात था। उसने दीपमाला से दूसरी शादी की थी। पहली पत्नी से विवाद मामले में साल 2003 में उसे निलंबित कर दिया गया था। पवन के दीपमाला से तीन बेटों में लक्ष्य मिश्रा छोटा था।

एसएचओ कोतवाली शहर के सामने आरोप लगाती लक्ष्य की मां दीपमाला।

घटना के बारे में जांच-पड़ताल करते सीओ सिटी। ● अमृत विचार

लक्ष्य मिश्रा की फाइल फोटो।

● पुलिस की हिरासत से भागे बेटे पर दबाव बनाने के लिए पुलिस ने पिता को भेजा था जेल

पोस्टमार्टम हाउस बना रहा छावनी

लक्ष्य मिश्रा का शव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचते ही वहां भीड़ बढ़ने लगी। इसका पता होते ही पहले कोतवाली शहर और कोतवाली देहात की पुलिस तैनात की गई। उसके बाद सुरसा और महिला थाने की फोर्स बुलाई गई। किसी तरह के हंगामे या बवाल से निपटने के लिए पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस की कड़ी घेराबंदी कर दी। सीओ सिटी अंकित मिश्रा के अलावा सीओ अजीत सिंह चौहान व आलोक राज नारायण मौजूद रहे।

मां बोली, लाओ...लौटा दो मेरा बेटा

लक्ष्य मिश्रा का शव पोस्टमार्टम हाउस पहुंच चुका था, वहां काफी भीड़ थी, वहीं पर सीओ सिटी और एसएचओ कोतवाली शहर संजय त्यागी भी खड़े थे। दीपमाला उनके सामने पहुंची और सवाल किया कि पुलिस कस्टडी से लक्ष्य कैसे निकल भागा? आरोप लगाया कि पुलिस ने पैसे लेकर उसके परिवार को निशाना बनाया है, दीपमाला ने सीओ सिटी से कहा कि लाओ...मेरे बेटे को लौटा दो...इस सभी चुप रह गए।

कड़ी निगरानी में घर पहुंचाया गया शव

पुलिस का पता चल गया था कि पोस्टमार्टम के बाद शव ले जाकर कुछ बवाल हो सकता है। इसलिए पुलिस शव को कड़ी निगरानी में ले लिया, पुलिस की हूटर बजाती हुई एक गाड़ी आगे चल रही थी, उसके पीछे शव वाहन, फिर उसके पीछे पुलिस की गाड़िया लगाई गईं थीं। उधर शव पहुंचने का इंतजार कर रहे लोग लखनऊ चुंगी पर खड़े रहे। लेकिन पुलिस की गाड़ियों के काफिले में शामिल शव वाहन दूसरे रास्ते से शुगर मिल कॉलोनी पहुंचा दिया गया।

पुलिस ने खोला चिट्ठा

लक्ष्य मिश्रा की मौत के आरोप से घिरी पुलिस ने निलंबित कांस्टेबल और उसके तीनों बेटों का सारा चिट्ठा सामने रखा है। पुलिस के मुताबिक पवन मिश्रा पर 4, लक्ष्य मिश्रा के ऊपर 7, लक्ष्य के बड़े भाई गौतम उर्फ आशीष मिश्रा पर 5 और देव मिश्रा पर पहले से ही 3 केस दर्ज हैं।

बयान दर्ज कराने के लिए थाने जा रहे युवक की रास्ते में मौत

संवाददाता, हरदोई,

अमृत विचार। मोबाइल के चार्जर को ले कर हुए झगड़े में चुटहिल हुआ युवक लुधियाना चला गया, वहां तबियत बिगड़ने पर वह घर लौट आया और पुलिस को तहरीर दी, गुरुवार को वह अपने बयान दर्ज कराने थाने जा रहा था, उसी बीच उसकी रास्तें में बोलेरो के अंदर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए पूरे मामले की जांच शुरु कर दी है।

कछौना कोतवाली के छनुइया गांव निवासी 25 वर्षीय राकेश पत्र रामचंदर ने गांव के मुंशीलाल के पुत्र दीपू से मोबाइल खरीदा था, उसी के चार्जर को लेकर 17 सितंबर को दोनों के बीच झगड़ा हो गया, जिसमें राकेश चुटहिल है गया था। बवाल बढ़ता देख वह लुधियाना चला गया, जहां तबियत बिगड़ने पर वापस गांव लौट आया। पिता रामचंदर ने बताया कि राकेश का इलाज कराया गया और 2 नवंबर को पुलिस को तहरीर दी। उसे बयान दर्ज कराने के लिए गुरुवार को थाने बुलाया गया था। राकेश अपने परिजनों के साथ बोलेरो से थाने पर जा रहा था, रास्ते में उसरहा गांव पहुंचते ही उसकी गाड़ी के अंदर मौत हो गई। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

जिला पंचायत सदस्य की सदस्यता समाप्त

हरदोई, अमृत विचार। मारपीट कर घर में घुसकर धमकी देने के मामले में सजायाफ्ता जिला पंचायत सदस्य विशाल सेठ की सदस्यता राज्यपाल ने समाप्त कर दी। उनकी सदस्यता समाप्त होने के बाद अब बावन चतुर्थ क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य के लिए चुनाव कराया जाएगा। बतातें चले कि बावन चतुर्थ क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य विशाल सेठ पर घर में घुसकर मारपीट करने तथा धमकी देने के मामले में 29 अगस्त को न्यायालय ने पांच वर्ष कारावास, 25 हजार रुपये की सजा सुनाई थी। जिसके बाद राज्यपाल ने उन्हें पद से हटाए जाने की स्वीकृत प्रदान की।

पराली जलने से न रोक पाने पर 17 कर्मचारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि

हरदोई, अमृत विचार। जनपद में पराली जलाने की हो रही घटनाओं के दृष्टिगत शिथिलता बरतने वाले कृषि विभाग के 17 कर्मचारियों को अब तक प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए कड़ी कार्यवाही की गई। उप निदेशक कृषि ने बताया है कि सर्वोच्च न्यायालय तथा राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा फसल अवशेष को खेतों में जलाना दंडनीय अपराध घोषित है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदत निर्देशानुसार फसलों के अवशेष जलाये जाने से उत्पन्न हो रहे प्रदूषण की रोकथाम के क्रम में जनपद स्तर तहसील स्तर एवं विकासखण्ड स्तर पर सेल का गठन करते हुए प्रत्येक दिन अनुश्रवण किया जा रहा है। खरीफ सत्र की फसले जैसे धान मक्का, गन्ना आदि फसली के अवशेष पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है. जिसमें पराली जलाने वाले किसानौ पर जुर्माना लगाना, एफआईआर दर्ज करना और उन्हें सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित करना शामिल है।

शहर में निकाली गई रथ पद यात्रा

हरदोई, अमृत विचार। शहर के खाटू श्याम मंदिर से रथ पदयात्रा निकाली गई। यह यात्रा खाटू श्याम मंदिर सीकर राजस्थान के लिए जाएगी। यह यात्रा शहर के मुख्य चौराहों से होकर निकाली गई। इस यात्रा के दौरान सहयोगी नारायण सिंह, सौरभ सिंह, ललित गुप्ता, लाखन मौर्या, सुधांशु अर्कवंशी अंकित गुप्ता व हर्ष यादव आदि मौजूद रहे।

एसआईआर व यूनिटी मार्च विधानसभा कार्यशाला हुई

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को एसआईआर यूनिटी मार्च विधानसभा कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने भाग लिया। इस अवसर पर मतदाता गहन पुनरीक्षण एवं यूनिटी मार्च विधानसभा कार्यशाला में उच्च शिक्षा मंत्री ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में गंभीरता से कार्य करने की अपील की। सभी कार्यकर्ता अपने गांव मोहल्ले एवं परिवार के वोटो को बढ़ाने का कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। कार्यशाला में मौजूद सभी ने राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वन्दे मातरम् गाया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक महामंत्री सतेन्द्र राजपूत, ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष अनिल पाण्डेय पिन्टू, अनुज राजपूत, मनोज राजपूत, राघवेंद्र सिंह, श्रवण वर्मा, मण्डल प्रवासी देवराज सिंह व देवेन्द्र राजपूत, श्री हाकिम सिंह एवं बूथ अध्यक्ष गण एवं बूथ महामंत्री उपस्थित रहे।

कार्यशाला में बोलतीं उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी।

श्रीमद्भागवत कथा | कथा व्यास डा. सत्येंद्र स्वरूप शास्त्री ने बताई सच्चे भक्त की पहचान

अनुकूलता में परमात्मा के पास जाना ही सच्ची भक्ति

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस शुक्रवार की प्रातःकालीन वेला से मध्य कालीन वेला तक सभी देवी-देवताओं का आह्वान, पूजन अर्चन वन्दन आदि मुख्य यजमान डॉ अरुण कुमार मिश्र व डॉ शिक्षा मिश्रा और राजीव कुमार मिश्र व प्रिया मिश्रा, मुकेश बाजपेयी व रेनू बाजपेयी, रंजना मिश्रा व रेखा बाजपेयी और डॉ अजय मिश्रा व स्नेहलता मिश्रा ने वैदिक मंत्रों से विद्वान आचार्य लोगों के द्वारा कराया गया। सायंकालीन कथा में जबलपुर म.प्र. संस्कारधानी के सिध्द संत परम् श्रधेय डॉ सत्येंद्र स्वरूप शास्त्री महाराज व व्यास गद्दी, मां सती शिरोमणि का पूजन, अर्चन वंदन मुख्य यजमान द्वारा किया गया। इस प्रसंग में महाराज श्री के मुखार विंदु से विदुर चरित्र कर्दम देवहूति संवाद सुनते हुए कहा कि कर्दम जी के पास सब कुछ था, देवहूति जैसी पतिव्रता पत्नी, कपिल भगवान जैसे पुत्र, कामुक नाम का विमान लेकिन फिर भी उन्होंने वैराग्य को धारण कर लिया। इसका मतलब जीवन में जब अनुकूलता हो तब यदि वैराग्य होता है, वही सच्चा वैराग्य है। अनुकूल समय में परमात्मा के पास जाना ही सच्चे भक्त की पहचान है। कथा व्यास ने वाराह अवतार, कपिल अवतार, सती चरित्र एवं ध्रुव चरित्र की कथा सुनाई।

भागवत सुनाते कथा व्यास डा. सत्येंद्र स्वरूप शास्त्री व मौजूद श्रद्धालु।

सीओ के कार्यालय में दुष्कर्म पीड़िता के पति ने किया हंगामा

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। क्षेत्राधिकारी कार्यालय पर गुरुवार को दोपहर बयान दर्ज कराने के लिए बुलाए गए दुष्कर्म पीड़िता के पति ने कार्यालय के अंदर हंगामा काटा और क्षेत्राधिकारी के समक्ष आत्महत्या की धमकी दी। क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण ने एक नोटिस भेज कर पाली थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली दुष्कर्म पीड़िता उसके पति तथा उसके साथियों को बुलाया था। गुरुवार को बयान दर्ज होने थे। बयान दर्ज करने के लिए क्षेत्राधिकारी ने जब दोनों को कार्यालय के अंदर बुलाया तो उसने हंगामा काटना शुरु कर दिया और कहा पुलिस उसके ऊपर दबाव बना रही है और वह आत्महत्या कर लेगा। दुष्कर्म पीड़िता के पति ने क्षेत्राधिकारी कार्यालय के बाहर हंगामा काटना शुरु कर दिया। क्षेत्राधिकारी के अनुसार बयान दर्ज करने वाले के साथ कुछ मीडिया कर्मी भी प्लानिंग के अंतर्गत अंदर आ गए। प्रभारी निरीक्षक आनंद नारायण त्रिपाठी तत्काल क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचे। आरोपी पति को डाक्टरी परीक्षण के लिए सीएचसी भेजा गया।

जनसुनवाई करतीं राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह।

राज्य महिला आयोग ने की महिलाओं की सुनवाई

हरदोई, अमृत विचार। सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की एकता सिंह ने निरीक्षण भवन में महिलाओं की शिकायत व समस्या सुनीं। जनसुनवाई के समय 12 प्रकरण सदस्य के समक्ष प्रस्तुत हुए, जिसमें सदस्य ने संबंधित को निर्देशित किया कि उक्त प्रकरणों को यथाशीघ्र निस्तारित कर आख्या राज्य महिला आयोग को प्रेषित करें। जनसुनवाई के समय प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार सदर, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, प्रतिनिधि मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अध्यक्ष जिला महिला मोर्चा भाजपा, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना, जिला प्रोबेशन अधिकारी व आदि अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके उपरांत सदस्य ने विकासखंड टंड़ियावां में महिलाओं को विभागीय योजनाओं और उनके अधिकारों व शक्तियों के बारे में जागरूक किया।

न्यूज ब्रीफ

धड़ल्ले से काटे जा रहे आम के हरे पेड़

परियर,उन्नाव, अमृत विचार। परियर चौकी क्षेत्र के मरौंदा सुचित गांव में गुरुवार रात प्रतिबंधित हरे आम के पेड़ काटे गए। शुक्रवार सुबह जब लकड़ी लादने वाहन पहुंचे तब ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई। इसी बीच किसी ने कटे हुए आम के पेड़ों की वीडियो बना कर सोशल मीडिया में वायरल कर दी। परियर चौकी प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया कि आम का पेड़ सूखा हुआ था। जिसकी जानकारी गुरुवार को ही वन विभाग को दे दी गई थी। वन विभाग के प्यारेलाल तिवारी ने बताया कि कुछ दिन पहले खेत मालिक ने डालें छटाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। पेड़ को दो मीटर ऊपर से काटा गया है।

संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता की हुई मौत

उन्नाव। बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के सातन गांव निवासी अभिषेक लोधी की 21 वर्षीय पत्नी सपना एक सप्ताह से अपने मायके बिहार थानाक्षेत्र के गांव खेसुवा में थी। बीते गुरुवार वह अपनी ससुराल सातन आई थी। देरशाम उसे अचानक उल्टियां शुरू हो गईं। परिजन उसे स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम में उसकी जहर से मौत होने की पुष्टि होने पर बिसरा सुरक्षित किया गया है। कोतवाल राजपाल ने बताया कि मृतका के मायके वालों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है।

युवक को सांप ने डसा मेडिकल कालेज में मौत

हरदोई, अमृत विचार। जानवरों के लिए चारा काट रहे युवक को सांप ने डस लिया। मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। साण्डी थाने के आदमपुर निवासी ब्रजेश (24) पुत्र रामलखन गुरुवार को जानवरों के लिए चारा काटने खेत पर गया था। जहां उसे सांप ने डस लिया। घर पहुंचे युवक को परिजन पहले सीएचसी साण्डी ले गए, जहां से मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। कोतवाली शहर पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए शुक्रवार को उसका पोस्टमार्टम कराया है। परिवार में पत्नी नीतू व बेटी नंदिनी है।

नशे की हालत में घर पहुंचे युवक की मौत

हरदोई, कछौना, अमृत विचार। नशे की हालत में घर पहुंचे युवक की तबियत बिगड़ गई। सीएचसी से मेडिकल कालेज ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। बघौली थाने के खांड़ा खेड़ा मजरा उत्तरधैंया निवासी राजेंद्र (32) पुत्र रमेश चन्द्र मजदूरी कर पत्नी नीलम, दो बेटियों निशा, मनीषा और एक बेटे कुलदीप का पालन पोषण करता था। कोतवाली शहर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

युवती की संदिग्ध हालात में मौत, पति पर लगा आरोप

संवाददाता, हरदोई,

अमृत विचार। युवती की उसकी ससुराल में संदिग्ध हालत में मौत हो गई। इसका पता होने पर पहुंचे उसके पिता ने अपनी बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया है,वहीं ससुर ने बताया कि उसकी बहू ने फांसी लगा कर आत्महत्या की। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस बारे में आगे कुछ कहा जा सकता है।

कोतवाली देहात के अमिरता निवासी रामजीवन की 21 वर्षीय पत्नी डाली उर्फ सीटू की गुरुवार संदिग्ध हालत में मौत हो गई। डाली उर्फ सीटू के पिता नंदकिशोर निवासी ररी थाना मझिला ने बताया कि उसे फोन से पता चला कि उसकी बेटी की मौत हो गई। खबर सुन कर बेटी की ससुराल पहुंचे नंदकिशोर का कहना है कि ससुराल वालों ने उसकी बेटी की हत्या कर दी,10 जुलाई 2024 को उसने बेटी की शादी की थी। पिता ने दावे के साथ बताया कि डाली उर्फ सीटू की गर्दन और पैर पर चोंट थी,जिससे मारपीट किए, जाने से इंकार नहीं किया जा सकता,वहीं डाली उर्फ सीटू के ससुर राम आसरे ने बताया कि गुरुवार की सुबह पहले रामजीवन खेत पर चला गया,वह जा रहा था,उसी बीच बहू ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है,पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए मुसीबत का इंतजाम

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे प्रशासन के तमाम दावे फिलहाल सवालों के घेरे में नजर आ रहे हैं। स्टेशन पर निर्माणाधीन फुटओवर ब्रिज के पास लगा ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिक) पोल यात्रियों की जान के लिए खतरा साबित हो सकता है। स्थिति यह है कि जैसे ही ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा होगा, किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। मौके का निरीक्षण करने पर यह स्पष्ट दिखता है कि प्लेटफार्म संख्या तीन की ओर उतरते समय ओएचई पोल और ब्रिज के बीच की दूरी बेहद कम रह गई है। इतना कम फासला यात्रियों के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर रहा है। यदि कोई व्यक्ति जल्दबाजी में ब्रिज से उतरते हुए या सामान संभालते समय पोल के संपर्क में आ गया, तो उसकी जान भी जा सकती है। रेलवे के नियमों के अनुसार, उच्च वोल्टेज लाइन और सार्वजनिक मार्ग के बीच एक निश्चित सुरक्षा दूरी बनाए रखना अनिवार्य है, लेकिन हरदोई स्टेशन पर यह मानक साफ तौर पर अनदेखा किया जा रहा है।

• निर्माणाधीन फुटओवर ब्रिज के पास ओएचई पोल बना हादसे का सबब

हादसे का सबब बनता ओएचई पोल।

यात्रियों ने लापरवाही पर चिंता जताई है

स्थानीय यात्रियों और रोजाना स्टेशन आने–जाने वाले लोगों ने इस लापरवाही पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि निर्माण एजेंसी व रेलवे अधिकारियों को पहले ही इस खतरनाक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए था। अगर जल्द ही ओएचई पोल को सुरक्षित दूरी पर स्थानांतरित नहीं किया गया, तो फुटओवर ब्रिज के शुरू होते ही किसी भी समय जानलेवा हादसा हो सकता है।रेलवे प्रशासन को चाहिए कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा मानकों का पालन कराए और यात्रियों की जान से जुड़ा जोखिम तत्काल समाप्त करे। सुरक्षा को लेकर किया जा रहा ढिलाई भयंकर परिणाम दे सकती है।

धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरपालपुर, हरदोई, अमृत विचार। धोखाधड़ी के मामले में 13 माह से फरार चल रहे अरहुली गांव निवासी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में शामिल दो अन्य नामजद अभियुक्तों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के पूरनपुर मजरा तिथिगांव निवासी राधेश्याम सिंह ने बीती 12 सितंबर 2024 को तत्कालीन एसपी नीरज जादौन को शिकायती पत्र दिया गया था। तत्कालीन एसपी के आदेश पर अरहुली गांव निवासी गोविंद व एक महिला समेत चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी से जमीन का बैनामा कराने का अभियोग दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच के दौरान प्रकाश में आई महिला व पूरनपुर गांव निवासी मुनेंद्र को पुलिस ने 9 माह पूर्व ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले में 13 माह से फरार चल रहे अभियुक्त गोविंद सिंह को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बाइकों की टक्कर में एक की मौत, 3 घायल

बिलग्राम रोड कसरावां पेट्रोल पम्प के पास हुआ हादसा, घायलों में पिता-पुत्र भी शामिल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बिलग्राम रोड कसरावां पेट्रोल पम्प के पास दो बाइक आमने-सामने टकरा गई,जिसमें एक बाइक सवार की मौत हो गई,जबकि दूसरी बाइक पर सवार पिता-पुत्र समेत 3 जख्मी हो गए,जिन्हे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। जांच कर रही पुलिस वहां आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने में जुटी है।

कोतवाली शहर के साण्डी चुंगी निवासी 36 वर्षीय शिवम शर्मा पुत्र नरेश चन्द्र वहीं पर गेट -ग्रिल का कारखाना चलाता था। शुक्रवार की सुबह शिवम करोबार के सिलसिले में बाइक से ढ़ोलिया जा रहा था,शिवम अपनी बाइक से बिलग्राम रोड कसरावां पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा,उसी बीच सामने से आ रही बाइक से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में शिवम शर्मा के अलावा दूसरी बाइक पर सवार साण्डी थाने के रामदीन पुरवा निवासी 58 वर्षीय लालाराम,बाइक चला रहा लालाराम का 23 वर्षीय पुत्र अंशुल और पड़ोसी गांव बढ़ैनपुरवा निवासी रामबक्श (60) जख्मी हो गया। चारों को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया, घर वाले उसे ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में तबियत बिगड़ने पर उसे 100 बेड हास्पिटल लेकर पहुंचे, जहां शिवम की मौत हो गई।

घर आ रहे अधेड़ की रास्ते में मौत

हरदोई, अमृत विचार। लुधियाना में रह रहा अधेड़ पत्नी व बच्चों के साथ बेटे की दिवाई संस्कार कराने आ रहा था। बालामऊ जंक्शन पर ट्रेन से सामान उतारते हुए अचानक वहीं गिर पड़ा, जिससे उसके सिर में गहरी चोट पहुंची, सीएचसी ले जाते समय उसकी मौत हो गई। बघौली थाने के जासू निवासी रामकृपाल (50) अपनी पत्नी संगीता, दो बेटियों काजल,ममता और बेटे विमल के साथ लुधियाना में रह कर वहीं नौकरी करता था। रामकृपाल के भाई कैलाश ने बताया कि 17 नवंबर को विमल का दिवाई संस्कार होना था। रामकृपाल शुक्रवार की सुबह पत्नी व बच्चो.के साथ गांव आने के लिए बालामऊ जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर–1 पर ट्रेन से उतरा,वह सामान उतार रहा था,उसी में अचानक हाथ फिसलने से वह प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच गिर पड़ा,जिससे सिर में गहरी चोंट पहुंची,उसे वहिं से सीएचसी कछौना ले जाया जा रख था,लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

डंपर की टक्कर से वृद्धा की मौत

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र में एक डंपर की टक्कर से 76 वर्षीय महिला कैलाश की मौत हो गई। महिला अपनी बहन के घर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना बिलग्राम कोतवाली के ठीक सामने हुई। कैलाश (76 वर्ष) पत्नी राजेंद्र प्रसाद, निवासी जोगी कोट बंगारमऊ, बिलग्राम के मितमितपुर गांव में अपनी बहन के यहां आ रही थीं। बिलग्राम बस स्टैंड पर उतरने के बाद वह टेंपो स्टैंड की ओर जा रही थीं, तभी कोतवाली के सामने एक तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कैलाश गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।बताया गया है कि कैलाश के छह बच्चे हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जिले की अतरौली थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से छह चोरी के मोबाइल फोन, 670 रुपये नगद और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई पुलिस की सक्रियता और सतर्कता का नतीजा बताई जा रही है।

23 अक्टूबर को करन पुत्र शिवकुमार, निवासी आसरेंदा, थाना मोरावा, जनपद उन्नाव ने थाना अतरौली में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोरों ने नेवादा स्थित एक ईंट भट्ठे पर बनी झोपड़ी से उनका और उनके साथियों का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। इस शिकायत पर थाना अतरौली में मुकदमा दर्ज किया गया था, बाद में विवेचना के दौरान धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ युवक चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पांच आरोपियों मनीष पुत्र श्रीपाल, शिवा पुत्र प्रहलाद (दोनों निवासी ग्राम कोड़िया), सोनू पुत्र सुरेश निवासी बसन्तापुर, वसीम पुत्र रफीक निवासी बरौली और अभिषेक पुत्र रामनरेश निवासी मदारपुर (सभी थाना अतरौली, जनपद हरदोई) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों से चोरी के छह मोबाइल फोन, नगद रुपये और दो मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी अभियुक्तों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज मोबाइल चोरी के मामलों से भी इनका कनेक्शन जांचा जा रहा है।

युवती की हत्या कर फेंका गया था शव, हुई पहचान

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। बीघापुर कोतवाली अंतर्गत रेलवे ट्रैक किनारे मिली युवती की धारदार हथियार (चाकू) से हत्या हुई थी। पुलिस ने उसकी पहचान कराकर शव का पोस्टमार्टम कराया। मायके पक्ष ने पति पर शक जताया है। जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है।

बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के रावतपुर गांव के बाहर से निकली उन्नाव-प्रयाग रेलमार्ग किनारे गुरुवार को युवती का शव पड़ा मिला था। उसके गर्दन सहित शरीर के अन्य हिस्से में चाकू जैसे नुकीले हथियार से हमले के निशान मिले थे। पुलिस ने गहनता से जांच कराई जिसमें युवती के पास एक डायरी मिली। जिससे मिले नंबर से संपर्क करने पर उसकी पहचान रायबरेली जिला के जगतपुर थानाक्षेत्र के दुर्गागंज गांव निवासी लाजो (19) पुत्री किशन पासी के रूप में हुई। मां रेनू ने फोटो से उसकी पहचान की। देवर मिथुन के साथ मोर्चरी में मिली मां ने दामाद अंकुल पर बेटी की हत्या करने का शक जताया। बताया कि रायबरेली के गदागंज थानाक्षेत्र के भटपुरवा निवासी अंकुर उसकी बेटी को बहलाकर ले गया था। लोकलाज के डर से करीब 6 महीने पहले उसने दोनों की शादी कर दी। इसके बाद वह बेटी को लेकर कानपुर में रहने लगा। इस दौरान उसकी लाजो से कभी बात नहीं हुई। उसने दामाद पर हत्या करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया इसमें उसकी हत्या किए जाने के साक्ष्य मिले हैं। कोतवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बेटी की मौत से मां का रो -रोकर कर बेहाल रही। उसके चार बच्चों में लाजो आकाश, लक्ष्मी व बादल से बड़ी थी। पिता मानसिक बीमार है।

आरोपी पति को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ में दबोचा

उन्नाव , अमृत विचार। सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि मां रेनू की तहरीर पर पति अंकुल पर रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस की टीम उसकी तालाश में लगी थी। देर रात कोतवाली क्षेत्र के जंगली खेड़ा गांव के पास आरोपी पुलिस से मुठभेड़ में घायल हो गया। वहीं उसका साथी मयंक निवासी सुमेरपुर बिहार उन्नाव भाग निकला। पूछताछ में अंकुल ने बताया कि शादी के कुछ दिन बाद दोनों के मध्य विवाद हो गया जिसके उपरांत पति–पत्नी मिश्रीलाल चौराहा कानपुर नगर में किराये के मकान में रहने लगे। एक नवंबर में दोनों में विवाद हुआ। इस पर वह 5 नवंबर को वह रायबरेली पैसेंजर ट्रेन से कानपुर से अपने घर खुदायगंज जा रहे थे। रास्ते में उनमें फिर विवाद हुआ। इस पर वह बीघापुर क्षेत्र के रावतपुर टिकौली हाल्ट पर दोनों उतर गये। इसके बाद अंकुल ने चाकू से लाजो पर हमला कर हत्या कर दी।

उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या 63/ECTC(L)/2025-26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट–I टेक्निकल बिड एवम् पार्ट–II फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। 63– **कार्य का नाम :– 132 के0वी0 उपकेन्द्र, भरावन, सण्डीला, हरदोई पर मेसर्स सी0आर0डी0 कन्ज्यूमर प्रोडक्ट्स लि0 के विद्युत संयोजन हेतु 01 अदद 33 के0वी0 ''बे'' का जानपदीय निर्माण कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत :– **रू0 6.59 लाख**, कार्यावधि:– 01 माह। उक्त निविदा की Technical Bid एवम् अन्य शर्तें तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण www.upptcl.org पर देखा जा सकता है एवम् http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवम् प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 25.11.2025 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/ अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 26.11.2025 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **''राष्ट्र हित में बिजली बचाए'' अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, कक्ष सं. 223 से 226, प्रथम तल, पारेषण भवन, यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ। संख्या 3411–वि.जा.पा.मं.(ल.)/निविदा दिनांक : 07/11/2025**

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **01.12.2025** को **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैकिंग,डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेगे।

निविदा सूचना संख्या	01142025 दिनांक: 07.11.2025		
निविदा संख्या	23-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26		
कार्य का नाम	सहायक मण्डल इंजीनियर–प्रयाग एवं सहायक मण्डल इंजीनियर, उन्नाव के अन्तर्गत टर्नआउट्स के प्रतिस्थापन का कार्यः टीटीआर (एफएस टीडब्ल्यूएस, डब्ल्यूसीएमएससी)-32 सेट और टीडब्ल्यूएस-13 सेट।		
अनुमानित लागत	₹13760660.08	धरोहर राशि	₹218800.00
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से आठ माह।		
निविदा डालने का पारंभ	17.11.2025		
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	01.12.2025 at 15:00 Hrs.		
बेबसाईट	www.ireps.gov.in		

नोटः 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3465/2025

व्यापारी से लूट में चार गिरफ्तार

बांगरमऊ उन्नाव

• पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया घटना का खुलासा

अमृत विचार। बेहटा मुजावर पुलिस ने व्यापारी से दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात का 24 घंटे में पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले चार लुटेरे और लूटी गई नकदी बरामद की है। घटना का मास्टर माइंड लोडर चालक ही निकला।

पुलिस के अनुसार बीते 6 नवंबर को बेहटा मुजावर थानांतर्गत गांव ढोलौवा के पास कार सवार लुटेरों ने दिनदहाड़े चाकू के बल पर गल्ला व्यापारी से लूट की थी। लुटेरों ने हरदोई जिला के थाना कासिमपुर अंतर्गत गांव तोन्ना देव निवासी गल्ला व्यापारी महेंद्र की गर्दन पर चाकू लगाकर उसके पास रहे 58,200 रुपये उस समय लूटे थे जब वह बांगरमऊ की मंडी में गल्ला बेचकर लोडर से घर जा रहा था। पीड़ित की तहरीर के आधार पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर बेहटा मुजावर पुलिस, सर्विलांस व स्वाट टीम घटना के खुलासे को लेकर सक्रिय हो गई थी। तभी शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर बेहटा मुजावर थाना के दरोगा सुनील कुमार, राकेश कुमार, स्वाट टीम के निरीक्षक जेपी यादव व सर्विलांस टीम के दरोगा विनोद सिंह पुलिस बल के साथ संडीला मार्ग स्थित संचान कोट बैरियर पहुंचे। जहां संदिग्ध अवस्था में खड़े निर्मल निवासी गांव सफियापुर थाना कासिमपुर हरदोई, नंदलाल उर्फ नंदू निवासी तन्ना देव थाना कासिमपुर हरदोई, दीपक निवासी मवई थाना सफीपुर उन्नाव व रुपेश निवासी गांव नरियारी थाना कासिमपुर हरदोई को दबोच लिया। पुलिस ने लुटेरों के पास से 58,200 रुपये, चार मोबाइल व घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद की है। पूछताछ में लुटेरों ने बताया कि लोडर चालक रुपेश वर्मा ने ही अन्य तीनों को लूट की घटना को अंजाम देने के लिए बुलाया था। रूपेश वर्मा ने कहा था कि गल्ला व्यापारी महेंद्र मंडी में गल्ला बेचने आया है। गल्ला बेचने के बाद मंडी से निकलने के पहले हम सभी लुटेरों को फोन कर देंगे। तभी तुम लोग आ जाना। योजना के अनुसार मंडी से निकलने के पहले ही लोडर चालक रूपेश ने साथियों को फोन कर दिया था। फोन पर संदेश मिलते ही तीनों लुटेरे कार से घटनास्थल पर पहुंच गए और लूट की वारदात को अंजाम दे डाला।

समर्थकों ने धूमधाम से मनाया विधायक का जन्मदिन

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। भाजपा विधायक बम्बालाल दिवाकर का जन्मदिन विधानसभा क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित कर केक काटा और मिठाई बांटकर खुशी जताई। वहीं सुंदरकांड पाठ और मरीजों को फल वितरित कर उनके दीर्घायु होने की कामना की गई। विधायक का जन्मदिन मनाए जाने के लिए लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस पर कार्यक्रम आयोजित हुए। यहां सुंदर कांड पाठ के बाद हवन पूजन कर विधायक के दीर्घायु होने की कामना की गई। भजन गायक मनु शुक्ला व उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत किए गए संगीतमय सुंदरकांड पाठ से वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद केक काटकर प्रसाद बांटा गया। यहां नगर व क्षेत्र से आए कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने विधायक को गुलदस्ता देकर बधाई दी। इसमें प्रमुख रूप से सदर विधायक पंकज गुप्ता, बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार, भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला, सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह नन्दू, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह के अलावा जिला पंचायत सदस्य दिलीप मिश्रा गुड्डू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रत्नेश गौड़, चेयरमैन अनुज दीक्षित, सुनील चौरसिया, मलखान सिंह आदि रहे। युवा नेता सत्यम पाल की अगुवाई में सीएचसी पहुंचे विधायक बम्बालाल दिवाकर ने मरीजों को फल वितरित किये।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अमीर हसन पुत्र अब्दुल रहमान, निवासी–ग्राम सुरसेनी परगना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय में दिनांक 04–11–2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायाप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला नसीमगंज/सरोजनी नगर बाँगरमऊ का एक किता प्लाट पूरब से पश्चिम 38 फिट व उत्तर से दक्षिण 32 फिट कुल माप 1216 वर्गफीट या 113.08 वर्गमीटर प्लाट विक्रेता श्री सुन्दर लाल पुत्र रूपनरायन व रविशंकर पुत्र श्रीराम निवासी मोहल्ला नौंनिहालगंज कस्बा बाँगरमऊ तहसील सफीपुर जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 20–10–2008 को खरीद कर 13 फिट चौड़ा व 20 फिट लम्बा भवन का निर्माण करवा लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब– रास्ता 9 फिट बादहू शेष भूमि बिक्रेतागण पश्चिम– शेष भूमि बिक्रेतागण उत्तर– प्लाट झासिम आदि दक्षिण– शेष भूमि बिक्रेतागण प्रार्थी अपने उक्त भवन को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर नगर पालिका कर पंजिका अभिलेखों में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की माँग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र, रजिस्टर्ड बैनामा,आधार कार्ड की छायाप्रति व शपथ पत्र के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

कथा | कस्बे के राहत बाजार स्थित खाटू श्याम मंदिर परिसर में शुरू हुआ आयोजन

कथा से पहले निकाली भव्य कलश यात्रा

सफीपुर उन्नाव,

अमृत विचार। कस्बे के राहत बाजार स्थित खाटू श्याम मंदिर परिसर में शुक्रवार शाम सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हो गया। कथा के पहले सुबह कलश यात्रा निकाली गई। जो बैंडबाजे के साथ नगर के विभिन्न मंदिरों से होकर कथा स्थल पहुंची। कलश यात्रा से वातावरण भक्तिमय हो गया।

राहतगंज मोहल्ला निवासी खाटू श्याम मंदिर अध्यक्ष आलोक गुप्ता द्वारा आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा के पहले दिन आचार्यों ने विधिविधान के साथ वेदी पूजन कराया। कथा स्थल खाटू श्याम मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें यजमान बने आलोक गुप्ता व उनकी पत्नी सीता व अन्य महिलाएं कलश सिर पर धारण कर प्रभू का गुणगान करते हुए यात्रा में शामिल हुईं। यात्रा के दौरान बैंडबाजा की धुन पर बजते भक्ति गीत के बीच भक्त थिरकते रहे। जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा में शंकरी देवी, मोटेश्वर महादेव, हनुमान मंदिर, दुर्गा मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर होते कथा स्थल खाटू श्याम मंदिर पर संपन्न हुई। इस दौरान दीपू गुप्ता, हिमांशु, मुन्ना गुप्ता, ब्रजेश सैनी, अरविन्द, पवन सोनी, आर्यन, खुशबू, कंचन गुप्ता, मोहनी, रेखा गुप्ता, शर्मीला गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, मुस्कान, रानी गुप्ता, मंजू गुप्ता आदि रहे। शाम को कथावाचक प्रवीण दीक्षित ने कहा कि विश्व में सभी कथाओं में भागवत कथा श्रेष्ठ मानी गई है।

कलश यात्रा में शामिल भक्त।

इंजन के पट्टे की चपेट में आने से किशोर गंभीर

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। मामा के साथ बिहार प्रदेश से आकर कोतवाली क्षेत्र के लुधौरी गांव में गद्दा-रजाई भरने का काम कर रहा किशोर इंजन के पटे की चपेट में आकर घायल हो गया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां डाक्टर ने उसे गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बिहार प्रांत के थाना श्रीनगर के गांव मध्यपुरा चयनपुर निवासी मुजेबुर का 15 वर्षीय पुत्र आजाद गांव के ही अपने मामा रिजवान के साथ रोजगार के लिए कोतवाली क्षेत्र के गांव लुधौसी के बाहर डेरा डालकर रुई भरने की मशीन लगाकर गद्दा बनाने का काम शुरू किया। शुक्रवार को वह इंजन से रुई भरने का काम कर रहा था तभी अचानक वह पटे की चपेट में आकर गंभीर घायल हो गया। मामा इंजन बंद कर उसे सफीपुर सीएचसी ले गया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अरविन्द कुमार पुत्र स्व0 सुधर लाल निवासी मोहल्ला नौंनिहालगंज उत्तरी बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 31–10–2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड वसीयतनामा,अपनी माता का मृत्यु प्रमाण पत्र,आधार कार्ड,गृहकर व जलकर रशीद की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला नौंनिहालगंज उत्तरी बाँगरमऊ की पालिका कर पंजिका मे अपनी माता श्रीमती गंगादेई पत्नी स्व0सुधर लाल के नाम दर्ज भवन 525 जिसकी माप पूरब से पश्चिम 10 फिट व लम्बाई 60 फिट कुल क्षेत्रफल 600 वर्गफीट उक्त भवन को अपनी माता श्रीमती गंगादेई पत्नी स्व0 सुधर लाल से जरिये रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 09–05–2018 को अपने पक्ष में प्राप्त कर लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब– मकान अशोक गुप्ता पश्चिम– मकान रामकुमार उत्तर– सड़क उन्नाव हरदोई रोड दक्षिण– मकान अशोक गुप्ता प्रार्थी अपनी माता श्रीमती गंगादेई की मृत्यु के उपरान्त उपरोक्त भवन नम्बर 525 को नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड वसीयतनामा, अपनी माता का मृत्यु प्रमाण पत्र,गृहकर व जलकर रशीद,आधार कार्ड की छायाप्रति व शपथ पत्र के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि **जीतेन्द्र कुमार श्रीवास पुत्र श्री श्रीपत निवासी– नेहरू बाल शिक्षा सदन महोबा** का मूल. निवासी है। मैं पालिसी नं. 20667065 एवं 20975603 का पालिसी धारक हूँ। मेरी पालिसी में मेरा नाम जीतेन्द्र कुमार अंकित है तथा आधार कार्ड, पैनकार्ड व बैंक पासबुक में मेरा नाम जीतेन्द्र कुमार श्रीवास अंकित है। उक्त दोनों नाम मेरे ही है मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। जीतेन्द्र कुमार श्रीवास व जीतेन्द्र कुमार एक ही व्यक्ति के नाम है ।

सूचना

मैं कमाल अहमद ,निवासी H.NO-426/206, वजीर बाग़, लखनऊ–226003, उत्तर प्रदेश, इंडिया ,यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम ग़लत रूप से अहमद कमाल दर्ज है। सही नाम कमाल अहमद है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना

पहले मेरा नाम नाम सरफ राज (SARPH RAJ) था अब मैं अपना नाम बदलकर सरफराज अहमद (SARPHRAJ AHMAD) रख रहा हूँ, अतः भविष्य में मुझे सरफराज अहमद (SARPHRAJ AHMAD) नाम से जाना व पहचाना जाय। S/O MOHD ATEEK AHMAD R/O VILL SEMARI PURSHOTTAMPUR POST-SEMARI PURSHOTTAMPUR THANA-KOTWALI DEHAT DIST-SULTANPUR U.P.-228001

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा वास्तविक नाम शिवम तिवारी पुत्र विनोद तिवारी ग्राम रामपुर पोस्ट कलवारा खुर्द तहसील राजापुर जिला चित्रकूट है लेकिन आधार कार्ड में भूलवश मेरा नाम दयाशंकर लिख गया है जो ग़लत है अतः मुझे मेरे वास्तविक नाम शिवम तिवारी के नाम से ही जाने । **शिवम तिवारी पुत्र विनोद तिवारी, ग्राम रामपुर पोस्ट कलवारा खुर्द तहसील राजापुर जिला चित्रकूट, मो0–7888805117**

अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में 6 की मौत, 6 घायल

सदर, अजगैन, सोहरामऊ, अचलगंज, हसनगंज, बीघापुर, गंजमुरादाबाद व आसीवन में हुए हादसे

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। शुक्रवार का दिन उन्नाव जिले के लिये सड़क हादसों में मौतों का दिन रहा। इस दिन जिले के अलग-अलग क्षेत्र में हुए विभिन्न सड़क हादसों में छह लोगों की जान चली गई। जबकि, छह लोग घायल हो गए। संबंधित थानाक्षेत्रों की पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजने के साथ शवों को जांच के बाद मोर्चरी भेजा। हादसों में हुई मौतों की जानकारी होने पर उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

ट्रक ड्राइवर की बाइक की टक्कर से मौत

मथुरा जिला के बरसाना थानाक्षेत्र के नंदगांव निवासी बबलू जाटव (29) पुत्र स्व. गिरिराज सिंह ट्रक चालक था। गुरुवार रात वह खाली ट्रक लेकर लखनऊ से कानपुर जा रहा था। तभी सदर कोतवाली अंतर्गत कानपुर-लखनऊ हाईवे पर गदन खेड़ा ओवर ब्रिज उतरते समय उसके ट्रक के गेयर में कुछ खराबी आ गई। इस पर वह सड़क पार कर गेयर ऑयल लेने जा रहा था। तभी तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वह गंभीर घायल हो गया। तभी पीछे से दूसरा ट्रक लेकर निकले पड़ोसी गांव के चालक दिनेश ने उसे पहचान लिया। वह एंबुलेंस से बबलू को जिला अस्पताल लाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके मोबाइल से परिजनों को सूचना देकर शव मोर्चरी भेजा। शुक्रवार को बड़ा भाई दीपक व अन्य परिजन पहुंचे। भाई दीपक के प्रार्थनापत्र पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। दीपक ने बताया कि बबलू तीन भाइयों में छोटा था। उसकी मौत से पत्नी आरती, मां बूतेरी आदि बेहाल हैं।

वाहन की टक्कर से बाइक युवक की मौत

अचलगंज थानाक्षेत्र के लखनऊ-कानपुर हाईवे पर गहरा गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे बंथर स्थित औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरी करने जा रहे गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गोताखोर कालोनी निवासी शोएब (19) पुत्र मंजूर, तोहित (23) पुत्र अब्दुल वहीद व कोतवाली क्षेत्र के मिश्रा कॉलोनी निवासी आमिर (24) पुत्र मुन्ना घायल हो गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने बाइक चला रहे आमिर को मृत घोषित कर दिया। परिजनों को हादसे की खबर देकर पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। आमिर 3 भाइयों में बीच का था। उसकी अभी शादी नहीं हुई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के गिरजा नगर मोहल्ला निवासी सोनू (33) पुत्र पूरन दिल्ली में एक बेकरी में काम करता था। एक माह पहले वह गांव लौटा था। बीती रात वह कोतवाली क्षेत्र के घाटमपुर गांव के पास मेला देखने जा रहा था। तभी किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उसे 100 बेड अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर मिलते ही पत्नी हेमलता बेहाल हो गई। वहीं राजरानी का भी रो-रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस ने शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा है। कोतवाल राजपाल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। तहरीर के आधार पर आगे की

कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार 3 घायल

गोंडा के थाना व कस्बा मनिकापुर निवासी हरि शंकर (25) पुत्र सतेंद्र पड़ोसी मोहल्ला निवासी सुनील तिवारी (32) पुत्र रमेश चंद व शिवम (28) पुत्र राजेंद्र कार से आगरा से गोंडा जा रहे थे। तभी शुक्रवार सुबह 4 बजे कोतवाली बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर गांव देवखरी के पास अज्ञात वाहन ने कार में टक्कर मार दी। इसमें कार क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों साथी गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम एंबुलेंस से उन्हें बांगरमऊ के सरकारी अस्पताल लाई। जहां चिकित्सक ने हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

विद्युत पोल से टकराई बाइक, युवक की मौत

हसनगंज। लखनऊ जिला के ढेडेमऊ गांव निवासी 27 वर्षीय शिवम पुत्र रुदान सिंह तीन वर्षों से समदपुर भावा गांव निवासी पवन सिंह की मार्केट में किराए पर मोबाइल रिपेरिंग की दुकान चला कर परिवार का पालन पोषण कर रहा था। रोज की तरह वह देरशाम दुकान बंद कर घर जा रहा था। अभी वह दुकान से 400 मीटर दूर मोहान-औरास मार्ग पर ही पहुंचा था कि सड़क पर लगे विद्युत पोल से बाइक अन्यंत्रित होकर टकरा गई। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। वहां से गस्त पर निकली पुलिस को खंती में पड़ी बाइक व युवक दिखा तो पुलिस कर्मियों ने उसके फोन से परिजनों को सूचना दी। मौत की जानकारी होते ही परिजन बेहाल हो गए। उसकी मौत से मां अचला व अन्य परिजन रो-रोकर बेहाल रहे। कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि बाइक अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकराई थी। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ऑटो की टक्कर से युवक घायल

सोहरामऊ के सराय जोगा गांव निवासी अनिल (23) शुक्रवार दोपहर बाजार से घर लौट रहा था। भल्ला फार्म - कांथा मार्ग पर गांव के मोड़ प तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। एंबुलेंस ने उसे नवाबगंज सीएचसी पहुंचाया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

किसान की सड़क हादसे में मौत

उन्नाव, अमृत विचार। आसीवन थानाक्षेत्र के अजमत नगर गांव निवासी बहादुर (45) पुत्र राम दुलारे खेती करता था। पिता ने बताया कि वह बीती रात में फसल की रखवाली करने गया था लेकिन वापस नहीं लौटा। रात में उसकी तलाश में वह खेत गया लेकिन बेटा नहीं दिखा। इस पर आसपास के किसानों के साथ उनके खेत में बैठे होने की बात सोंच कर वह लौट आया। भोरपहर गांव से 1 किमी आगे संडीला मार्ग पर सड़क किनारे वह लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। लोगों की सूचना पर परिजन उसे घर लाए। जहां से उसे अस्पताल लाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। यह देख पत्नी गुड्डी बदहवास हो गई। पिता ने बताया कि बहादुर के दो बेटे सुभाष व निहाल हैं। वह दो भाइयों में बड़ा था। पिता ने सड़क हादसे में बेटे की मौत होने की संभावना जता पुलिस को सूचना दी। इस पर शव मोर्चरी भेजा गया है।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

नवाबगंज, अमृत विचार। अजगैन कोतवाली अंतर्गत बिचपरी गांव के मजरा दरबारी खेड़ा निवासी वीरेंद्र (30) पुत्र हरिनाम पल्लेदारी करता था। शुक्रवार सुबह वह आसीवन थानाक्षेत्र के मियागंज निवासी रिश्तेदार सुधीर (30) पुत्र राधे के साथ कोतवाली क्षेत्र के दौलत खेड़ा निवासी मौसा राजकुमार से मिलने गया था। लौटते समय अजगैन क्षेत्र के रामबक्श खेड़ा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। घायल हालात में उन्हें सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने वीरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं सुधीर को इलाज के बाद उसे घर भेज दिया गया। टक्कर मारने के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। छोटे भाई नारेंद्र ने बताया कि वीरेंद्र की 3 साल पहले शादी हुई थी। उसके एक साल की बेटी रोहणी है। पति की मौत की खबर से पत्नी बिटाना, मां केशकली बेहाल हैं। शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। डंपर को सीज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

हत्या के तीसरे आरोपी को पुलिस ने दबोचा

नवाबगंज। अजगैन के सिंघनापुर गांव में 21 अगस्त 2025 को राजेश उर्फ कल्लू पासी (46) की घर में मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम कराया था। जिसमें मौत का कारण गला दबाना पाया गया था। राजेश के ममेरे भाई संतोष बाबू की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने पत्नी कामिनी व उसकी बेटी काजल को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों ने मनमुटाव के कारण साड़ी से गला दबाकर हत्या करने की बात कबूल की थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों को जेल भेजा था। लेकिन घटना में शामिल तीसरा आरोपी गांव का रामसुमेर फरार था। जिसे पुलिस ने शुक्रवार को जगदीशपुर गांव की मोड़ से गिरफ्तार किया। अजगैन प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि आरोपी को जेल भेजा गया है।

एसीएमओ ने सीएचसी का किया निरीक्षण

नवाबगंज। नवाबगंज सीएचसी का एसीएमओ डॉ. जेआर सिंह ने शुक्रवार दोपहर निरीक्षण किया। इसमें उन्होंने सीएचसी के इमरजेंसी, ओपीडी, एमएनसीयू व ईटीसी आदि वार्डों को देखा। जहां ईटीसी वार्ड में भर्ती मरीजों व उनको दिये गए इलाज की जानकारी ली। एमएनसीयू वार्ड में नवजात शिशुओं के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं व सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ भर्ती नवजातों के बारे में भी जानकारी ली।

महिला ने लगाई छलांग गोताखोरों ने बचाया

शुक्लागंज। शुक्रवार शाम लखनऊ की एक महिला ने कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित जाजमऊ पुल से गंगा में छलांग लगा दी। यह देख राहगीरों में हड़कंप मच गया। लोगों के शोर मचाने पर तट पर मौजूद गोताखोरों ने तुरंत नदी में कूदकर महिला को सकुशल बाहर निकाल लिया। सूचना पर जाजमऊ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल भेजते हुए परिजनों को खबर दी। बताया गया कि महिला लखनऊ के कृष्णा नगर की 32 वर्षीय निवासी है।

आवारा मवेशी के हमले से युवक की मौत

उन्नाव। माखी के प्यारेपुर गांव निवासी अमृतलाल खेती करते हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा रिंकू (20) गुरुवार रात सरसों की फसल की रखवाली करने गया था। तभी वहां आवारा मवेशी को खेत से भागते समय उसने हमलाकर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। किसानों ने बताया कि गांव में अधूरी गोशाला बनी है, इसलिए छुट्टा मवेशी उसमें नहीं रखे जा रहे हैं।

श्री श्याम महोत्सव आज

शुक्लागंज। श्री श्याम दीवाना मित्र मंडल के तत्वावधान में ग्यारहवां श्री श्याम महोत्सव आस्था, भक्ति और विश्वास का महाकुंभ शनिवार रात पोनी रोड स्थित बाबा शिव लॉन में धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर देश के प्रसिद्ध भजन गायक फरीदाबाद के अंकित शर्मा, दिल्ली की रितु पंचाल, जयपुर के अविनाश शर्मा, उन्नाव के राजू मिश्रा और कानपुर के अभिषेक शुक्ला अपने सुरमयी भजनों से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे। कार्यक्रम में खाटू नरेश का अलौकिक दरबार सजेगा, जिसमें बाबा का श्रृंगार कलकत्ता के फूलों से किया जाएगा और छप्पन भोग अर्पित होंगे। रात्रि भर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था रहेगी। भोर में बाबा की मंगला आरती के साथ महोत्सव का समापन होगा।

चार दिन तक रजिस्ट्रेशन का कार्य रहेगा बाधित

उन्नाव। एडीएम सुशील कुमार गोंड ने कहा कि महानिरीक्षक निबन्धन उप्र द्वारा स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के ऑनलाईन पोर्टल हेतु प्रयुक्त एनआईसी द्वारा संचालित मेघराज क्लाउड सर्वर को नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड पर स्थानान्तरित किया जाना प्रस्तावित है। इससे 8 से 11 नवंबर तक सर्वर पर रख-रखाव व स्थानान्तरण का कार्य किया जाएगा। इसके चलते इस अवधि में आमजन द्वारा ऑनलाईन लेखपत्र पंजीकरण व अन्य आवेदनों का कार्य अस्थायी रूप से बाधित रहेगा।

बालक वर्ग में स्पोर्ट्स स्टेडियम चैंपियन

उन्नाव। हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बाईपास स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुई प्रतियोगिता में बालक वर्ग में स्पोर्ट्स स्टेडियम की टीम ने और बालिका वर्ग में 'द लीडिंग वूमेन' टीम ने जीत हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। दोनों विजेता टीमों को शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। फाइनल मुकाबला द लीडिंग वूमेन और वंडर वूमेन टीम के बीच हुआ।

मेडिकल कॉलेज में दूसरे दिन भी चली जांच

नवाबगंज, अमृत विचार। भल्लाफार्म स्थित सरस्वती मेडिकल कालेज में दूसरे दिन भी प्रवर्तन निदेशालय की टीम मौजूद रही। एचआर के लोगों को बुलाकर रजिस्ट्रार आफिस में काम करने वाले व अकाउन्ट विभाग में काम करने वालों की लिस्ट ली गई। जिनसे संपर्क कर उनको बुलाया जा रहा है। टीम ने सभी कंप्यूटर कब्जे में लेने के साथ फाईलों को भी कब्जे में लिया है। किसी भी सझम अधिकारी के न मिलने से 36 घंटे बाद भी टीम जांच कर रही है। टीम के सदस्य पूरी जानकारी लखनऊ के अधिकारियों को देने की बात कह रहे हैं। बता दें कि सरस्वती मेडिकल कालेज समेत इनसे संबंधित 16 स्थानों पर पूरे देश में छापेमारी की गई। जिसमें मोनार्ज यूनिवर्सिटी मेरठ में मई में नकली डिग्री देने के मामले में गिरफ्तार निदेशक वीरेन्द्र सिंह की जांच का दायरा बढाया गया। जिसमें एक साथ छापेमारी की गई। बीती गुरुवार सुबह 8 बजे 4 गाड़ियों से प्रवर्तन निदेशालय की 14 सदस्यी टीम आई थी और सभी के कम्प्यूटर कब्जे में ले लिये। कालेज के सूत्र बताते हैं कि रात करीब 1.30 बजे कालेज के प्रधानाचार्य आरएन श्रीवास्तव घर गये और सुबह 9 बजे वापस आ गये।

खंडित मूर्तियों का हुआ 'भू-विसर्जन'

उन्नाव, अमृत विचार। नर सेवा नारायण सेवा समिति के संस्थापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने विभिन्न वार्डों व प्रमुख मंदिरों से बीते एक सप्ताह से एकत्र की गई पुरानी व खंडित गणेश-लक्ष्मी व अन्य देवी देवताओं की मूर्तियों का गगनी खेड़ा झील किनारे ढ़ोल नागाड़ों के साथ भू-विसर्जन किया।

यह कार्यक्रम संस्था पदाधिकारियों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। जिसमें संदेश दिया गया कि भक्ति के साथ स्वच्छता व पर्यावरण की रक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। विमल द्विवेदी ने बताया कि जिन्हें हम साल भर पूजते हैं उन्हें ससम्मान विदा करने व विसर्जन करने की भी जिम्मेदारी हम सब की है। कब्बा खेड़ा, कल्याणी देवी मंदिर, अखिलेश्वर मंदिर आवास विकास, शिवनगर शिव मंदिर, मोती नगर बड़े हनुमान मंदिर, आरएसएस इंटर कॉलेज, शेखपुर नहर भुइया देवी मंदिर सहित नगर के विभिन्न स्थानों से मूर्तियों को एकत्र कर ढ़ोल-नगाड़ों के साथ भू-विसर्जन किया गया।

खंडित मूर्तियों का भू विसर्जन करते विमल द्विवेदी व अन्य। अमृत विचार

निष्पक्ष, पारदर्शी व त्रुटिरहित हो मतदाता सूची: डीएम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

- सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करने के निर्देश

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाए। मतदाता विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जिले में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण किया जा रहा है।

गूगल मीट के माध्यम से लिंक होकर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित करते हुए डीएम ने कहा कि मतदाता सूची पूर्ण रूप से निष्पक्ष और पारदर्शी और त्रुटि रहित हो। कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो पाए। सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो सके। इसके लिए पूरी सतर्कता बरती जाए। कहा कि जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल हैं उनकी वर्तमान मतदाता सूची में से मैपिंग के कार्य को तीव्रता के साथ किया जाए। अवहेलना पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व सीओ के समझाने पर हुआ शव का अंतिम संस्कार

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गगनी खेड़ा गांव में तीन माह पहले हुए अजीत हत्याकांड के बाद एक बार फिर तनाव फैल गया, जब बुधवार रात उसी प्रकरण से जुड़े मुख्य आरोपी अशोक निषाद के 80 वर्षीय पिता हीरालाल उर्फ मुनीम की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपनी बेटी सरला के घर पत्नी महादेई के साथ रह रहे थे। घटना के समय उनकी गर्दन में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मृतक की पत्नी महादेई की तहरीर पर पुलिस ने सोनू निषाद, राजकुमार, जितेंद्र, महेश निषाद, गोविंद, संतोष, अमन, मंटानी और मनोज के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव मिश्रा कॉलोनी घाट लाया गया, लेकिन परिजनों ने जेल में बंद बेटों अशोक निषाद और विनोद निषाद को बुलाने की मांग करते हुए अंतिम संस्कार से इंकार कर दिया। परिजन शव लेकर घर लौट आए, जिसके बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अधिकारियों और समाजसेवियों की समझाने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए।

अंबिका में प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

अंबिका स्कूल में स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर में मौजूद छात्र। अमृत विचार

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में भारत स्काउट और गाइड उन्नाव के तत्वावधान में तीन दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन ध्वज अवतरण समारोह के साथ उत्साहपूर्वक हुआ।

शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने तंबू निर्माण, गांठ बांधना, पिरामिड, रंगोली और चोखा बाटी जैसी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण विद्यार्थियों में राष्ट्रसेवा, आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों को अनुशासन, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना सिखाते हैं। जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) नीता सिंह और रोवर स्काउट लीडर भरत कुमार ने विशेष सहयोग दिया। समापन समारोह में गाइड कैप्टन अंजू त्रिवेदी सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

ऊनी चादर ने खोला पेट्रोल पंप की चोरी का राज

उन्नाव। सोहरामऊ में एक पेट्रोल पंप में हुई तीन लाख से अधिक की चोरी वहीं के सफाई कर्मी ने की थी। सीसीटीवी फुटेज में वह जो ऊनी चादर ओढ़ कर चोरी करते दिखा था। वह तेल कंपनी द्वारा कर्मचारियों को दो गई थी।

एसपी जयप्रकाश सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में घटना खुलासा करते हुए बताया कि सोहरामऊ थानाक्षेत्र के कुशहरी गांव स्थित इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप में तीन लाख की चोरी हुई थी। खुलासे के लिए एसओजी व सर्विलांस टीम को सोहरामऊ पुलिस की मदद के लिए लगाया गया था। टीम ने जांच की तो सीसीटीवी फुटेज में ऊनी चादर ओढ़ कर मुंह बंद किए व्यक्ति दिखा था। फुटेज में दिखाई दी चादर पेट्रोल पंप कर्मियों को दी गई थी। इससे साफ हुआ कि चोरी में पंप के ही किसी कर्मी का हाथ था। इसके बाद पुलिस ने पंप के सफाई कर्मी नीरज पुत्र सुन्दरलाल निवासी गांव भौली अजगैन को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की गई रकम बरामद हुई है। उसने बताया कि सुबह 4 बजे सफाई करने आता था। 3 नवंबर को वह अलमारी का ताला तोड़कर नगदी उठा ले गया था। इसके बाद उस दिन देर से ड्यूटी पर आया। लेकिन सर्विलांस की मदद से यह खुलासा हुआ कि घटना वाले दिन वह तीन बजे से पंप के पास था। तभी से पुलिस को उस पर शक था।

सिटी डायरी

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में नारीशक्ति का हुआ गौरवगान

शुक्लागंज। विद्या भारती विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर, गंगानगर में शुक्रवार को सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शिशु वाटिका प्रमुख अलका, रत्ना, राधा व प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम सिंह के मार्गदर्शन में अतिथियों शिल्पी दीक्षित, निधि द्विवेदी, रश्मि शुक्ला व संगीता पांडेय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य वक्ता रश्मि शुक्ला ने कहा कि मातृशक्ति ही परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण की धुरी है। निधि द्विवेदी ने नारी के सात गुण कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति व क्षमा को आत्मसात कर समाज निर्माण की बात कही।

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में मौजूद नारी शक्ति।

कार्यक्रम में प्रेरणादायी नारियों की वेशभूषा में छात्राओं ने रानी लक्ष्मीबाई, माता सीता, दुर्गा, राधा और पार्वती के रूप में आकर्षक प्रस्तुति दी। संचालन सरिता ने किया और अंत में शिवांगी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नगर की अनेक माताएं, शिक्षिकाएं और छात्राएं उपस्थित रहीं।

नेपाल की हिमलुंग हिमाल पर तिरंगा फहराते एटीएस कमांडो आशीष दीक्षित।

डीएम के स्टीकर लगाते स्काउट लीडर भरत कुमार।

कमांडो आशीष दीक्षित ने नेपाल की हिमलुंग हिमाल पर फहराया तिरंगा

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कर्मी बिझलामऊ गांव निवासी उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष इकाई स्पेशल पुलिस ऑपरेशन टीम के जांबाज एटीएस कमांडो आशीष दीक्षित ने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने नेपाल के मनांग जिले में स्थित दुर्गम हिमलुंग हिमाल पर्वत (ऊँचाई 7,126 मीटर) की चोटी पर तिरंगा फहराकर उन्नाव और प्रदेश पुलिस को गौरवान्वित किया। यह कठिन पर्वतारोहण अभियान 15 अक्टूबर से शुरू हुआ था, जिसका समापन 3 नवम्बर की रात 8 बजे -25 डिग्री सेल्सियस तापमान और हिमस्खलन के खतरे के बीच हुआ। कमांडो आशीष ने बताया कि हिमलुंग हिमाल की चढ़ाई उनके जीवन का सबसे कठिन और गौरवपूर्ण अनुभव रहा।

भारत स्काउट गाइड का स्थापना दिवस मनाया गया

उन्नाव। भारत स्काउट गाइड की जिला संस्था द्वारा 75वां स्थापना दिवस मनाया गया। पदाधिकारी को स्काउट गाइड का स्टीकर लगाकर सम्मानित किया गया। जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड नीता सिंह ने कहा कि भारत सरकार द्वारा विश्व बंधुत्व व भारत में स्काउटिंग की व्यवस्था के लिए 7 नवंबर 1950 को भारत स्काउट गाइड की स्थापना की गई थी। इस अवसर पर काउंसलर व रोवर स्काउट लीडर भरत कुमार ने संस्था अध्यक्ष जिलाधिकारी गौरांग राठी, जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्तको स्काउट गाइड झंडा (स्टीकर) लगाकर सम्मानित किया।

कार्तिक मेले में बच्चों ने झूलों का उठाया आनंद

झूला झूलते बच्चे। अमृत विचार

शुक्लागंज। कार्तिक मेले के तीसरे दिन शुक्रवार को मेले में सुबह से ही भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी से पूरा मेला क्षेत्र गुलजार नजर आया। जहां बच्चे झूलों का आनंद ले रहे थे, वहीं महिलाएं घरेलू सामान, चकला-बेलन, चकवा और गृहस्थी से जुड़ी वस्तुओं की खरीददारी में व्यस्त रहीं। सुबह से शाम तक मेले में लोगों का तांता लगा रहा। चाट, गोलगप्पा और चाऊमीन की दुकानों पर भी अच्छी-खासी भीड़ रही।

आयोजन

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विकास भवन सभागार में देखा गया

भव्यता से मनी वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ

उन्नाव, अमृत विचार। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण शुक्रवार को विकास भवन सभागार में देखा गया और विभिन्न विद्यालयों में वंदे मातरम की धुन बजाई गई।

विकास भवन सभागार में सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्वेता मिश्रा, सीडीओ कृति राज की उपस्थिति में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि आज गर्व का दिन है कि हम सब लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ बना रहे हैं। सीडीओ कृतिराज ने कहा कि इस गीत ने देश को एकता के सूत्र में बांधने में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड ने कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम ने उस समय की परिस्थितियों के अनुसार गुलाम देश में भाव बनाकर सभी लोगों को देश को आजाद करने के लिए एकजुट किया है।

बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में हुए कार्यक्रम : बेसिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन, प्रभात फेरी व रैली मार्च पास्ट का आयोजन किया गया। इसमें वंदे मातरम गीत का गायन व धुन बजाकर जन-जन तक संदेश पहुंचाया गया।

कार्यक्रम में मौजूद विधायक व अधिकारी। अमृत विचार

7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक होंगे कार्यक्रम

वन्दे मातरम कार्यक्रम के नोडल अधिकारी परियोजना निदेशक तेजवंत ने बताया कि जिले में वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक चार चरणों में भव्यता पूर्ण कार्यक्रम विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित कराए जाएंगे।

अमृत विचार

शनिवार, 8 नवंबर 2025

कोई भी गुस्सा हो सकता है– यह आसान है, लेकिन सही व्यक्ति से, सही सीमा में, सही समय पर और सही उद्देश्य के साथ, सही तरीके से क्रोधित होना, सभी के बस कि बात नहीं है और यह आसान भी नहीं है।

–अरस्तु, दार्शनिक

सख्त होती सरकार

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दो पूर्व क्रिकेटरों की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति को 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' यानी अपराध से अर्जित धन मानते हुए अटैच किया जाना, केवल एक जांचात्मक कार्रवाई ही नहीं, बल्कि एक गहरा संदेश है। यह कदम ऐसे समय में आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा था कि ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर चल रहे जुए और सट्टेबाजी के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जाहिर है, ईडी की यह कार्रवाई उसी सिलसिले की कड़ी है। बेशक, सरकार अब डिजिटल जुए के बढ़ते खतरे को आर्थिक अपराध की श्रेणी में लाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही है, जिसमें सेलिब्रिटी ब्रांडिंग और क्रिकेट की लोकप्रियता के नाम पर चलने वाले अवैध प्लेटफॉर्म्स पर कड़ा शिकंजा कसने जा रहा है। इस कार्रवाई का असर न केवल खेल जगत पर, बल्कि मनोरंजन उद्योग और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों पर भी गहराई से पड़ेगा। एजेंसियां अब यह तय करने में लगी हैं कि कौन से ई-स्पोर्ट्स गेम 'स्किल बेस्ड' हैं और कौन-से 'चांस बेस्ड' यानी जुए की श्रेणी में आते हैं।

भारत में ऑनलाइन गेमिंग पर एकीकृत प्रभावी केंद्रीय कानून का अभाव है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत सरकार उन वेबसाइटों या ऐप्स को ब्लॉक कर सकती है, जो 'राष्ट्रीय सुरक्षा या जनहित के प्रतिकूल' हों, परंतु जुए और सट्टेबाजी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी राज्यों पर है। कुछ राज्य जैसे तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना ने ऑनलाइन सट्टेबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, जबकि कुछ में इसे 'रेगुलेटेड एंटरटेनमेंट एक्टिविटी' के बतौर अनुमति है। यही असमानता इस पूरे क्षेत्र को कानूनी धुंध में ढके रखती है। पूरी तरह बैन लगाने से भी यह समस्या समाप्त होगी, कहना कठिन है। इससे लोग ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर मुड़ सकते हैं, जहां भारतीय कानून का कोई नियंत्रण नहीं होता। इन विदेशी साइट्स पर डेटा प्रोटेक्शन, आयकर या उपभोक्ता अधिकारों की कोई गारंटी नहीं है। ऐसे में बैन के बजाय सख्त निगरानी और पारदर्शी नियमावली बनाना अधिक व्यावहारिक समाधान लगता है। बैन का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिकी से जुड़ा हुआ है। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री देश में लगभग 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां देती है और अरबों रुपये का निवेश आकर्षित करती है। यदि सभी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर समान रूप से प्रतिबंध लगाया गया, तो इससे न केवल रोजगार पर, बल्कि सरकार के कर राजस्व पर भी असर पड़ेगा, लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि ऑनलाइन बेटिंग के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग, काले धन के संग्रह और लालच, लत जैसी सामाजिक समस्याएं तेजी से फैल रही हैं, इसलिए सरकार को इस संदर्भ में संतुलित नीति बनानी होगी, जहां ई-स्पोर्ट्स जैसे कौशल-आधारित खेलों को बढ़ावा मिले, पर सट्टेबाजी और जुए के तत्वों को कड़ाई से दंडित किया जाए।

जरूरी है कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर एक समेकित कानून बनाए, जो ऑनलाइन स्किल बेस्ड गेमिंग और सट्टेबाजी के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। साथ ही, ईडी को ऐसे मामलों में महज सजा नहीं बल्कि निवारक ढांचा तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए, तभी इस डिजिटल युग के 'आभासी जुए' से देश को निजात मिल सकेगी।

ममदानी की जीत है, ट्रंप की राजनीतिक हार

विवेक सक्सेना
अयोध्या

हाल के वर्षों में, दुनिया भर के विभिन्न शहरों में भारतीय मूल के व्यक्तियों का मेयर बनना एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक घटना है। यह न केवल भारतीय प्रवासियों की सफलता की कहानी है, बल्कि उस बदलती वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य का भी प्रमाण है, जहां योग्यता और समावेशिता को महत्व दिया जा रहा है। जोहरान मामदानी ने न्यूयॉर्क सिटी की मेयर रेस जीतकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम और पहले दक्षिण एशियाई मेयर बने। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में हुए इस चुनाव में ममदानी की जीत से सबसे बड़ा झटका भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगा है, क्योंकि वो लगातार ममदानी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। ट्रंप ने उन्हें पागल कम्युनिस्ट तक कह दिया था। चुनाव से पहले चेतावनी दी थी कि अगर ममदानी जीते, तो न्यूयॉर्क की फेडरल फंडिंग कम कर दी जाएगी, बावजूद इसके 34 साल के ममदानी सबसे युवा मेयर बन गए।

उनकी जीत लेफ्ट-विंग एजेंडे पर आधारित थी, जिसमें अमीर-गरीब की खाई कम करना और शहर को सस्ता बनाना मुख्य मुद्दे थे। न्यूयॉर्क वैसे भी डेमोक्रेट्स का गढ़ माना जाता है और अब ममदानी की ऐतिहासिक जीत ने इस गढ़ को और मजबूत बना दिया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी। ममदानी की जीत महज चुनावी जीत ही नहीं, एक राजनीतिक संकेत भी है कि कहीं ये अमेरिका में एक अलग तरह के ध्रुवीकरण का प्रतीक तो नहीं। भारतीय मूल के मुस्लिम प्रवासी ममदानी ने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रू कुओमो जो खुद भी डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को जिस तरह से पराजित किया है, उससे तो ऐसा ही प्रतीत होता है।

न्यूयॉर्क को अमेरिका के अमीरों का शहर कहा जाता है। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार करीब 26 अमीरों ने ममदानी को रोकने के लिए मोटी रकम खर्च की थी। ऐसे में उनकी जीत कई मायनों में महत्वपूर्ण है और एक नए युग का संकेत देती है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर के रूप में ज़ोहरान ममदानी का चुना जाना यह दर्शाता है कि मेजबान देश अब रंग, नस्ल या मूल की परवाह किए बिना प्रतिभा को स्वीकार कर रहे हैं। यह उन देशों में समावेशी लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है, जहां प्रवासी समुदाय अब सिर्फ मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय नीति-निर्माता और नेता बन रहे हैं।

विदेशों में प्रवासी भारतीयों का उदय देश के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत भी है। ये नेता अनौपचारिक राजदूत के रूप में कार्य कर भारत और उनके मेजबान देशों के बीच विश्वास बनाने और संचार को सुगम बनाने में मदद कर सकते हैं। उनके कार्यकाल के दौरान, दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंध मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है, हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इन नेताओं को अक्सर अप्रवासी पृष्ठभूमि या धार्मिक पहचान के कारण आलोचना या पक्षपातपूर्ण हमलों का सामना करना पड़ता है। ममदानी के मामले में आव्रजन की स्थिति पर विवाद इसका उदाहरण है।

भारतीय मूल के व्यक्तियों का विदेशी शहरों में मेयर बनना, वैश्विक स्तर पर भारतीय प्रवासियों की बढ़ती ताकत, प्रभाव और स्वीकृति का एक ज्वलंत उदाहरण है। यह भारत के लिए गर्व का क्षण है और दुनिया को यह संदेश देता है कि भारतीय प्रतिभाएं सीमाओं से परे जाकर वैश्विक नेतृत्व में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

भारतीय मूल का मुसलमान व्यक्ति, जैसे जोहरान ममदानी, विदेश के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का मेयर बनता है, तो भारत की विविधता एवं संप्रेषणशीलता की छवि अंतर्राष्ट्रीय फलक पर मजबूती पाती है। इससे भारत का लोकतांत्रिक और बहुजातीय मॉडल विश्व में चर्चा का विषय बनता है। भारत के अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्ति की उपलब्धि विदेश में प्रवासी भारतीयों को आत्मसंतोष और सम्मान की भावना देती है। इससे प्रवासियों के बीच एक सकारात्मक उदाहरण स्थापित होता है कि भारत की विविधता बाहरी देशों में भी सफल हो सकती है। इससे युवाओं में सहभागिता और समाज के सभी वर्गों में सामंजस्य की भावना बढ़ती है।

भारतीय मूल के मुसलमान के विदेश में मेयर बनने से देश को राजनीतिक और सांस्कृतिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं। भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि लोकतंत्र, विविधता और सहिष्णुता के रूप में मजबूत होती है, जिससे भारत को वैश्विक मंचों पर अधिक सम्मान और समर्थन मिल सकता है। भारत की सांस्कृतिक विरासत, धर्म, भाषा और परंपराओं का वैश्विक प्रचार होता है, जिससे भारतीय संस्कृति की पहचान और सम्मान विदेशों में बढ़ता है। इस तरह की उपलब्धि से सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और भारतीय कला, संगीत, साहित्य की वैश्विक लोकप्रियता बढ़ती है। विविधता में एकता का संदेश विश्व के सामने प्रस्तुत होता है। इससे प्रवासी भारतीयों में सांस्कृतिक गर्व और आत्मसम्मान की भावना मजबूती पाती है। इन लाभों के माध्यम से भारत न केवल वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति बढ़ा सकता है, बल्कि अपनी राजनीति और संस्कृति की विविधता एवं समावेशिता को नई पहचान दिला सकता है।

इस तरह की उपलब्धियां राजनीतिक जागरूकता, सामुदायिक संगठन, लॉबिंग और अपने अधिकारों के लिए सामूहिक स्वर मजबूत करती हैं। भारत के राजनीतिक हितों की वकालत राजनीतिक रूप से सक्रिय भारतीय डायस्पोरा भारत के हितों के संरक्षक और प्रवक्ता के रूप में काम कर सकते हैं, जिससे मेजबान देश की नीतियों पर सकारात्मक प्रभाव संभव है। ऐसे नेतृत्व से भारत के लिए निवेश, कूटनीतिक सहयोग और सांस्कृतिक विनिमय के नए अवसर खुल सकते हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर पद पर जोहरान ममदानी की जीत एक राजनीतिक संकेत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए यह एक बड़ा झटका भी माना जा रहा है।

आमने

कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों को कई अवसर दिए हैं। केवल कांग्रेस ने ही अल्पसंख्यकों को बड़े पद दिए हैं। कांग्रेस का मतलब मुस्लिम और मुस्लिम का मतलब कांग्रेस है।

–ए रेवंत रेड्डी
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

सामने

कांग्रेस शासन में सबसे अधिक सांप्रदायिक दंगे हुए, तो वह कैसे कह सकते हैं कि कांग्रेस का मतलब मुस्लिम है? हालांकि, यह सांप्रदायिक और बेहद आपत्तिजनक बात है। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री हताश हैं, क्योंकि वह उपचुनाव हारने वाले हैं।

–एन रामचंद्र राव
भाजपा अध्यक्ष, तेलंगाना

गुप्त परमाणु हथियार परीक्षण की आशंकाएं

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा 'बयान-बम' फोड़ा है। विवादित बयानों को लेकर चर्चित ट्रंप ने दावा किया है कि चीन और पाकिस्तान गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण में लगे हैं। रूस और उत्तर कोरिया भी परमाणु परीक्षण कर अपने हथियारों की ताकत टटोल रहे हैं। ये देश कभी भी यह बात स्वीकारने को तैयार नहीं हैं कि वे परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। ये देश भूमि की बहुत गहराई में परीक्षण करते हैं, इसलिए इनके परीक्षण की आहट किसी के कानों में नहीं गूंजती है। इन देशों के लोग खुले समाज का हिस्सा नहीं हैं, अतएव यहां की जानकारियां गोपनीय बनी रहती हैं।

यह बात ट्रंप को इसलिए कहनी पड़ी, क्योंकि अमेरिका 30 साल बाद अपने परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से करने का फैसला ले चुका है। इसलिए उन्होंने अपनी सरकार के फैसले को पाक और चीन के परीक्षणों के परिप्रेक्ष्य में तार्किक ठहराने के लिए कही है। यह बात ट्रंप ने न्यूज चैनल सीबीएस से बात करते हुए कही है।

दरअसल रूस द्वारा ट्रंप से पूछा गया था कि 'क्या वे एडवांस न्यूक्लियर-कैपेबल सिस्टम, जिसके द्वारा पोसाइडन अंडरवाटर ड्रोन गतिविधि शामिल है, उसके परीक्षण के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण भी करेंगे?' इसके उत्तर में ट्रंप ने कहा, 'उनके पास किसी भी दूसरे देश से अधिक परमाणु हथियार हैं। इन हथियारों से दुनिया को 150 बार नष्ट किया जा सकता है। हम इन्हें नहीं परखते, किंतु जब दूसरे देश परीक्षण कर रहे हैं, तब हमें भी करने की जरूरत है।

ट्रंप ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के बुसान नगर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने से पहले अमेरिका द्वारा परमाणु परीक्षणों को फिर से शुरू करने का बयान दिया था। पानी के भीतर पोसाइडन ड्रोन प्रणाली एक ऐसी तकनीक है, जिसमें रोबोटिक वाहन पानी के नीचे सक्रिय रहते हैं। ये स्वायत्त रूप से संचालित रहने के साथ इन्हें रिमोट के जरिए दूर से भी संचालित किया जा सकता है। ये ड्रोन पनडुब्बी वाहनों के समान होते हैं, जो बिना किसी मानव के पानी के नीचे संचालन और अनुसंधान के लिए होते हैं।

किसी भी परमाणु हथियार संपन्न देश को परमाणु परीक्षण की जरूरत इसलिए होती है, क्योंकि परमाणु बम के लिए जरूरी यूरेनियम को संवर्धन (एनरिच) करना होता है। यह प्रक्रिया एक तकनीकी परीक्षण हैं। परमाणु परीक्षण की घोषणा किसी भी देश की ऐसी युद्ध रणनीति का हिस्सा है, जिससे वह शत्रु देश को अपनी ताकत का अहसास कराता है। भारत ने 1998 के बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है। अब चीन और पाक द्वारा गोपनीय रूप में परमाणु परीक्षण की बात सामने आई है। अतएव इन देशों से भारत को परमाणु हमले का खतरा बढ़ गया है, इसलिए भारत को भी अपने परमाणु हथियार दागने की तकनीक का परीक्षण करना जरूरी हो गया है, हालांकि भारत का सिद्धांत पहले परमाणु हमला नहीं करने का है, लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कह चुके हैं कि अब हम इस वचन के पालन के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं। पहले भी हमला कर सकते है। वैसे भी भारत ने परमाणु परीक्षणों को प्रतिबंधित करने वाली संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के कई देश न केवल परमाणु परीक्षण करने में लगे हैं, बल्कि घातक परमाणु हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ में भी लगे हैं। स्टॉकहोम स्थित 'अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (एसआईआरआई) के एक अध्ययन ने दावा किया है कि चीन के पास 350, पाकिस्तान 165 और भारत के पास जनवरी 2021 तक 156 परमाणु हथियार मौजूद थे। ये तीनों पड़ोसी देश अपने परमाणु शस्त्रागारों का विस्तार कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस समय 13,080 परमाणु हथियार दुनिया के देशों के पास हैं। इनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा रूस और अमेरिका के पास हैं।

इनके अलावा ब्रिट्रेन, फ्रांस, इजराइल और उत्तर कोरिया के पास भी हथियारों का बड़ा जखीरा है। चीन परमाणु हथियारों की संख्या को बढ़ाने के साथ उनका तकनीकी रूप से आधुनिकीकरण भी कर रहा है। इस समय रूस के पास 6,255, अमेरिका 5,550, फ्रांस 290, ब्रिट्रेन 225, इजराइल 90 और उत्तर कोरिया के पास 40-50 परमाणु हथियार हैं। ट्रंप तो सरेआम कह रहे हैं कि हमारे पास दुनिया को 150 बार तहस-नहस करने की परमाणु क्षमता है।

अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआईए के पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी केविन हलबर्ट की बात मानें तो पाकिस्तान दुनिया के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक देशों में से एक है। पाकिस्तान की यह खूंखार और डरावनी सूरत इसलिए बन गई है, क्योंकि तीन तरह के जोखिम इस देश में खतरनाक ढंग से बढ़ रहे हैं। एक आतंकवाद, दूसरी ढह रही अर्थव्यवस्था और तीसरे परमाणु हथियारों का जरूरत से ज्यादा भंडारण।

आर्थिक संकट के ऐसी ही बद्तर हालात से उत्तर कोरिया जूझ रहा है। मानव स्वभाव में प्रतिशोध और ईर्ष्या दो ऐसे तत्व हैं, जो व्यक्ति को विवेक और संयम का साथ छोड़ देने को मजबूर कर देते हैं। इस स्वभाव को क्रूरतम परिणति में बदलते हम अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर किए परमाणु हमलों के रूप में देख चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि चीन और पाकिस्तान समेत कई देश गुप्त परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। अगर यह सच है तो दुनिया में एक बार फिर परमाणु बमों की होड़ शुरू होने के आसार हैं।

प्रसंगवश

चुनाव में महज सियासी एजेंडा है बेरोजगारी

जब-जब लोकसभा या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव का समय आता है तो अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीके से एड़ी चोटी का जोर लगाती हैं। आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किन मुद्दों को लेकर ये अपनी उम्मीदवारी रख रही हैं। देश में बहुत सारी समस्याएं हैं, जिनका समाधान इतने वर्षों से नहीं हुआ है। जनता त्रस्त है। आम जनमानस में गुस्सा भरा हुआ है। बिहार चुनाव में भी रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया है, लेकिन पूर्व परिस्थितियों को देखते हुए इस बात का बिल्कुल भी यकीन नहीं है कि ये वादे पूरे भी होंगे।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। बीते वर्षों में देश में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक बढ़ी है। यूं तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखें नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर नई भर्तियां बंद हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथ ही साथ प्राइवेट सेक्टर में तो हाल बहुत ही बुरा है।

अमृता पांडे
लेखिका

कोरोना के समय लाखों लोगों ने अपनी नौकरियां गंवाईं। आज कई कंपनियां छंटनी कर रही हैं। 2024 को जैमिनी युग का नाम दिया गया है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बताया कि यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकी पर आधारित लैंग्वेज मॉडल है। एआई तकनीकी जगत में हलचल मचाने वाला सबसे बड़ा हथियार बन गया है। विभिन्न संस्थाओं में इंजीनियरिंग छात्रों की परीक्षाएं हो चुकी हैं। छोटी-छोटी जगह में संसाधनविहीन कॉलेज खुले हैं। हर साल 15 लाख के लगभग छात्र पासआउट हो कर आते हैं, पर नौकरी एक से डेढ़ फीसदी छात्रों को ही मिलती है।

आईआईटी मुंबई के 36 प्रतिशत पासआउट हुए छात्रों को वर्ष 2024 में नौकरी नहीं मिली। द टाइम्स ऑफ इंडिया समेत कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में यह रिपोर्ट देखी थी। आईआईएम के छात्रों को नौकरी नसीब नहीं है। विश्वविद्यालय से पासआउट होने वाले छात्रों का भी यही हाल है। अर्थव्यवस्था बढ़ती तो रोजगार के द्वार भी अवश्य खुलते। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार 25 साल में नौकरियां में सबसे ज़्यादा कटौती हुई। रेलवे, पुलिस, पोस्ट ऑफिस में ढेरों पद खाली हैं। ईपीएफ में जुड़ने वाले कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है। कर्मचारियों पर काम का बोझ बहुत है और वे दूसरी नौकरी की तलाश में हैं। काम के घंटे बढ़ रहे हैं, जबकि मनोवैज्ञानिक काम के घंटों के बीच आराम की वकालत करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन और मानव विकास संस्थान की इंडिया अपॉइंटमेंट रिपोर्ट-2024 के अनुसार देश में नियमित वेतन पाने वाले और स्वरोजगार में लगे लोगों की वास्तविक कमाई में पिछले एक दशक के दौरान गिरावट आई है। यह आकलन मुद्रा स्फीति की दर के आधार पर किया गया है। लगभग पौने दो करोड़ युवाओं ने 2024 के लोकसभा चुनाव में रोजगार की उम्मीद में वोट डाले थे। युवाओं का वोट बैंक राजनीतिक पार्टियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन फिर भी प्रमुख राजनीतिक दलों के चुनाव पत्रों से रोजगार जैसे मुद्दे गायब दिखाई देते हैं। बेरोजगारी के कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दुष्प्रभाव हैं, जैसे मानसिक तनाव, विवाह की उम्र में देरी होना, पारिवारिक कलह, जीवन से विरक्ति आदि। जरूरत है कि राजनीतिक पार्टियों थोड़ा संवेदनशीलता दिखाकर रोजगार जैसे गंभीर मुद्दों पर सोचें और विचारें।

सोशल फोरम

जब एक्सरे के खतरे से वाकिफ नहीं थी दुनिया

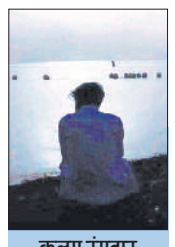

कलम रंगदार
ब्लॉगर

यह तस्वीर लगभग 1900 के आसपास रॉयल लंदन हॉस्पिटल के एक एक्स-रे तकनीशियन के हाथ की है। इसमें उस नुकसान को दिखाया गया है, जो बार-बार विकिरण (radiation) के संपर्क में आने से हुआ। उस समय तकनीशियन हर सुबह अपनी मशीन को जांचने और सेट करने के लिए अपने ही हाथ का एक्स-रे लिया करते थे। आप सोच सकते हैं- वे इसके बजाय मांस का टुकड़ा या चिकन की टांग क्यों नहीं इस्तेमाल करते थे?

असल में, 1900 के दशक में लोगों को विकिरण के खतरों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। सबको लगता था कि यह पूरी तरह सुरक्षित है। उस समय एक्स-रे मशीनें इतनी नई और आकर्षक चीज थीं कि कई लोग घर पर खुद की एक्स-रे मशीनें बना लेते थे- शौक के तौर पर। दुर्भाग्य से, बाद में उन शुरुआती लोगों को गंभीर बीमारियों, कैंसर और हाथ-पैर कटवाने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ा।

एक्स-रे की खोज सिर्फ कुछ साल पहले, 1895 में विल्हेम कॉनराड रॉन्टजन (Wilhelm Conrad Rntgen) नाम के एक जर्मन इंजीनियर और भौतिक वैज्ञानिक ने की थी। उन्होंने इन किरणों को 'एक्स-रे' इसलिए कहा क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि यह वास्तव में क्या हैं, इसलिए उन्होंने 'X' का इस्तेमाल 'अज्ञात' के प्रतीक के रूप में किया।

कुछ यूरोपीय देशों में आज भी इन्हें 'रॉन्टजन रे' कहा जाता है, उनके सम्मान में। रॉन्टजन ने अपनी खोज का पेटेंट नहीं कराया, क्योंकि उनका मानना था कि यह खोज मानवता के भले के लिए सबके लिए मुफ्त उपलब्ध होनी चाहिए। उनके इस अद्भुत आविष्कार के लिए उन्हें 1901 में पहला नोबेल पुरस्कार (भौतिकी) दिया गया।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

जलवायु जोखिम से शेयर धारकों की संपत्ति पर असर

भारत में जलवायु जोखिम अब सीधे शेयरधारकों की संपत्ति, कंपनियों की डिविडेंड यील्ड और ऊर्जा कंपनियों की बैलेंस शीट को प्रभावित कर रहा है। एक तरफ बिजली की मांग लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है, तो दूसरी तरफ असमान मानसून, हीटवेव और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाएं ईंधन आपूर्ति, उत्पादन दक्षता और पूंजीगत निवेश योजनाओं को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। वर्ष 2024–25 में भारत ने अधिकतम 250 गीगावॉट बिजली की मांग को पूरा किया, जो दर्शाता है कि बिजली की खपत कितनी तेज़ी से बढ़ रही है, लेकिन इतनी ऊंची मांग को पूरा करने के लिए कंपनियों को बढ़ती इनपुट लागत, महंगे ईंधन और ऋण पर बढ़ते ब्याज की चुनौती झेलनी पड़ रही है, जिससे उनका लाभांश वितरण और नकदी प्रवाह कमजोर पड़ रहा है।

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

वैश्विक स्तर पर 2024 में फॉसिल ईंधन से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 37.4 बिलियन टन तक पहुंच गया, जो नया रिकॉर्ड है। भारत का योगदान लगभग 8% रहा और यह वर्ष दर वर्ष लगभग 4.6% की दर से बढ़ा। यह दर्शाता है कि भारत की ऊर्जा उत्पादन संरचना अभी भी कोयले पर अत्यधिक निर्भर है। सरकार ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस दिशा में काम करने के लिए ऊर्जा कंपनियों को भारी पूंजी निवेश करना पड़ रहा है। यह निवेश उनकी बैलेंस शीट पर दबाव डालता है, जिससे उनका ऋण अनुपात बढ़ता है और लाभांश भुगतान की क्षमता घटती है।

30 सितंबर 2025 तक भारत की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 500.89 गीगावॉट तक पहुंच गई है। इसमें गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता का हिस्सा 50 फीसद से अधिक हो गया है, लेकिन वास्तविक बिजली उत्पादन में इन स्रोतों का योगदान अभी भी लगभग 22% के आसपास है। इसका कारण है कि सौर और पवन ऊर्जा मौसम पर निर्भर हैं और इनके लिए बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण और ट्रांसमिशन निवेश की आवश्यकता होती है। इन परियोजनाओं में प्रारंभिक निवेश अधिक होता है और रिटर्न लंबी अवधि में आता है, जिससे कंपनियां अल्पावधि में डिविडेंड की बजाय पुनर्निवेश को प्राथमिकता देती हैं।

वर्ष 2024 के मानसून में जहां उत्तर और पश्चिम भारत में अत्यधिक वर्षा हुई, वहीं दक्षिण भारत के कई हिस्सों में सूखा जैसी स्थिति बनी रही। इस असमान मौसम ने जलविद्युत उत्पादन को प्रभावित किया और कोयला परिवहन में बाधा पहुंचाई। इसके परिणामस्वरूप ऊर्जा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी और उनके EBITDA मार्जिन में 3–4 फीसदी की गिरावट आई। उदाहरण के लिए, NTPC और टाटा पॉवर जैसी कंपनियों को अपने तापीय संयंत्रों में कोयला लागत बढ़ने और नवीकरणीय परियोजनाओं में अतिरिक्त निवेश के कारण अपने डिविडेंड पेआउट अनुपात में 25–30 प्रतिशत की कटौती करनी पड़ी।

CO उत्सर्जन के साथ-साथ, कार्बन टैक्स और ग्रीन कंप्लायंस जैसे नियमों के कारण ऊर्जा कंपनियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। प्रति मेगावॉट बिजली उत्पादन पर औसतन 450–600 रुपये की अतिरिक्त लागत कार्बन उत्सर्जन से जुड़ी अनुपालन गतिविधियों पर खर्च हो रही है। इसके चलते कंपनियों की नकदी प्रवाह पर दबाव बन रहा है और डिविडेंड वितरण में कमी आ रही है। दूसरी ओर, निवेशक अब कंपनियों की ESG रेटिंग और जलवायु नीतियों को उनके मूल्यांकन में शामिल करने लगे हैं। जिन कंपनियों का कार्बन फुटप्रिंट अधिक है, उनके शेयर मूल्यों में गिरावट देखने को मिली है, जबकि हरित ऊर्जा की दिशा में काम करने वाली कंपनियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

चंद्राकार पर्वतों की नगरी चंदेरी

चंद्राकार पर्वतों की गोद में विन्ध्य पर्वत श्रृंखला में आबाद मालवा का प्रवेश द्वार चंदेरी को अपनी शानदार विरासत के लिए यहां की कला एवं हस्तशिल्प को यूनेस्को की विश्व धरोहर की क्रियेटिव सिटी की सूची में नामित किया गया है। ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध चंदेरी पर प्रकृति ने खूब मेहरबानी की है। प्रकृति की अनमोल धरोहरों वनों और झरनों की खुशबू से लेकर कला और पुरासंपदा, ऐतिहासिक किले चंदेरी को खास बनाते हैं। चेदि राज्य की अतीत में राजधानी रही वर्तमान चंदेरी प्रतिहार वंश के प्रतापी राजा कीर्तिपाल की ऋणी है, जिनके शासनकाल में बूढ़ी चंदेरी के स्थान पर नई चंदेरी को दशमी/ग्यारहवीं शताब्दी में बसाया गया था। महाभारत काल से काल के थपेड़े सहता रहा यह नगर अभी भी रहस्य ही है। कवि कालिदास ने मेघदूत के विदिशा जाने वाले मार्ग पर प्राचीन नगरी के संदर्भ में भले ही स्पष्ट संकेत नहीं दिए, पर इतिहास बताता है कि गुप्तवंश, प्रतिहारवंश, मुस्लिम आक्रांताओं, बुंदेला राजपूतों एवं सिंधियाओं ने यहां पर शासन किया।

सुरेंद्र अग्निहोत्री
लखनऊ

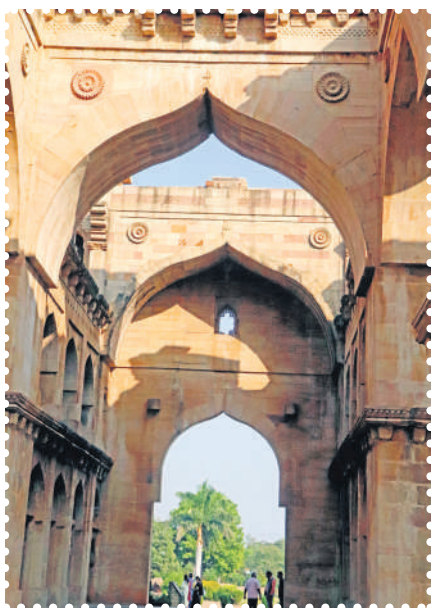

वर्तमान चंदेरी नगरी को प्रतिहारवंश महाराज कीर्तिपाल कुरुमदेव ने दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी के बीच बसाया था। नगरी का विस्तार 30 मील तक का था। मुगलकाल में इसकी जनसंख्या 1 लाख 75 हजार बताई गई है, जिसके प्रत्यक्ष प्रमाण आज भी उत्तर-पश्चिम में बूढ़ी चंदेरी, हंसारी, दक्षिण पूर्व में बेंहटी, बारी, तपाई, पंचमनगर, दक्षिण-पश्चिम में थूबोनजी, सीतामढ़ी, ख्यावदा, बीठला, भियांदात आदि हैं। इस समूचे क्षेत्र में पुरातत्व महत्व की विपुल सामग्री यत्र-तत्र बिखरी हुई है। राजवंशों के कार्यकाल में अनेकों उत्कृष्ट श्रेणी के निर्माण कार्य हुए हैं, जो स्थापत्य कला के अनूठे प्रमाण हैं। शिलालेखों से पता चला है कि यहां स्थापत्य कला गुप्तकाल की है। चंदेरी नगरी के अनेक नयनाभिराम मंदिर, मस्जिद, मठ, सराय, मकबरे, बावड़ियां, महल एवं किला आदि उल्लेखनीय हैं। चंदेरी नगरी 7 परकोटों के बीच बसी हुई थी, जिनमें अनेक प्रवेश द्वार थे। मुख्य दरवाजों के नाम यथा- दिल्ली दरवाजा, ढोलिया दरवाजा, खिड़की दरवाजा, पखन दरवाजा, पिछारे दरवाजा, रेतबाग का दरवाजा, बिना नींव का दरवाजा, बादल महल का दरवाजा, जौहरी दरवाजा एवं कटी घाटी दरवाजा के नाम से आज भी प्रचलित हैं।

वीर भूमि बुंदेलखंड की स्थापत्य कला का बेजोड़ स्थल 'कीर्ति दुर्ग' इतिहास के उस कालखंड का चंदेरी मुस्लिम आक्रांताओं के रक्तपात की शिकार बनी। चंदेरी राज्य का मुख्य प्रवेश द्वार खूनी दरवाजा कहलाता है। यह द्वार राजा मेदनीराय की वीरगति का साक्षी है। 28 जनवरी सन् 1528 को बाबर ने पहाड़ों को काटकर हमला किया था। यह स्थल कटी घाटी के नाम से प्रसिद्ध है। यह युद्ध के संदर्भ में बाबर द्वारा लिखित पुस्तक "तुजक-ए-बाबरी" के अनुसार दिसंबर, 1527 में बाबर ने चंदेरी में प्रवेश का मार्ग उत्तर दिशा से चुना और अपनी सेना का शिविर बत्तीसी बावड़ी पर स्थापित कर जनवरी, 1528 में युद्ध के नगाड़े बजा दिए। बाबर ने चंदेरी को चारों ओर से घेर लिया। राजपूतों ने दुर्ग बचाने के लिए भीषण प्रतिरोध किया, लेकिन विजय लुटेरे बाबर को मिली, तो हजारों क्षत्राणी वीरांगनाओं ने अपने सतीत्व की रक्षा के लिए विक्रम संवत् 1584, माघ सदी 8, बुधवार को किले में ही एक तालाब के किनारे जौहर किया। इस जौहर में मेदनीराय की पत्नी मणिमाला तथा उनकी सहेली ने भी अपने आपको शामिल किया। यह जौहर अपने आप में तत्कालीन राजाओं के चरित्र को इंगित करता है। इस स्थल पर एक स्तंभ बना है। इसके निर्माण में ग्वालियर राज्य ने सहयोग किया था। स्तंभ पर सुरुचिपूर्ण ढंग से जौहर के दृश्य के अतिरिक्त स्वर्ग में शिवपूजन का दृश्य अंकित है। समीप ही संगीत सम्राट 'बैजू बावरा' की समाधि एकांत में अपने अतीत की गाथा सुना रही है। इसी पहाड़ी पर किला कोठी है, जिसका संचालन लोक निर्माण विभाग के अधीन है। नौ खड़ा महल कभी चंदेरी राज्य का सबसे सुंदर महल था। आज खंड-खंड हो चुका है। स्मृति शेष पाषाण खंड अपने सुनहरे दिनों को ताजा किए है।

प्राचीन काल में चेदि राज्य पर राजा शिशुपाल का शासन था। इस राज्य के अवशेष मात्र ही शेष हैं। लोकश्रुति के अनुसार राजा शिशुपाल ने, जो भगवान कृष्ण से ईर्ष्या रखता था, अपने राज्य में प्रजा को मोर मुकुट के आकार युक्त जूते पहनवाए, जो यदाकदा ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी प्रचलित है। चंदेरी में वैसे तो अनेक तालाब हैं, लेकिन 'परमेश्वर तालाब' का विशेष महत्व है। इसके घाट पर बना लक्ष्मण मंदिर का प्रतिबिंब अपनी अनोखी आभा प्रस्तुत करता है।

दर्शनीय स्थल

- **चंदेरी का किला-** ग्यारहवीं शताब्दी में कीर्ति पाल द्वारा निर्मित चार मील से अधिक लंबी चंदेरी की दीवार, चंदेरी के इतिहास की मूक साक्षी है। परकोटे के अंदर बुंदेलखंड स्थापत्य के नौखड़ा महल और हवा महल दर्शनीय है।
- **जागेश्वरी देवी मंदिर :-** यह प्राचीन मंदिर पर्वत की एक खुली गुफा में स्थित है, इसकी मूर्ति स्वयंभू है। लोकश्रुति के अनुसार मां जागेश्वरी ने यहां के राजा को स्वप्न में कहा था कि मुझे नौ दिन नहीं देखा, तो मैं पूर्ण रूप में प्रकट हो सकती हूं। दर्शन की तीव्रता के कारण तीसरे दिन द्वार खोलने के कारण सिर्फ शीर्ष भाग ही मिला, जो मंदिर में स्थापित है। मंदिर के पास बना आकर्षित करता तालाब चंदेल कालीन कला का अनुपम उदाहरण है।
- **बूढ़ी चंदेरी :-** मौजूदा चंदेरी से 22 किमी की दूरी पर स्थित हैं। यहां 55 जैन मंदिरों के अवशेष मिलते हैं।
- **थूबोन जी :-** चंदेरी से 28 किमी की दूरी पर स्थित यहां दिगंबर जैन समाज के 16 जैन मंदिर हैं। निकट ही थूबोन नाम का एक ग्राम है, जहां भारतीय पुरातत्व विभाग का मूर्ति संग्रहालय तथा इसके आसपास दसवीं शताब्दी के अनेक जैन मंदिर उल्लेखनीय हैं।
- **बैंहटी मठ :-** चंदेरी से 18 किमी की दूरी पर दक्षिण-पूर्व दिशा में घने जंगलों के बीच स्थित यह मठ गुप्तकाल में तांत्रिकों की साधनास्थली रहा है। इसके 16 स्तंभों को पत्थर की बारीक कटाई से शेर, हाथी, मोर, घोड़े, हिरण, कमल के फूल एवं देवी देवताओं से सुसज्जित किया गया है।
- **देवी प्रतिमा-** चंदेरी से 12 किमी दूर वेदी की एक विलक्षण प्रतिमा है, जो अत्यंत प्राचीन एवं मनमोहक है।
- **खंदारगिरि-** यह स्थल चंदेरी से 2 किमी की दूरी पर दक्षिणांचल में स्थित। यहां पर सत्रहवीं शताब्दी से लेकर सोलहवीं शताब्दी तक की विशाल और भीमकाय शैल प्रतिमाएं बनी हुईं हैं।
- **दिल्ली दरवाजा :-** इस विशाल एवं कलात्मक द्वार का निर्माण दिलावर खां गौरी ने 1411 में निर्मित कराया था। इस महल के नीचे एक विशाल तालाब है, जहां हमेशा कमल के फूल खिले रहते हैं। यह तालाब बड़ा ही रमणीक लगता है। इसका निर्माण होशंगशाह गौरी ने 1433 ई. में कराया था।
- **कौशल महल :-** चंदेरी नगर से 4 किमी दूर फतेहाबाद गांव के पास मालवा के सुल्तान महमूद शाह प्रथम के द्वारा निर्मित 'कौशल महल' अपने अनूठी शैली के कारण मोहित करता है। चौकोर महल के चार प्रवेश द्वार हैं। यह विशाल महल वर्गाकार अफगान शैली में बना है तथा स्थापत्य कला का उकृष्ट नमूना है। इसका निर्माण महमूद खिलजी ने जौनपुर की जीत की खुशी में 1445 ई. में कराया था एवं इसका नाम कौशकेहफ्त मंजिल रखा था।
- **बत्तीस बाबड़ी :-** चंदेरी से 2 किमी दूर उत्तर-पश्चिमी दिशा में तत्कालीन गर्वनर शेरखां ने सुल्तान गयासुद्दीन खिलजी के आदेशानुसार 1485 ई. में बत्तीस बावड़ी का निर्माण कराया था। इसमें पानी का स्तर हर घाट पर बराबर रहता है। यह बाबड़ी चंदेरी की 1200 बाड़ियों में विशेष स्थान रखती है।
- **जौहर स्मारक :-** चंदेरी के दक्षिण में चन्द्रगिरि पर्वत के ऊपर, किले के समीप जौहर स्मारक स्थित है। 1528 ई. में जब मुगल बादशाह बाबर ने महाराजा मेदनी राय को पराजित कर यह प्रसिद्ध दुर्ग छीना, तब 1500 राजपूत वीरांगनाओं में अपने सतीत्व की रक्षा के लिए जीवित ही अपने को अग्नि में समर्पित कर जौहर व्रत निभाया था। यह स्मारक इस घटना की याद दिलाता है।

ऐसे पहुंचें चंदेरी

वायु सेवा- ग्वालियर 259 किलोमीटर, भोपाल 258 किलोमीटर निकटवर्ती हवाई अड्डे हैं।

रेल सेवाएं- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई मुख्य रेल मार्ग पर निकटवर्ती रेलवे स्टेशन ललितपुर (36 किमी), झांसी (124 किमी), मुंगावली (38 किमी) और अशोक नगर (46 किमी)।

सड़क मार्ग- शिवपुरी, ग्वालियर, अशोकनगर, गुना इंदौर, झांसी, ललितपुर, टीकमगढ़, विदिशा, सांची, भोपाल के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है।

अनुकूल मौसम :- जुलाई से मार्च।

गलती से मिली सीख बनी सच्ची पहचान

आपबीती

वर्ष 1980 की बात है। पिता चंपावत जिले के सुदूर गांव तरकुली के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। मैं तब कक्षा एक में था। शाम के समय पिताजी खाना बनाने की तैयारी करते और मैं पास ही बैठकर बीबीसी रेडियो पर समाचार लगाया करता। उन्होंने मुझे एक एटलस देकर कहा कि समाचार में जिस देश का नाम आए, उसे नक्शे पर खोजकर दिखाना है। यह रोजाना का क्रम था। एक दिन वेस्टइंडीज के क्रिकेट मैच की चर्चा चल रही थी। मैं नक्शे में उसे ढूंढने लगा, पर कहीं नहीं मिला, जब मैंने पिताजी को बताया कि यह देश नहीं मिल रहा, तो उन्होंने गुस्से में एक थप्पड़ लगा दिया। बाद में जब खुद उन्हें भी वेस्टइंडीज नहीं मिला, तो वे शर्मिंदा हुए। अगले दिन वे पास के जूनियर हाईस्कूल गए, जानकारी जुटाई और विद्यालय में सभी के साथ साझा की। तभी उन्होंने सिखाया कि गलती मानना और उससे सीखना ही सच्चे शिक्षक की पहचान है। वेस्टइंडीज कोई देश नहीं, बल्कि कैरेबियाई द्वीपों का समूह है, जो खेलों में एक इकाई के रूप में भाग लेते हैं। यह ज्ञान तो बाद में मिला, पर उस घटना ने मुझे सीख दी कि सच्ची शिक्षा वही है, जो जिज्ञासा को जीवित रखे और सत्य की खोज में ईमानदारी बरते।

एक और घटना मेरे बचपन की यादों में दर्ज है। जब मैं कक्षा तीन में था, पिताजी ने मुझे ब्लैकबोर्ड पर गणित का सवाल हल करने को कहा-एक भैंस का मूल्य सात सौ पच्चीस रुपये है। मैंने लिखा 70025 रुपये, उस समय समझ नहीं पाया कि सात सौ पच्चीस का अर्थ 725 होता है, न कि सत्तर हजार पच्चीस। गलती पर डांट और कुछ थप्पड़ भी पड़े, पर बाद में वही गलती मेरे जीवन की सबसे बड़ी सीख बनी। आज, जब मैं स्वयं गणित का प्राध्यापक हूं, तो समझ पाता हूं कि बच्चों को सिखाने का अर्थ सिर्फ सही उत्तर दिलाना नहीं, बल्कि उन्हें समझाने और दृश्य रूप में दिखाने का हुनर सिखाना है। शिक्षा संस्थानों में आज भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन यदि हम ईमानदारी और लगन से अपना कार्य करते रहें, अपनी गलतियों से सीखते रहें और उस सीख को साझा करें तो यही सच्ची शिक्षा है।

डॉ. नरेंद्र सिंह सिजवाली
असिस्टेंट प्रोफेसर
एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी

लव बर्ड्स

लस्सी पर किया प्रपोज

मई 2018 की एक तपती दोपहर में वेटर ने तेजी से लस्सी के दो कुल्हड़ मेज पर रखें। उनमें से एक कुल्हड़ हल्का-सा डगमगाया, लेकिन एक नाजुक से हाथ ने उसे थामकर गिरने से बचा लिया। सामने बैठे लड़के को लगा कि जैसे डगमगाता हुआ कुल्हड़ और उसे थामने वाला हाथ उसका भविष्य हो।

इतने शॉर्ट नोटिस में, तपती धूप में भूखी-प्यासी कई ऑटो-टेपो बदलकर इस छोटे से रेस्तरां तक पहुंची लड़की वैसे तो भीतर ही भीतर झल्लाई हुई थी, पर फिर भी खुद को शांत रखते हुए धीमे से लस्सी का एक सिप लिया और पूछा- "हमें तो बच्चों के पास संडे को जाना था, आपने अचानक मुझे यहां क्यों बुला लिया?"

लड़के ने रेस्तरां के हल्के नीले कांच के बाहर कुछ यूं देखा जैसे शब्द तलाश रहा हो। फिर अपनी आंखों से काला चश्मा उतारकर मेज पर रखा और सीधे लड़की की आंखों में देखते हुए कहा- "मुझसे शादी कर लीजिए।" "क्या मतलब?" लड़की लस्सी और शब्दों को साथ में घोलती हुई बोली- "आप समझ रहे हैं कि क्या बोल रहे हैं?"

"हां! देखिए, आप मेरा अतीत और वर्तमान सब जानती हैं। मेरे घर वालों को भी आप पसंद हैं और कहीं न कहीं आपको तो शादी करनी ही है न, तो मुझसे ही कर लीजिए।" लड़का, लड़की के ऊपरी होंठ पर लगी लस्सी की सफेद मूंछ को देखते हुए एक सांस में बोल गया। "नहीं, करनी नहीं है। मेरी शादी करीब-करीब फाइनल हो गई है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, बैंगलोर में। यहीं स्वरूप नगर में मकान है उनका और अब तो सगाई की डेट फाइनल होने वाली है।" लड़की ने सारी संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगाते हुए कहा।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर यानी लाखों में कमाई और मैं एक अदना-सा कलम घसीटने वाला लेखक, जिसके नाम के साथ बदनामी ज्यादा जुड़ी है। उसका बड़ा घर और मेरा खानाबदोश-सा जीवन। उसका बेहतर और चमकदार भविष्य और मैंने तो आज तक आने वाले कल के बारे में सोचा तक नहीं। लड़का खुद-ब-खुद उस सॉफ्टवेयर इंजीनियर से अपनी तुलना करने लगा। लड़की भी चुप थी। उनके बीच का मौन अतीत बोल रहा था। उन्हें याद आ रहा था- एक व्हाट्सएप ग्रुप में पहली बार बात होना, हर इतवार साथ में अनाथ बच्चों के पास जाना, लड़के की किसी लड़की से दस साल पुरानी मोहब्बत का अंत होना और उस दौरान लड़की का उसे एक अच्छी दोस्त की तरह संभालना। कितना कुछ था, जो सिर्फ "प्रेम" शब्द में परिभाषित नहीं हो सकता था।

"ठीक है पर अगर तुम मुझसे शादी करती हो, तो तुम्हें अपना शहर भी नहीं छोड़ना होगा और मैं तुम्हें खुश रखूंगा।" लड़के ने अंतिम बात कहकर आंखों पर चश्मा लगाते हुए वेटर को बिल लाने का इशारा किया।

लड़की जानती थी, एक तरफ बैंगलोर वाला अनजान लड़का है और दूसरी तरफ उसका थोड़ा-सा अजीब दोस्त। एक तरफ सब सेट और एक तरफ सिर्फ संघर्ष, लेकिन वह जानती थी कि उसका दोस्त अब उसकी उम्र भर के लिए जरूरत है। "सगाई की डेट अभी फाइनल नहीं हुई है, शायद अब हो भी न।" लड़की ने हल्की-सी मुस्कान के साथ कहा। "मतलब क्या?" अब हैरानी की बारी लड़के की थी। "मतलब लस्सी पिलाकर प्रपोज करने का तरीका एकदम घटिया था लेखक महोदय, पर फिर भी मैं इसे मना नहीं कर रही हूं। बाकी घर जाकर बताती हूं।"

आज वह लड़का और लड़की इस शहर में "मृदुल-प्रिया" के नाम से जाने जाते हैं। लोग उन्हें प्रेम नहीं, दो अस्तित्वों की पूर्णता कहते हैं।

-मृदुल और प्रिया

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,216.28	25,492.30
गिरावट	94.73	17.40
प्रतिशत में	0.11	0.07

सोना 1,24,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,300 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 8 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

बीएचईएल को मिला 6,650 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। सार्वजनिक इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में दर्लीपाली सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में 800 मेगावाट की इकाई स्थापित करने के लिए एनटीपीसी से 6,650 करोड़ का ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि बीएचईएल को एनटीपीसी से 1x800 मेगावाट दर्लीपाली एसटीपीपी के दूसरे चरण का ठेका मिला है। यह ठेका इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) कार्यों से संबंधित है। इसमें डिजाइन, इंजीनियरिंग, उपकरणों की आपूर्ति के साथ निर्माण और उसे चालू करने का काम भी है। इसका आकार जीएसटी छोड़कर 6,650 करोड़ है। इसे 48 महीने में पूरा करना है।

स्टड्स की शुरुआत धीमी, 3% लुढ़का

नई दिल्ली। हेलमेट विनिर्माता स्टड्स एक्सेसरीज लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 585 के मुकाबले तीन प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शुरुआत निर्गम मूल्य से 2.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 570 रुपये पर हुई। एनएसई पर यह 3.41 प्रतिशत फिसलकर 565 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,255.54 करोड़ रहा। स्टड्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन शुक्रवार को 73.25 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 455 करोड़ रुके आईपीओ के लिए 557-585 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया था।

3,145 करोड़ में वेलस्पन बनाएगा जल शोधन संयंत्र

नई दिल्ली। वेलस्पन एंटरप्राइजेज लिमिटेड (डब्ल्यूईएल) को महाराष्ट्र के पंजरापुर में 91 करोड़ लीटर प्रतिदिन क्षमता के जल शोधन संयंत्र के डिजाइन, निर्माण और परिचालन के लिए 3,145 करोड़ का नया ठेका मिला है। वेलस्पन ने कहा कि उसने इस परियोजना के लिए प्रौद्योगिकी प्रदाता के रूप में जल प्रबंधन प्रौद्योगिकियों में वैश्विक अग्रणी वेओलिया के साथ साझेदारी की है। इस परियोजना में व्यापक सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इंस्ट्रूमेंटेशन कार्यों के साथ उपयारित जल संप व पंपिंग स्टेशन का निर्माण भी शामिल है।

आरबीआई सावधानी से बढ़ रहा आगे : मल्होत्रा

केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा- साहस की आवश्यकता के कारण बैंक मानदंडों में दी गई ढील

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन साहस दिखाने की आवश्यकता के कारण हाल ही में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दी गई है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आयोजित बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि बैंकों पर अधिक जिम्मेदारियां उनके बेहतर प्रदर्शन एवं बेहतर कामकाज के कारण हैं। केंद्रीय बैंक के पास किसी भी गलत व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त साधन मौजूद हैं। आरबीआई सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना चाहता है। कोई भी नियामक 'बोर्डरूम' के निर्णय का स्थान नहीं ले सकता है और न ही उसे ऐसा करना चाहिए।

मुंबई में एसबीआई के सभा को संबोधित करते संजय मल्होत्रा।

- **कहा- केंद्रीय बैंक के पास गलत व्यवहार पर लगाम लगाने को पर्याप्त साधन मौजूद**

प्रत्येक मामले को विनियमित संस्था द्वारा योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए। आरबीआई ने पिछले महीने कई उपायों की घोषणा की थी जिनमें बैंकों को घरेलू अधिग्रहणों के लिए धन मुहैया कराने और रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए विदेशी उधारी लेने की अनुमति देना शामिल है। पदभार ग्रहण करने के बाद से मल्होत्रा ने कारोबार को आसान बनाने और किसी भी कदम की घोषणा करने से पहले नियमों को ध्यान में रखने पर जोर दिया है।

मल्होत्रा ने इन कदमों के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि जबकि हम सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं, हमें साहस भी दिखाना होगा। अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागते हुए वित्तीय स्थिरता से समझौता करने से वृद्धि पर दीर्घकालिक प्रभाव होगा जिससे लागत बढ़ सकती है। केंद्रीय बैंक को आर्थिक संदर्भ के प्रति सचेत रहने और संतुलन बनाने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट कंपनियों को विदेश से उधार लेने की अनुमति देने के कदम पर मल्होत्रा ने कहा कि ईसीबी की अनुमति केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों के अनुरूप परियोजनाओं के लिए है। किसी भी सट्टा गतिविधि या भूमि खरीद के लिए यह प्रतिबंधित रहेगा।

30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय क्षेत्र में और सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। भारत को 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में यह बात कही गई। इसमें स्वीकार किया गया कि भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी कार्यक्रमों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार किया है। रिपोर्ट में खाता उपयोग को और बढ़ावा देने, और व्यक्तियों तथा एमएसएमई के लिए वित्तीय उत्पादों की विस्तृत शृंखला तक पहुंच को आसान बनाने के सुझाव भी दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) का संयुक्त कार्यक्रम एफएसएपी है, जो किसी देश के वित्तीय क्षेत्र का व्यापक और गहन विश्लेषण करता है। वित्तीय क्षेत्र आकलन कार्यक्रम (एफएसएपी) सितंबर 2010 से प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण वित्तीय क्षेत्रों वाले क्षेत्राधिकारों के लिए अनिवार्य हो गया है। इस समय भारत सहित 32 क्षेत्राधिकारों के लिए हर पांच साल में और अन्य 15 क्षेत्राधिकारों के लिए हर 10 साल में वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसएपी) आयोजित करना अनिवार्य है। एफएसएपी के अंतिम भाग के रूप में आईएमएफ वित्तीय प्रणाली स्थिरता आकलन (एफएसएसए) रिपोर्ट व विश्व बैंक वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसए) रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। भारत के लिए पिछला एफएसएपी 2017 में हुआ था। एफएसएसए रिपोर्ट आईएमएफ द्वारा दिसंबर 2017 में और एफएसए रिपोर्ट विश्व बैंक द्वारा दिसंबर 2017 में प्रकाशित की गई थी।

भारत, न्यूजीलैंड के बीच चौथा दौर पूरा, शीघ्र अंतिम रूप देने पर बनी सहमति

रोटोरुआ, एजेंसी

मुक्त व्यापार समझौता

- **वार्ता वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक व तकनीकी सहयोग और निवेश पर रहा केंद्रित**

भारत और न्यूजीलैंड ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चौथे दौर की वार्ता शुक्रवार को पूरी कर ली। दोनों पक्षों ने इसको शीघ्र अंतिम रूप देने की दिशा में काम करने को लेकर सहमति व्यक्त की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के साथ इन वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए यहां पहुंचे हैं। गोयल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का चौथा दौर वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक व तकनीकी सहयोग और निवेश के अवसरों पर केंद्रित रहा। उन्होंने कहा, हम भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते रणनीतिक व आर्थिक संगम के अनुरूप एक संतुलित, व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को शीघ्र पूरा करने की दिशा में काम करने के लिए तत्पर हैं। इस तीन दिवसीय यात्रा के दौरान गोयल ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा करने के लिए उद्योग दिग्गजों के साथ बैठकें भी कीं।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा गोयल ने न्यूजीलैंड के कई व्यापारिक दिग्गजों के साथ बैठकें कीं। इनमें वैलोसिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कारमेन वाइसलिच, स्लंबरजोन के सीईओ रंजय सिक्का और मीट इंडस्ट्री एसोसिएशन के चेयरमैन नाथन गाय शामिल हैं।

चालू वित्त वर्ष में 6.8% से अधिक की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.8% से अधिक रहने का भरोसा जताते हुए कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और आयकर राहत से खपत में आई तेजी इसका मुख्य कारण है। जनवरी में संसद में पेश की आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर 6.3 से 6.8% के बीच रहने का अनुमान लगाया गया था।

नागेश्वरन ने ग्लोबल लीडरशिप समिट 2025 में कहा, अब मुझे 6.8% से ऊपर की दर सहजता से नजर आ रही है। अगस्त में हमें चिंता थी कि हम 6-7% की सीमा के निचले स्तर तक ही रह जाएंगे, लेकिन अब

- **नागेश्वरन बोले- जीएसटी दरों में कटौती और आयकर राहत से खपत में आई तेजी मुख्य कारण**

यह स्पष्ट है कि वृद्धि दर 6.5% से अधिक होगी और संभवतः 6.8% से भी ऊपर जाएगी। हालांकि 7% का आंकड़ा कहने से पहले दूसरी तिमाही के आंकड़ों का इंतजार रहेगा। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8% रही थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन और व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाओं एवं रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की मजबूती से हासिल हुई। पिछली सर्वाधिक 8.4% जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च 2024 में दर्ज की गई थी। चीन की वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में 5.2% रही थी। इस तरह भारत अब भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

नागेश्वरन ने कहा कि यदि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) संपन्न हो जाता है तो आर्थिक वृद्धि को अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर व्यापार मोर्चे पर कोई समाधान निकल आता है, तो वृद्धि का अनुमान और ऊंचा हो सकता है। उन्होंने यह समझौता जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई लेकिन इसकी कोई समयसीमा नहीं बताई।

शॉर्ट सेलिंग, एसएलबी ढांचे की समीक्षा को बनेगा कार्य समूह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि बाजार नियामक जल्द ही 'शॉर्ट सेलिंग' और प्रतिभूति उधारी (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा के लिए कार्य समूह का गठन करेगा। 'शॉर्ट सेलिंग' शेयर बाजार में कारोबार की रणनीति है, जिसमें निवेशक किसी शेयर के दाम गिरने की आशंका में मुनाफा कमाने की कोशिश करता है।

2007 में शुरू हुई शॉर्ट सेलिंग की रूपरेखा लगभग अपरिवर्तित रही है। 2008 में शुरू हुई और कई बार संशोधित की गई एलएलबी प्रणाली भी वैश्विक बाजारों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है, जिससे इसके गहन पुनर्मूल्यांकन की जरूरत उजागर होती है। ग्लोबल लीडरशिप समिट' में पांडेय ने कहा कि हम शॉर्ट सेलिंग और एसएलबी ढांचे की समीक्षा के लिए जल्द कार्य समूह का गठन करेंगे। एसएलबी प्रणाली के तहत, अपने डीमैट खातों में शेयर रखने वाले निवेशक या संस्थान, शुल्क लेकर उन्हें अन्य बाजार सहभागियों को उधार दे सकते हैं। यह लेनदेन शेयर बाजारों के मंच के माध्यम से निष्पादित किया जाता है। इसमें 'क्लियरिंग कॉर्पोरेशन' सुचारू एवं सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करने को लेकर गारंटी प्रदान करता है।

- **सेबी पांडेय ने बताया-स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा पहले से ही जारी**

विशेषज्ञों का कहना है कि उधारकर्ता आमतौर पर इन प्रतिभूतियों का इस्तेमाल 'शॉर्ट-सेलिंग' के लिए या निपटान विफलताओं से बचने के लिए करते हैं। निवेशकों को निष्क्रिय शेयर पर अतिरिक्त आय अर्जित करने में सक्षम बनाकर, एसएलबी ढांचा न केवल उधारदाताओं को लाभान्वित करता है बल्कि नगदी एवं समग्र बाजार दक्षता में भी सुधार करता है। पांडेय ने बताया कि स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा पहले से ही जारी है। सेबी प्रमुख ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के बहिर्वाह से जुड़ी चिंताओं पर भी बात की।

आईपीओ मूल्यांकन पर खुदरा निवेशकों के लिए और सुरक्षा उपायों की जरूरत: सेबी

मुंबई। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने शुक्रवार को कहा कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के मूल्यांकन को लेकर कोई नियामकीय कमी नहीं है, लेकिन हमें यह देखना होगा कि खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए हम और सुरक्षा उपाय कैसे कर सकते हैं। उन्होंने कंपनी संचालन से संबंधित शिखर सम्मेलन 'गेटकीपर्स ऑफ गवर्नेंस' के 10वें संस्करण में कहा कि बाजार नियामक का पूंजी निर्गम के नियंत्रण से हटना एक सही कदम है, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो। वार्ष्णेय ने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि इसमें नियामकीय कमी है, लेकिन इस बात पर विचार करना अच्छा होगा कि जो मूल्यांकन किया जा रहा है वह सही है या नहीं। हमने देखा है कि बहुत सारे आईपीओ आ रहे हैं, जहां खुदरा निवेशक मूल्यांकन को चुनौती दे रहे हैं।

राष्ट्रीय

'जंगलराज' रोकने के लिए जनता ने मतदान कर तोड़ा रिकॉर्ड : मोदी

प्रधानमंत्री ने औरंगाबाद की जनसभा में कांग्रेस और राजद का किया घेराव

औरंगाबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में पहले चरण के चुनाव में जनता ने रिकॉर्ड मतदान किया है ताकि 'जंगलराज' की वापसी नहीं हो। मोदी ने उम्मीद जताई कि बिहार की जनता फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को जीत दिलाएगी।

प्रधानमंत्री ने चुनावी सभा में कहा, बिहार के लोगों ने रिकॉर्ड तोड़ा है। महिलाओं ने भी सभी रिकॉर्ड तोड़े। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता अपने घोषणा-पत्र पर बात नहीं करते क्योंकि यह झूठ का पुलिंदा है। उनका कहना था कि बिहार की जनता को उनके और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों पर भरोसा है और राज्य पर पवित्र गंगा की कृपा बनी हुई है। मोदी ने केंद्र एवं राज्य सरकारों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि 'डबल इंजन' वाली राजग सरकार विकास, विनिर्माण, 'फूड प्रोसेसिंग यूनिट' समेत सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा, जो कुछ मैंने वादा किया, मैंने पूरा किया। उन्होंने राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने तथा आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक रैंक-एक पेंशन (ओरोओपी) लागू की गई और सेवानिवृत्त सैनिकों के खातों में करीब एक लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के शासन में हिंसा पर अंकुश लगा है तथा इस बार मतदाता भय के बिना मतदान करने आए। निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान सुचारू रूप से हुआ और विदेशी पर्यवेक्षक भी मतदान देखने आए।

बिहार में अधिक मतदान सरकार के पक्ष में वोट है : धर्मेंद्र प्रधान

पटना। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार चुनाव में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत सरकार के पक्ष में लहर का संकेत है और विपक्ष का यह दावा निराधार है कि यह परिणाम राजग के लिए चेतावनी की घंटी है। राज्य में भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में 64.69 प्रतिशत मतदान हुआ, जो राज्य के चुनावी इतिहास में अब तक का सर्वाधिक है। प्रधान ने कहा, उत्साहवर्धक मतदान का संकेत है। कई जगहों पर देखा गया है कि लोग बड़ी संख्या में मौजूदा सरकार के पक्ष में मतदान करने निकलते हैं। बिहार में भी यही हो रहा है। महिलाओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया और मीडिया से बात करने वाले अधिकतर मतदाताओं ने स्पष्ट कहा कि वे विकास और सुरक्षा के लिए वोट कर रहे हैं।

बिहार संग्राम

लालू-राबड़ी-राहुल के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं : शाह

जमुई/भागलपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं के पास बिहार के विकास के लिए कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन ने अपने शासनकाल में गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम किया। जमुई की चुनावी सभा में शाह ने लालू प्रसाद और सोनिया गांधी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, जो लोग सिर्फ अपने बेटे-बेटियों के कल्याण की चिंता करते हैं, वे बिहार का विकास नहीं कर सकते। शाह ने आरोप लगाया, उन्होंने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ उन घुसपैठियों को संरक्षण दिया जो गरीबों की नौकरियां, अनाज और संसाधन छीन रहे हैं। क्या ऐसे लोग बिहार को विकसित बना सकते हैं? बिल्कुल नहीं। भागलपुर में की रैली में शाह ने विपक्षी गठबंधन को ठगबंधन करार देते हुए कहा कि इनके पास न तो कोई नीति है, न एकता। उन्होंने तेजस्वी यादव पर भी हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी के प्रिय मुख्यमंत्री एमके स्टालिन (डीएमके) ने बिहारी लोगों की तुलना बीड़ी से करके उनका अपमान किया था। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय आतंकवादी हमले आम थे और उस समय के प्रधानमंत्री में आतंकवाद के खिलाफ बोलने का भी साहस नहीं था।

हरियाणा में वोट चोरी की गई, अब बिहार में कोशिश जारी : राहुल गांधी

बांका (बिहार)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी की थी और अब बिहार में कोशिश कर रही है। बांका में राहुल ने भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी और अमित शाह ने हरियाणा का चुनाव चुराया और चुनाव आयोग इस पर आंखें मूंदे बैठा है। हरियाणा में दो करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 29 लाख फर्जी हैं। ब्राजील की महिला का नाम मतदाता सूची में कई बूथ पर था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने दिल्ली में मतदान करने के बाद बिहार में भी वोट डाला है। भाजपा ने यही काम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में किया, और अब बिहार में भी वही दोहराने की कोशिश कर रही है।

'मनुस्मृति' नहीं लागू होने देंगे, चाहे जान चली जाए : खरगे

सासाराम। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी पर देश में मनुस्मृति को लागू करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि यह नहीं होने दिया जाएगा, चाहे जान क्यों न चली जाए। उन्होंने रोहतास के चेनारी में चुनावी सभा में कहा कि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया ताकि पलायन और बेरोजगारी खत्म हो। मोदी ने कहा कि कनपटी पर कट्टा रखकर राजद ने मुख्यमंत्री का पद ले लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ झूठ पर झूठ बोलते हैं। खरगे ने कहा कि मोदी मनुस्मृति को सामने रखकर उसके तहत समाज को चलाना चाहते हैं। जिसे आंबेडकर ने जलाया, उस मनुस्मृति को ये वापस लाना चाहते हैं।

पायलट दोषी नहीं, आप इसका बोझ न लें : सुप्रीम कोर्ट

अहमदाबाद हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए पायलट के 91 वर्षीय पिता से शुक्रवार को कहा कि उनके बेटे को इस दुर्घटना के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता और उन्हें इसका बोझ अपने ऊपर नहीं रखना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उनकी याचिका पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा कि आपको अपने ऊपर बोझ नहीं रखना चाहिए। विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह दुर्घटना थी। प्रारंभिक रिपोर्ट में भी उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पायलट के पिता पुष्कराज सभरवाल के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि पायलट कैप्टन सुमित के संबंध में अमेरिकी प्रकाशन वॉल स्ट्रीट जर्नल में समाचार लेख छपा था। पीठ ने जवाब दिया, यह केवल भारत को दोषी ठहराने के लिए घटिया रिपोर्टिंग थी। पीठ ने 12 जुलाई को जारी विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट का पैराग्राफ पढ़ा और कहा कि इसमें कहीं भी यह नहीं कहा गया कि दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी ठहराया जाना चाहिए और इसमें केवल विमान के दो पायलटों के बीच हुई बातचीत का उल्लेख है। एएआईबी जांच का दायरा दोषारोपण करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचने के लिए निवारक उपाय सुझाना है। यदि आवश्यक हुआ तो हम स्पष्ट कर देंगे कि पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने इस मामले को घटना से संबंधित अन्य लंबित याचिकाओं के साथ 10 नवंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। गौरतलब है कि 12 जून को हुए विमान हादसे में 260 लोगों की जान चली गयी थी।

उज्जैन में मस्जिद गिराए जाने के खिलाफ याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक मस्जिद के गिराए जाने के खिलाफ दायर याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मस्जिद को भूमि अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दिया गया था। तकिया मस्जिद जनवरी में उस जमीन के अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दी गई थी जिस पर यह बनी थी। कहा जाता है कि मस्जिद 200 साल पहले बनी थी। अधिकारियों ने उज्जैन में महाकाल लोक परिसर के पार्किंग स्थल का विस्तार करने के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही शुरू की थी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, 13 याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि 200 साल पुरानी मस्जिद को इसलिए गिराया गया क्योंकि पार्किंग स्थल की आवश्यकता थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस याचिका की सुनवाई की। पीठ ने कहा कि वैधानिक योजना के तहत मुआवज़ा देना ज़रूरी था। आपने उसी अधिग्रहण को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी, जिसे वापस लिया गया मान कर खारिज कर दिया गया था। वकील ने कहा कि मस्जिद को 1985 में वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था। वकील ने तर्क दिया, आपको किसी अन्य धार्मिक स्थल के लिए पार्किंग की ज़रूरत है और आप मस्जिद गिरा देते हैं और कहते हैं कि आपको इसका अधिकार नहीं है।

एसआईआर: ईसी के फैसले पर 11 को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने पूरे भारत में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के निर्वाचन आयोग (ईसी) के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 नवंबर को सुनवाई करने पर शुक्रवार को सहमति जताई। गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों तक जाता है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह 11 नवंबर से इन याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगी। पीठ ने कहा कि 11 से कई मामले सूचीबद्ध हैं, फिर भी वह अन्य सुनवाई को समायोजित करने का प्रयास करेगी।

बिहार विस चुनाव के पहले चरण के बाद पुनर्मतदान की कोई सिफारिश नहीं : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि बिहार विस चुनाव के पहले चरण में 6 नवंबर को मतदान के बाद 121 सीटों के 45,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गई है।

आयोग ने बताया कि उसकी ओर से नियुक्त किए गए 121 रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और 121 सामान्य पर्यवेक्षकों (जीओ) की मौजूदगी में सभी 121 विधानसभा क्षेत्रों में दस्तावेजों की जांच की गई। इस प्रक्रिया में लगभग 455 उम्मीदवारों या उनके एजेंटों ने भी हिस्सा लिया। जांच के बाद, किसी भी मतदान केंद्र पर कोई विसंगति या गड़बड़ी नहीं पाई गई और चुनाव के पहले चरण में पुनर्मतदान की कोई सिफारिश नहीं की गई है। बिहार में पहले चरण में लगभग 65 प्रतिशत का रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है। दूसरे चरण के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा।

पुणे में आईटी पेशेवर से 14 करोड़ ठगे, साध्वी समेत तीन हिरासत में

पुणे, एजेंसी

- **आध्यात्मिक शक्तियों से दो लड़कियों का उपचार करने का पिता को दिया झांसा**

महाराष्ट्र के पुणे में अपनी 'आध्यात्मिक शक्तियों' के बूते दो लड़कियों की स्वास्थ्य समस्याएं दूर करने का झांसा देकर उनके आईटी पेशेवर पिता से कथित रूप से 14 करोड़ रुपये ठग लेने के आरोप में एक कथित साध्वी एवं दो अन्य को हिरासत में लिया गया है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीपक डोलास ने कुछ दिन पहले पुणे पुलिस से शिकायत की थी कि एक कथित साध्वी ने यह दावा करते हुए उनके साथ धोखाधड़ी की है कि उसके पास आध्यात्मिक उपचार शक्तियां हैं। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा, कोथरूड थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था और बाद में इसे आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को स्थानांतरित कर दिया गया। नासिक से तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस ने पुष्टि की कि हिरासत में लिए लोगों में कथित साध्वी भी है, लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि साध्वी ने उनके परिवार को आश्वासन दिया था कि वह दैवीय हस्तक्षेप से उनकी बेटियों को ठीक कर सकती है। उसने उन्हें अपनी संपत्ति बेचने को राजी किया, जिसमें ब्रिटेन में घर, पुणे में अचल संपत्ति और अपने पैतृक गांव में कृषि भूमि शामिल थी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्रिटेन की मंत्री लिसा ने नियमों के उल्लंघन को लेकर माफी मांगी

लंदन। ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मामलों की मंत्री लिसा नंदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से तब माफी मांगी जब यह पाया गया कि इंग्लैंड के नए फुटबॉल निगरानीकर्ता की नियुक्ति करते समय उन्होंने अनजाने'' में देश के सार्वजनिक नियुक्ति नियमों का उल्लंघन किया था। सार्वजनिक नियुक्तियों के स्वतंत्र आयुक्त सर विलियम शॉक्रॉस ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि पिछले महीने डेविड कोगन की नियुक्ति शासन संहिता का उल्लंघन है, क्योंकि उन्होंने पांच साल पहले भारतीय मूल की ब्रिटेन की मंत्री के लेबर पार्टी के नेतृत्व अभियान के लिए कुल 2,900 पाउंड के दो दान दिए थे। शॉक्रॉस ने अपनी जांच में लिखा, आयुक्त ने पाया है कि नंदी ने अनजाने में संहिता का उल्लंघन किया है। उन्हें यह जांच करनी चाहिए थी और कोगन को चुनने से पहले आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए थी।

कैरिबियाई सागर में जहाज पर अमेरिका का हमला, 3 लोग मारे गए

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना के गुरुवार को कैरिबियन सागर में एक जहाज पर किए गए हमले में तीन लोग मारे गए। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देशन में युद्ध विभाग ने घोषित आतंकवादी संगठन के एक जहाज पर घातक हमला किया। यह जहाज कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त था। इस अभियान में किसी भी अमेरिकी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच संसद के कई सदस्यों और मानवाधिकार संगठनों ने इस कार्रवाई की आलोचना की है और कहा कि संदिग्ध ड्रग तस्करों पर अदालतों में मुकदमा चलाया जाना चाहिए था। ट्रंप प्रशासन ने अभी तक ऐसा कोई सबूत जारी नहीं किया है कि जहाज नशीले पदार्थ ले जा रहे थे या उनका मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह से संबंध था।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर दागी मिसाइल, नुकसान नहीं

सोल। उत्तर कोरिया के शुक्रवार को अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागने से इलाके में तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ़ ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र ताइक्वान के आसपास के एक अंतरदेशीय क्षेत्र से यह मिसाइल दागी गयी। उन्होंने उड़ान के बारे में और जानकारी नहीं दी, पर यह अवश्य कहा कि दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया द्वारा और अधिक प्रक्षेपणों की आशंका के खिलाफ निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है और अमेरिका तथा जापान के साथ जानकारी साझा की जा रही है। जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि मिसाइल देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर के जलक्षेत्र में गिरी।

प्रत्यर्पित किया जा रहा ब्रिटिश दिल्ली हवाई अड्डे से फरार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान, नहीं चला पता**

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ी सुरक्षा चूक में बैंकॉक से आया एक ब्रिटिश नागरिक आव्रजन क्षेत्र से भाग गया। बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना 28 अक्टूबर को हुई जब फिट्ज पैट्रिक नामक ब्रिटिश नागरिक बैंकॉक से दिल्ली पहुंचा। पैट्रिक को थाईलैंड के रास्ते ब्रिटेन प्रत्यर्पित किया जाना था, लेकिन दिल्ली पहुंचने के बाद वह आव्रजन क्षेत्र में अधिकारियों को चकमा देकर भाग निकला और किसी कार्रवाई से पहले ही हवाई अड्डे से बाहर निकल गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ब्रिटिश नागरिक को थाईलैंड के रास्ते ब्रिटेन भेजा जाना था लेकिन वह भागकर शहर में घुस गया। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है और प्राथमिकी दर्ज की गई है। हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार सीआईएसएफ ने आव्रजन ब्यूरो और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर भगोड़े का पता लगाने के लिए समन्वित प्रयास शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि संभावित चूक की पहचान के लिए हवाई अड्डे के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

वंदे मातरम् की यात्रा

महात्मा गांधी ने चिंता जताई थी कि यदि लोग वंदे मातरम को त्याग देते हैं तो वे भविष्य में 'जय हिंद' को भी त्याग सकते हैं। उन्होंने 'जय हिंद' के अभिवादन का समर्थन किया था।

आनंद मठ से आजादी के आंदोलन तक

आजादी के आंदोलन के अमर गीत वंदे मातरम की रचना उन दिनों की बात है, जब अंग्रेजों ने भारतीयों पर 'गॉड सेव द क्वीन' गीत गाए जाने का आदेश थोप दिया था। अंग्रेजों के इस आदेश से व्यथित बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय उन्हीं दिनों की एक शाम बंगाल के गांव कांतलपाड़ा में

प्राकृतिक सौंदर्य को निहारते हुए मातृभूमि के प्रति इतने भावुक हो गए कि इस अमर गीत की रचना कर डाली। देशभक्ति के साथ मातृभूमि को देवी के रूप में पूजने की भावना के साथ रचा गया यह गीत 1882 में जब उनके उपन्यास 'आनंदमठ' में प्रकाशित होकर देशवासियों तक पहुंचा तो देशभक्ति, एकता और स्वतंत्रता आंदोलन में संघर्ष और बलिदान का प्रतीक बन गया। इसके बाद क्रांतिकारियों के जोश के प्रतीक के रूप में यह गीत कांग्रेस के अधिवेशनों, प्रदर्शन और रैलियों में गाया जाने लगा। अंग्रेजों ने 1907 में इसके सार्वजनिक गायन पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन यह गीत आजादी के आंदोलन का अभिन्न हिस्सा बना रहा।

आजादी के आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका

- यह गीत आजादी की लड़ाई में भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। इसने अंग्रेजों के होश उड़ा दिए।
- 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में हुए स्वदेशी आंदोलन के दौरान भी यह सबसे प्रमुख नारा बन गया।
- स्वराज और आत्मनिर्भरता की भावना को जन्म दिया, देश भर के आंदोलनों को एकता के सूत्र में पिरोया।

वंदे मातरम् का इतिहास

- बंकिम चंद्र ने 7 नवंबर 1875 को इस गीत की रचना की थी और 1882 में अपने उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया था।
- यह गीत संस्कृत और बांग्ला मिश्रित भाषा में लिखा गया था। इस गीत में मातृभूमि की कल्पना देवी के रूप में की गई थी।
- संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान के समान दर्जा दिया और समान रूप से सम्मानित करने का निर्णय लिया।

वंदे मातरम का पहली बार गायन रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता में हुए अधिवेशन में किया था।

यादगार घटनाएं

- पश्चिम बंगाल में आजादी के लिए एक जुलूस का नेतृत्व कर रही मातंगिनी हाजरा को 1942 में जब ब्रिटिश पुलिस ने तीन गोलियां मारीं तो उनके अंतिम शब्द 'वंदे मातरम' थे।
- महाराष्ट्र की भीकाजी रुस्तम कामा ने 1907 में जर्मनी के स्टटगार्ट में बनाए गए भारत के पहले राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) की मध्य पट्टी पर 'वंदे मातरम' लिखा गया था।
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की पुस्तक 'क्रांति गीतांजलि' में गीत के पहले दो छंद 'मातृ वंदना' के रूप में दिए गए थे, जिसे प्रतिबंधित कर दिया गया था।

अंग्रेजों की कूटनीति

वंदे मातरम गीत के ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एकता का सूत्र बन जाने के बाद अंग्रेजों ने इस पर प्रतिबंध लगाया। यह बेअसर रहा तो उन्होंने बांटों और राज करो की नीति के तहत इसे हिंदू-मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करने का जरिया बनाया और इसमें कामयाब भी हुए। धार्मिक विवाद शुरू हो गए। 1909 के मुस्लिम लीग के अमृतसर अधिवेशन में वंदे मातरम को 'इस्लाम विरोधी' करार दिया गया।

विवाद और चर्चाएं

वंदे मातरम के 100 साल पूरे होने पर 2005 में इसे स्कूलों में गाने के लिए प्रोत्साहित किया गया लेकिन कुछ धार्मिक समूहों की ओर से आपत्ति जताने के बाद तत्कालीन सरकार ने इसे अनिवार्य नहीं बनाया और इसका गायन लोगों की स्वेच्छा पर छोड़ दिया गया।

एक डिग्री सेल्सियस के 10वें हिस्से के बराबर तापमान बढ़ना भी अब घातक

कॉप- 30 के विशेष दूतों ने विश्व नेताओं को दी चेतावनी, एकजुट होने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉप- 30 के सात विशेष दूतों ने शुक्रवार को ब्राजील में इस वर्ष होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं से पेरिस समझौते के कार्यान्वयन में 'निर्णायक प्रगति' लाने का आग्रह किया, साथ ही चेतावनी दी कि एक डिग्री सेल्सियस के दसवें हिस्से के बराबर अतिरिक्त तापमान भी 'कठोर परिणाम' लाएगा।

कॉप30 के अध्यक्ष और विश्व नेताओं को लिखे एक संयुक्त पत्र में, दूतों ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन एक 'महत्वपूर्ण अवसर और एक गंभीर चुनौती' दोनों प्रस्तुत करता है और इससे एक मजबूत संकेत मिलना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जलवायु संकट का सामना करने के अपने दृढ़ संकल्प में एकजुट है। आगामी 10 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित होने वाला कॉप- 30 सम्मेलन पेरिस समझौते के एक दशक पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। यह वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों, चल रहे युद्धों और अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता के बीच हो रहा है।

आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं के बीच कई विकसित देशों द्वारा अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के साथ-साथ अमेरिका के पेरिस समझौते से हटने के चलते इस वर्ष की जलवायु वार्ता के लिए एक चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि तैयार हो गई है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2025 रिकॉर्ड पर दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष होगा। वर्ष 2024 सबसे गर्म वर्ष था और ऐसा पहला वर्ष था जब वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। हालांकि, पेरिस समझौते में निर्दिष्ट 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा का स्थाई उल्लंघन 20 या 30 वर्षों की अवधि में दीर्घकालिक तापमान वृद्धि को दर्शाता है। कॉप- 30 के लिए सात विशेष दूतों में अदनान जेड अमीन (पश्चिम एशिया), अरुणाभ घोष (दक्षिण एशिया), कार्लोस लोपेज (अफ्रीका), जैसिंडा अर्डर्न (ओशिनिया), जोनाथन पर्शिंग (उत्तरी अमेरिका), लॉरेंस टुबियाना (यूरोप) और पेट्रीसिया एस्पिनोसा (लैटिन अमेरिका और कैरिबियन) शामिल हैं।

जलवायु संकट पर चिंता

2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने की आशंका, रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई अपर्याप्त

वैज्ञानिकों ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2030 के दशक की शुरुआत तक दुनिया में तापमान वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की बहुत संभावना है। दक्षिण एशिया, अफ्रीका, यूरोप और उत्तरी अमेरिका सहित प्रमुख क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले दूतों ने कहा कि 2015 के पेरिस समझौते के बाद से हुई प्रगति के बावजूद, तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए वैश्विक कार्रवाई अपर्याप्त है। उन्होंने लिखा, हम पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहे हैं। दूतों ने कहा कि कॉप30 को पेरिस समझौते और दुबई में कॉप28 में अपनाई गई संयुक्त अरब अमीरात की आम सहमति, दोनों के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

यूएन महासचिव ने भी किया त्वरित और ठोस प्रयासों का आग्रह

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और विश्व नेताओं ने विश्व के देशों से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाने और ठोस प्रयास करने का आग्रह किया है। ब्राज़ील के अमेज़न शहर बेलेम में 10-21 नवंबर को होने वाले 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप- 30) से पहले जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित दो दिवसीय नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते उन्होंने आह्वान किया, हमें तेज़ी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। इस सीओपी को एक दशक की गति और परिणाम देने वाली योजना को प्रज्वलित करना चाहिए। उन्होंने तापमान में बढ़ोत्तरी मामले में कहा इससे पारिस्थितिक तंत्र अपरिवर्तनीय चरम सीमा से आगे बढ़ सकता है। जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों के जीवन को संकट में डाल सकता है।" इस विशाल चुनौती के बावजूद, दुनिया "बेलेम को एक महत्वपूर्ण मोड़ बनाने का विकल्प चुन सकती है। गुटेरेस ने इस मामले में विश्व के अनेक देशों द्वारा तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच फिर हुई गोलाबारी

इस्लामाबाद। अफ़ग़ानिस्तान के कंधार प्रांत के एक सीमावर्ती ज़िले में पाकिस्तानी सेना ने भारी हथियारों का भी जमकर इस्तेमाल किया। अफगानिस्तान के स्थानीय मीडिया के अनुसार गोलीबारी स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम लगभग 5 बजे हुई।

कहा गया है कि स्पिन बोल्डक ज़िले के एक व्यावसायिक बाज़ार पर मोर्टार के गोले दागे गए, जिससे लोगों को इलाके से भागने पर मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान ने कहा है कि अफगान तालिबान के नियंत्रण वाले इलाक़े से कुछ तत्वों के पाकिस्तानी चौकियों पर बिना उकसावे गोलीबारी शुरू करने के बाद पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा पर गोलीबारी हुई। अफगानी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के चमन ज़िले में हुई गोलीबारी का तुरंत और प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

शटडाउन : अमेरिका में होगी सैकड़ों उड़ानों की कटौती

न्यूयार्क, एजेंसी

- **आदेश जारी होने के बाद अब तक एक हजार से ज्यादा उड़ाने रद्द**

अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने संघीय 'शटडाउन' के बीच देशभर में उड़ानों को कम करने का आदेश शुक्रवार सुबह से लागू करने का एलान किया है। इससे सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने की आशंका है।

एफएए के आदेश के अनुसार, चयनित 40 हवाई अड्डे दो दर्जन से अधिक राज्यों में फैले हैं और इसमें अटलांटा, डलास, डेनवर, लॉस एंजिल्स और चार्लोट (नॉर्थ कैरोलिना) जैसे प्रमुख हब शामिल हैं। न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन, शिकागो और वॉशिंगटन समेत कुछ महानगरीय क्षेत्रों में कई हवाई अड्डों पर इसका असर पड़ेगा और इसका प्रभाव छोटे हवाई अड्डों पर भी पड़ सकता है। एफएए के आधिकारिक आदेश की संभावना के मद्देनजर एयरलाइनों ने अपने कार्यक्रम समायोजित करना शुरू कर दिया है तथा बृहस्पतिवार से ही उड़ानों को रद्द किया जा रहा है।

फ्लाइटअवेयर के अनुसार, देशभर में 780 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। डेल्टा एयर लाइन्स ने कहा कि वह शुक्रवार को लगभग 170 उड़ानें रद्द करेगी, जबकि अमेरिकन एयरलाइन्स ने सोमवार तक रोजाना 220 उड़ानों के संचालन को रोकने की योजना बनाई है। एफएए ने कहा कि उड़ानों में कमी 4 प्रतिशत से शुरू होकर 14 नवंबर तक 10 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। यह आदेश सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा और सभी वाणिज्यिक एयरलाइनों को प्रभावित करेगा।

अमेरिका में बना एक और भारतीय मूल का मेयर स्वर्णजीत सिंह संभालेंगे नॉर्विच शहर की कमान

न्यूयॉर्क। अमेरिका में एक और भारतीय मूल के व्यक्ति को मेयर चुना गया है। रियल एस्टेट कारोबारी सिंह स्वर्णजीत को कनेक्टिकट प्रांत के नॉर्विच शहर का मेयर बने हैं। वह राज्य के पहले सिख मेयर हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के स्वर्णजीत को 3,978 वोट (57.25 प्रतिशत) मिले, जबकि उनकी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी स्टेसी गोल्ड को 2,828 वोट (40.7 प्रतिशत) मिले। स्वर्णजीत की चुनावी वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने नॉर्विच को एक ऐसे शहर के रूप में वर्णित किया है, जिसने उनके परिवार को दिल खोलकर अपनाया है। इसमें कहा गया है कि 1984 में भारत में हुए सिख विरोधी दंगों के बाद उनका परिवार पलायन कर गया था और वह हिंसक उत्पीड़न के खतरे से मुक्ति पाने के लिए 2007 में अमेरिका पहुंचे थे। स्वर्णजीत रियल एस्टेट कारोबारी हैं और नॉर्विच में एक गैस स्टेशन के मालिक हैं।

इंडोनेशिया : स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट, छात्रों समेत 55 लोग घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक हाई स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट हुए जिसमें 55 लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर छात्र थे। पुलिस ने इन अटकलों को खारिज करने की कोशिश की कि ये विस्फोट आतंकवादी हमला थे और कहा कि वे जांच कर रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने दोपहर के आसपास कम से कम दो जोरदार धमाके सुने, ठीक उसी समय जब जकार्ता के उत्तरी केलापा गाडिंग इलाके में नौसेना परिसर के अंदर स्थित सरकारी हाई स्कूल, एसएमए 27 स्थित मस्जिद में धर्मोपदेश शुरू

- **आतंकवादी हमला होने का शक कई घायलों की हालत गंभीर**

हुआ था। मस्जिद में धुआं भर जाने से छात्र और अन्य लोग दहशत में बाहर भागे। जकार्ता पुलिस प्रमुख असेप एडी सुहेरी के अनुसार ज्यादातर लोगों को कांच के टुकड़ों से मामूली से लेकर गंभीर चोटें आईं। विस्फोटों का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस प्रमुख ने बताया कि लोगों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। कुछ को तुरंत घर भेज दिया गया, लेकिन 20 छात्र अभी भी अस्पताल में हैं, जिनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हैं।

चीनी बेड़े में तीसरा विमान वाहक पोत

बीजिंग। चीन ने अपने तीसरे विमानवाहक पोत 'फुजियान' को नौसैनिक बेड़े में शामिल कर लिया है। इसे विद्युतचुंबकीय प्रक्षेपण प्रणाली (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट) से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है जिससे विमानों को उड़ान भरने में मदद मिलती है।

'फुजियान' को चीनी नौसेना में शामिल किए जाने पर आयोजित गोपनीय समारोह में राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मौजूद थे। फुजियान एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम से लैस है, जिसका इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड करता है।

भूख-गरीबी अभाव से नहीं बल्कि राजनीतिक विफलता के कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र दोहा शिखर सम्मेलन में सामाजिक प्रतिज्ञाएं पूरी करने का संकल्प

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बैरबॉक ने दोहा शिखर सम्मेलन की समापन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह शिखर सम्मेलन कमियों की पहचान करने से लेकर सिद्ध समाधानों पर अमल करने की दिशा में एक सुविचारित बदलाव का प्रतीक है। शिखर सम्मेलन में 40 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों, 230 से ज्यादा मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों और लगभग 14,000 उपस्थित लोगों ने भाग लिया।

एनालेना ने कहा, कोपेनहेगन ने हमें 30 साल पहले सिखाया था कि

मज़बूत समाजों के लिए सामाजिक विकास और समावेशन ज़रूरी हैं। हमने किसी को पीछे न छोड़ने का वादा किया था। सामाजिक विकास कोई दान जैसा कार्य नहीं है और नहीं प्रत्येक द्वारा अपने हित में किये जाने वाला कार्य है। यह हर देश के हित में है। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया में आज भूख और गरीबी अभाव के कारण नहीं, बल्कि संघर्ष, असमानता और राजनीतिक विफलताओं के कारण हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, सबसे बड़ी समस्या पैसा नहीं बल्कि यह है कि इसे कैसे निवेश किया जाता है।

औपचारिक पूर्ण सत्र और गोलमेज चर्चाओं के साथ-साथ, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुंच में सुधार लाने और सम्मानजनक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने के लिए 250 से अधिक समाधान सत्र आयोजित किए गए। उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने कहा कि यह परिणाम नागरिक समाज, ट्रेड यूनियनों, सामुदायिक नेताओं, व्यवसायों और युवा प्रतिनिधियों द्वारा पूरे सप्ताह व्यक्त की गई तात्कालिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, संदेश स्पष्ट है, लोग हमसे केवल घोषणाओं की नहीं, बल्कि उत्तरों की अपेक्षा करते हैं।

क्षेत्रीय आर्थिक आयोग करेंगे देशों की मदद

क्षेत्रीय आर्थिक आयोगों ने कहा कि वे प्रतिबद्धताओं को व्यावहारिक उपायों में बदलने में देशों की सहायता करेंगे। यूरोप के आर्थिक आयोग ने वृद्धावस्था नीतियों, किफायती आवास, न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन और बेहतर गरीबी आंकड़ों के लिए समर्थन पर ज़ोर दिया, जिससे सरकारों को सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों तक पहुंचने वाली प्रणालियां डिज़ाइन करने में मदद मिली। अफ्रीका के आर्थिक आयोग ने अफ्रीकी संघ और क्षेत्रीय संस्थानों के साथ साझेदारी में शिक्षा, कौशल, रोज़गार के अवसरों और उद्यमिता में निवेश का आह्वान करते हुए, महाद्वीप की युवा क्षमता पर जोर दिया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 8 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 07 .32 तक तत्पश्चात चतुर्थी 9 नवंबर 04 .25 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

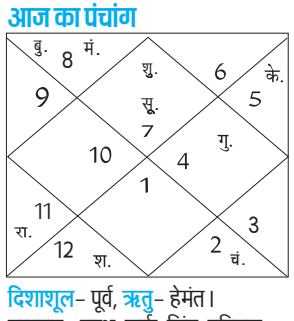

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 22 .02 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृष — आज अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के पूर्वार्ध में कर लेना हितकर होगा। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

मिथुन — आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। पुराने रुके हुए कार्य शुरू हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी।

कर्क — आज आप पर कार्यभार की अधिकता रहेगी। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है।

सिंह — आज आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है। आपके खर्चों में कमी आएगी। कार्यक्षेत्र में मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। सोशल मीडिया में आप अत्यधिक सक्रिय रहेंगे।

कन्या — आज सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति विषयों में आप विशेष रुचि ले सकते हैं। अचानक किसी आवश्यक कार्य से शहर से बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी मित्रता बढ़ेगी।

तुला — आज बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक खर्च कर सकते हैं। दोस्तों के साथ भविष्य की किसी योजना को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं।

वृश्चिक — आज किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। आप कोई नया काम शुरू करने से बचें।

धनु — आज किसी इंटरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं, तो सफलता अवश्य मिलेगी। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कई आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे।

मकर — आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध चुगली कर सकते हैं। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है।

कुंभ — आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध मधुर होंगे। मित्रों के भरोसे अपने काम न छोड़ें। बच्चे बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य पसंद करेंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें।

मीन — आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। बोलचाल में अपशब्दों का प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

सुडोकू-154

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1					2		
4		5						
			2	7				
	9		3					
	7						1	
				5	4			
				4	6			
		1				4		5
7		3					8	

सुडोकू - 153 का हल

1	8	5	9	2	6	7	4	3
9	3	4	5	1	7	2	8	6
2	6	7	8	4	3	5	9	1
8	1	3	7	6	5	4	2	9
7	9	6	2	8	4	3	1	5
4	5	2	1	3	9	6	7	8
5	4	1	6	9	2	8	3	7
3	7	8	4	5	1	9	6	2
6	2	9	3	7	8	1	5	4

मैच से पहले सचिन सर का फोन आया। उन्होंने अपना अनुभव साझा किया और हमे संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जब मैच तेज चल रहा हो तो थमकर खेलने की कोशिश करो क्योंकि अगर तुम भी तेज खेलोगे तो लड़खड़ा जाने का खतरा होगा।

-हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार 8 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सचिन के फोन से मिली थी हरमनप्रीत को प्रेरणा

नई दिल्ली : विश्व कप फाइनल से पहले हरमनप्रीत कौर को बहुत सलाह मिली, लेकिन भारतीय कप्तान के लिए सबसे अहम थी, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की सलाह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक फाइनल से पहले महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत को तेंदुलकर ने फोन किया था। नवी मुंबई में फाइनल जीते को पांच दिन हो चुके हैं लेकिन हरमनप्रीत अभी भी अचरज में है कि सोलह साल तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद अचानक सब कुछ कैसे बदल गया। उन्होंने कहा हम जब भी एक दूसरे से मिलते हैं तो कहते हैं विश्व चैम्पियन। यह अलग तरह का अनुभव है। हम इंतजार कर रहे थे कि इस तरह का अनुभव कब होगा। हरमनप्रीत ने कहा मेरे माता पिता वहां थे। उनके सामने विश्व कप जीतने का पल खास था।

डिजिटल पर रिकॉर्ड दर्शकों ने देखा फाइनल

मुंबई : आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत ने देश में क्रिकेट प्रसारण के लिए नए मानक स्थापित किए और आधिकारिक प्रसारक के अनुसार कुल 44 .6 करोड़ दर्शकों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह टूर्नामेंट देखा। जियोहॉटस्टार ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि महिला विश्व कप फाइनल को उसके प्लेटफॉर्म पर 18 .5 करोड़ उपयोगकर्ताओं ने देखा। इसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता। फाइनल में दर्शकों की संख्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दैनिक औसत से अधिक थी लेकिन यह पिछले साल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान दर्ज किए गए दर्शकों की संख्या के बराबर थी।

अर्जुन जीते, गुकेश ने ड्रॉ खेला

पणजी (गोवा) : ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव को शिकस्त दी जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शतरंज विश्व कप के तीसरे दौर की बाजी के पहले गेम जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन के साथ ड्रॉ खेला। एरिगेसी के अलावा ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने भी बेल्जियम के युवा ग्रैंडमास्टर डैनियल दर्धा को हराकर बढ़त बना ली। राउंड ऑफ 64 में आर प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से आसान शुरुआत करते हुए अर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान के साथ तीसरे दौर का पहला गेम ड्रॉ खेला जबकि विदित गुजराती ने सैम शंकलैंड से ड्रॉ खेला।

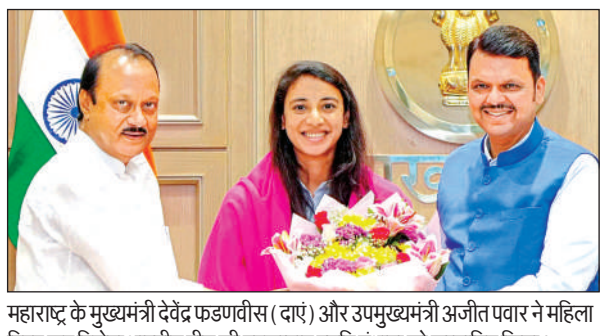

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (दाएं) और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने महिला विश्व कप विजेता भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को सम्मानित किया।

मोहाली में अपने घर पहुंचीं अमनजोत कौर ने परिवार के साथ जश्न मनाया। एजेंसी

मुझे लग रहा था कि शेफाली फाइनल में कुछ खास करेगी: प्रतिका

नई दिल्ली, एजेंसी

मनोविज्ञान की छात्रा होने के नाते प्रतिका रावल को थोड़ी समझ है कि मानव मस्तिष्क किस तरह काम करता है। उनकी अंतरात्मा से उन्हें महसूस हुआ कि विश्व कप नॉकआउट में उनकी जगह लेने वाली शेफाली वर्मा फाइनल में कुछ खास करेगी। हालांकि प्रतिका टखने और घुटने की चोट के कारण अपने करियर के सबसे अहम दो मैच में खेलने से चूक गईं, लेकिन उनका शेफाली के बारे में अंदाजा बिलकुल सही रहा।

प्रतिका ने पीटीआई वीडियो से कहा शेफाली को प्रेरणा की जरूरत नहीं है। फाइनल से पहले वह मेरे पास आई और बोली मुझे सच में अफसोस है कि तुम नहीं खेल सकती और मैंने उससे कहा कि कोई बात नहीं, ऐसी चीजें होती रहती हैं। मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी। प्रतिका ने टूर्नामेंट में 308 रन बनाए, जिससे वह लॉरा वोल्वार्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एशले गार्डनर (328) के बाद चौथे स्थान पर रहीं। लेकिन भारत के बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गई। उन्होंने कहा मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि मैं अभी मनोवैज्ञानिक हूं क्योंकि मैंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी नहीं की है। लेकिन मनोविज्ञान का अध्ययन करने वाली एक छात्रा के तौर पर मुझे मानवीय भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली जिसमें मेरी अपनी भावनाएं भी शामिल हैं।

प्रतिका ने कहा पहली बात कि जो हो गया उसे स्वीकार करें। आप उसे वापस नहीं ला सकते। एक बार जब मैंने चोट को स्वीकार कर लिया तो मैंने केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन पर मैं नियंत्रण कर सकती थी और वो था चोट से उबरना, नींद लेना, पोषण और टीम का समर्थन करते रहना। उन्होंने कहा मुझे चोट लगने से निराशा जरूर हुई, लेकिन मैं इससे हताश नहीं हुई। मेरे पिताजी हमेशा मेरे साथ थे, मेरे कोच मेरा हालचाल पूछते रहते थे, मेरी मां और भाई के रोज फोन करते थे। मेरे पास एक बहुत अच्छा 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने मुझे निराश या अकेला महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने स्वीकार किया पिछले रविवार को जब उनकी साथी खिलाड़ी मैदान पर उन्हें जश्न मनाने के लिए ले गईं तब उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा मुझे इस बात को स्वीकार करने में बहुत समय लगेगा कि हमने विश्व कप जीत लिया है।

प्रतिका रावल।

शेफाली वर्मा।

दीप्ति के इस्तकबाल के लिए ताज नगरी तैयार

आगरा : ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा के स्वागत के लिए घर में तैयारियां बहुत जोर शोर से चल रहीं हैं। दीप्ति के परिजन ने बताया कि शुक्रवार सुबह से ही घर को संवारने और सजाने का काम शुरू हो गया है। दीप्ति शर्मा आगरा के अवधपुरी की रहने वाली हैं। वह अब घर आने वालीं हैं लिहाजा परिजन बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दीपावली पर घर की रंगाई पुताई नहीं हुई थी लेकिन दीप्ति के आगमन पर घर का रंग रोगन और सजाया जा रहा है। घर के आसपास भी सफाई की जा रही है यानी दीप्ति घर आएगी तो आलीशान स्वागत किया जाएगा।

विदेशी सरजमीं पर एक और सीरीज जीतने का मौका

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां व अंतिम टी-20 मैच आज दोपहर 1:45 बजे से

ब्रिस्बेन, एजेंसी

विदेशी सरजमीं पर एक और सीरीज जीतने की दहलीज पर खड़ी भारतीय टीम शनिवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर कर ऑस्ट्रेलिया दौरे का अंत प्रभावशाली ढंग से करने की कोशिश करेगी। भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया में 17 साल से कोई टी-20 शृंखला नहीं गंवाने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इस दौरे का अंत जीत के साथ करने के लिए पूरा जोर लगाएगी।

मैच में सबसे ज्यादा नजरें शुभमन गिल और सूर्यकुमार की बल्लेबाजी पर होंगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले भारत की स्पिन चुनौती का डटकर सामना करना चाहेगा। भारतीय टीम ने पिछले मैच में बेहतर रणनीतिक सूझबूझ दिखाई थी और कैरारा की मुश्किल पिच पर बल्लेबाजों ने अच्छा तालमेल बिठाया था। गिल ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी जिससे भारत 14 ओवर में दो विकेट पर 121 रन के स्कोर के साथ मजबूत स्थिति में था। टीम ने हालांकि इसके बाद 15 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिये थे। उपकप्तान गिल ने सात पारियों से अर्धशतक नहीं लगाया है, लेकिन पिछले मैच में 46 रन के साथ उन्होंने ने लय में वापसी का संकेत दिया था। सूर्यकुमार ने शृंखला में कुछ शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली शृंखला से पहले कप्तान से और अधिक आजादी के साथ बल्लेबाजी कर मिसाल कायम करने की उम्मीद होगी।

तिलक वर्मा भी इस शृंखला में अभी तक अपनी लय नहीं पकड़ पाए हैं, उन्होंने अपने पिछले तीन मैचों में 0, 29 और पांच रन बनाए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा पर भी दबाव होगा क्योंकि पिछले दो मैचों में उन्होंने अनुभवी संजू सैमसन पर तरजीह मिलने के बाद कोई ख़ास प्रभाव नहीं छोड़ा है। अभिषेक शर्मा ने दुनिया के शीर्ष टी-20 बल्लेबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखते हुए एक तेज अर्धशतकीय पारी खेली और एक अन्य मैच में टीम को आक्रामक शुरुआत दिलाई। भारत का निचला क्रम भी प्रभावी रहा है। अक्षर पटेल ने पिछले मैच में 11 गेंदों में नाबाद 21 रनों की पारी खेली थी। सातवें और आठवें नंबर पर हरफनमौला खिलाड़ियों की मौजूदगी ने टीम को मजबूती प्रदान की है। अर्शदीप सिंह ने गेंदबाजी में एक बार फिर भारत के लिए अपनी उपयोगिता साबित की है, उन्होंने चार विकेट लिए हैं और जसप्रीत बुमराह के साथ नयी गेंद से प्रभावी जोड़ी बनाई है। कुलदीप यादव की अनुपस्थिति के बावजूद वरुण, अक्षर और वाशिंगटन की स्पिन तिकड़ी भारत की एक बड़ी ताकत रही है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम जम्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

- **बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव पर सबसे ज्यादा नजरें**

शुभमन गिल।

पिछली गलतियों से सीखा, बाउंड्री के आकार को शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया : अक्षर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट) : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने हरफनमौला खेल से प्रभावित करने वाले भारतीय खिलाड़ी अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों से सीख लेते हुए बाउंड्री के आकार को अपने शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया। अक्षर ने 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का की मदद से नाबाद 21 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान आखिरी ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 167 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अक्षर ने गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट चटकाये। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली। 'प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए अक्षर ने बीसीसीआई टीवी से कहा जाहिर है, मुझे पता था कि यह मुश्किल होगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही संदेश मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर डटे रहना है क्योंकि मेरे बाद कोई बल्लेबाज नहीं था। इस 31 साल के हरफनमौला ने कहा मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में जोखिम उठाउंगा। साइड की बाउंड्री की दूरी अधिक थी, लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी लय बनाए रखूं और गेंद पर नजर रखूं तो मैं गेंद को बाउंड्री के पार भेज सकता हूं। उन्होंने कहा मैंने पहले भी महसूस किया है कि अगर मैं बाउंड्री के आकार के बारे में सोचता था तो उस तरफ शॉट नहीं खेलता था। ऐसे में यह पहले से तय शॉट बन जाता था और मैं गलतियां कर बैठता था। मैंने पिछली गलतियों से सबक लेकर यहां अपने शॉट में सुधार किये। सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच शनिवार को ब्रिसबेन में खेला जाएगा।

पाकिस्तान पर जीत में चमके उथप्पा और बिन्नी

हांगकांग, एजेंसी

हांगकांग सिक्सेज मैच

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा और भरत चिपली की धमाकेदार पारियों के साथ स्टुअर्ट बिन्नी की किफायती गेंदबाजी की बदौलत भारत ने शुक्रवार को हांगकांग सिक्सेस के बारिश से प्रभावित पूल सी मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से पाकिस्तान को दो रनों से हरा दिया।

उथप्पा ने 11 गेंदों पर 28 रनों की तेज पारी खेली जबकि चिपली ने 13 गेंदों पर 24 रन बनाए, जिससे भारत ने छह ओवर में 4 विकेट पर 86 रन बनाए। पाकिस्तान ने लक्ष्य का पीछा करने की अच्छी शुरुआत की और भारी बारिश के कारण खेल रुकने से पहले तीन ओवर में 1 विकेट पर 41 रन बना लिए थे। मैच रोके जाते समय पाकिस्तान डकवर्थ लुईस पद्धति के तहत भारत से दो रन पीछे था। भारत की जीत में स्टुअर्ट बिन्नी का किफायती गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा।

बल्लेबाजी के दौरान रन लेने के लिए दौड़ते केएल राहुल। एजेंसी

भारत ए मजबूत स्थिति में, 112 रनों की बनाई बढ़त

बेंगलुरु, एजेंसी

- **दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच का दूसरा दिन**
- **तेज गेंदबाजों ने किया शानदार प्रदर्शन, राहुल क्रीज पर मौजूद**

मार्क्स एकरमैन की शतकीय पारी के बावजूद भारत ए ने दूसरे चार दिवसीय मैच में शुक्रवार को यहां दूसरे दिन तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बूते दक्षिण अफ्रीका ए की पहली पारी को 221 रन पर समेट कर पहली पारी में 34 रन की बढ़त हासिल की। भारत 'ए' ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में तीन विकेट पर 78 रन बनाकर बढ़त को 112 रन तक पहुंचा दिया।

सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (26) के साथ कुलदीप यादव (शून्य) क्रीज पर मौजूद हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा (35 रन पर तीन विकेट), मोहम्मद सिराज (61 रन पर दो विकेट) और आकाशदीप (28 रन पर दो विकेट) ने बीसीसीआई उत्कृष्टता केंद्र की पिच का शानदार तरीके से इस्तेमाल करते करने हुए आपस में सात विकेट साझा किये जिससे दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 221 रन पर सिमट गयी। एकरमैन (118 गेंद में 134 रन) ने एक छोर संभालते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की और अपनी पारी में 17 चौके और पांच छक्के जड़े।

सलामी बल्लेबाज अभिमन्यू ईश्वरन मैच में लगातार दूसरी बार खाता खोलने में नाकाम रहे और इस तरह उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए अपनी संभावनाओं को और कमजोर कर लिया। साई सुदर्शन भी 38 गेंद में 23 रन की पारी के दौरान अच्छी लय में नहीं दिखे। देवदत्त पडिक्कल (24) अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन गली क्षेत्र में सेसेगो सेनोक्वाने ने शानदार कैच लपक कर उनकी पारी का अंत किया। इससे पहले भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने एकरमैन के अलावा दक्षिण अफ्रीका के ज्यादातर बल्लेबाज परेशानी में दिखा। भारत के पहली पारी में 255 रन के जवाब में टीम ने शुरुआती आठ ओवर में ही 12 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा (शून्य) मैदानी अंपायर द्वारा आकाश की गेंद पर लेग साइड में विकेटकीपर ऋषभ पंत द्वारा कैच की अपील को स्वीकार करने से निराश दिखे।

महिला वनडे विश्व कप-2029 में 10 टीमों को खिलाने का फैसला

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि महिला वनडे विश्व कप के 2029 में होने वाले अगले चरण में मौजूदा आठ टीमों की संख्या को बढ़ाकर 10 टीम का कर दिया जाएगा। भारत ने दो नवंबर को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर महिला क्रिकेट में अपनी पहली वैश्विक ट्रॉफी जीती। हजारों प्रशंसक मैच देखने के लिए स्टेडियम में उमड़ पड़े जिससे विश्व संस्था को यह कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

आईसीसी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया आईसीसी बोर्ड इस टूर्नामेंट की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है। आईसीसी बोर्ड ने टूर्नामेंट के अगले चरण को 10 टीमों (2025 में आठ टीमों से) तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। इसमें आगे कहा गया लगभग 3,00,000 प्रशंसकों ने स्टेडियम में इस टूर्नामेंट को देखा जिसने किसी भी महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए दर्शकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस टूर्नामेंट में दर्शकों की संख्या में भी वृद्धि हुई और दुनिया भर में ऑन-स्क्रीन दर्शकों के लिए नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ जिसमें भारत में लगभग 50 करोड़ दर्शक थे। साथ ही बोर्ड ने समान विकास के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए वर्ष 2026 के लिए अपने सहयोगी सदस्यों को धन वितरण में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी। आईसीसी को 'प्रोजेक्ट यूएसए' पर अपना पहला अपडेट मिला है। यह परियोजना अमेरिकी क्रिकेट के निलंबन के बाद और आईसीसी के इस निर्देश के अनुरूप शुरू किया गया था कि अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के खिलाड़ियों के व्यावसायिक और विकास हितों पर बोर्ड के गैर-अनुपालन के कारण निलंबन का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। यह परियोजना लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लिए एक अनुकूल मार्ग तैयार करने और पर केंद्रित है।

उम्मीद | भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने महिला विश्व कप को ऐतिहासिक जीत बताया

हॉकी विश्व कप में भी खत्म होगा इंतजार : गुरबख्श सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत को ऐतिहासिक बताते हुए भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गुरबख्श सिंह ने उम्मीद जताई कि हरमनप्रीत सिंह की टीम हॉकी में भी विश्व कप के लिए 50 साल का इंतजार खत्म करेगी।

आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब तक सिर्फ एक बार 1975 में कुआलालम्पुर में विश्व कप जीत सकी है। पिछली बार 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए विश्व कप में मेजबान भारत संयुक्त नौवे स्थान पर रहा था।

टोक्यो ओलंपिक 1964 में स्वर्ण और मैक्सिको में चार साल बाद कांस्य पदक जीतने वाले 90 वर्ष के गुरबख्श ने भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर भाषा से खास बातचीत में कहा भारत की लड़कियों ने क्रिकेट में हाल ही में विश्व कप जीता है और इससे देश में महिला क्रिकेट को बहुत फायदा मिलेगा। उम्मीद है कि हॉकी में भी अगले साल विश्व कप जीतकर हम इंतजार खत्म करेंगे। विश्व कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में जुलाई अगस्त में होगा और भारत ने एशिया कप जीतकर टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने कहा कि विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के दौर में शुरू हुआ और यही वजह है कि भारत ओलंपिक के प्रदर्शन को उसमे दोहरा नहीं सका।

गुरबख्श ने कहा विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के आने के बाद आया। ओलंपिक में भी टर्फ के आने के बाद हमारे प्रदर्शन में गिरावट आई थी तो शायद वही वजह रही होगी लेकिन मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए मुझे यकीन है कि विश्व कप में भी पदक अब दूर नहीं। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम विश्व कप जीत सकती है लेकिन इसमें कुछ बदलाव करने होंगे। उन्होंने कहा इस टीम में अधिकांश खिलाड़ी दस साल से अधिक से खेल रहे हैं। बदलाव अच्छे होने चाहिये जिससे दावा और पुख्ता होगा। मेरी सलाह यही है कि अच्छा खेल रहे हो और इस लय को कायम रखो लेकिन जूनियर खिलाड़ियों में से भी कुछ को लाना होगा। एशियाई खेल 1966 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के अहम सदस्य रहे गुरबख्श ने कहा कि भारतीय हॉकी सही राह पर है लेकिन इसे ऊपर की ओर जाना होगा। उन्होंने कहा इस स्तर पर आपको शीर्ष पांच टीमों में आना होगा। ओलंपिक या विश्व कप में सेमीफाइनल पहला लक्ष्य होना चाहिए जिसके बाद कोई भी पदक आ सकता है।

हमें हर हालत में जीतना था

पुरानी यादों को ताजा करते हुए गुरबख्श का चेहरा चमक उठा और उन्होंने कहा 1960 में हम हार चुके थे और 1964 में हर हालत में जीतना था। हमारे पास फाइनल में खोने के लिए कुछ नहीं था। पाकिस्तानी अधिक नर्वस थे लेकिन हमने आराम से खेला और हमने अपना सब कुछ झोंक दिया था। थोड़ा तनाव भी हो गया था। आखिरी पांच मिनटों में गोलकीपर शंकर लक्ष्मण ने मुनीर दर के दो पेनल्टी कार्नर बचाकर यादगार जीत दिलाई। उन्होंने कहा इसके बाद 1966 में पहली बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। यह सफर सुनहरा रहा है और मुझे गर्व का अनुभव होता है।